



भारत का राजपत्र The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-अ.-22122020-223870
CG-DL-E-22122020-223870

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 366]

नई दिल्ली, मंगलवार, दिसम्बर 22, 2020/पौष 1, 1942

No. 366]

NEW DELHI, TUESDAY, DECEMBER 22, 2020/PAUSHA 1, 1942

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(व्यापार उपचार महानिदेशालय)

अधिसूचना

अंतिम जांच परिणाम

नई दिल्ली, 22 दिसम्बर, 2020

मामला संख्या (ओ आई) 16/2019

विषय: चीन जन.गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित रोल्स में फेस्टू ग्लासवूल के आयातों के संबंध में पाटनरोधी शुल्क जांच में अंतिम जांच परिणाम।

क. पृष्ठभूमि

1. फा. सं. 6/23/2019-डीजीटीआर.—मै. यू.पी. टविगा फाइबर ग्लास लिमिटेड (जिसे आगे आवेदक भी कहा गया है) ने समय समय पर यथासंशोधित सीमा प्रशुल्क अधिनियम 1975(जिसे आगे अधिनियम भी कहा गया है) और समय-समय पर यथासंशोधित सीमा प्रशुल्क (पाटित वस्तुओं पर पाटनरोधी शुल्क की पहचान, आकलन और संकलन तथा क्षति के निर्धारण के लिए) नियमावली, 1995 (जिसे आगे नियमावली भी कहा गया है) के अनुसार चीन जन.गण. (जिसे आगे संबद्ध देश भी कहा गया है) से “रोल्स में फेस्टू ग्लासवूल” (जिसे आगे संबद्ध वस्तु अथवा पीयूसी भी कहा गया है) के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाने के लिए निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे आगे प्राधिकारी भी कहा गया है) के समक्ष आवेदन

दायर किया है। विचाराधी उत्पाद (पीयूसी) का सही सही विवरण की चर्चा इस अंतिम जांच परिणाम विवरण के संबंधित भाग में की गई है।

2. प्राधिकारी ने आवेदक द्वारा प्रस्तुत किए गए प्रथम दृष्टया साक्ष्य के आधार पर संबद्ध देश के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के कथित पाटन के मौजूद होने, मात्रा और प्रभाव का निर्धारण करने और पाटनरोधी शुल्क जिसे अगर लगाया जाए तो घरेलू उद्योग को कथित क्षति समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा, की राशि की सिफारिश करने के लिए उपर्युक्त नियमावली के नियम 5 के अनुसार संबद्ध जांच शुरू करते हुए भारत के राजपत्र में प्रकाशित दिनांक 24 सितंबर, 2019 की अधिसूचना सं. 6/23/2019-डीजीटीआर जारी किया।

ख. प्रक्रिया

3. संबद्ध जांच के संबंध में प्राधिकारी द्वारा यहां नीचे दी गई प्रक्रिया का अनुसरण किया गया है:

- i. प्राधिकारी को उपरोक्त नियमावली के तहत घरेलू उद्योग की ओर से आवेदक से एक लिखित आवेदन प्राप्त हुआ जिसमें चीन जन.गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित "रोल्स में फेस्ड ग्लासवूल " के पाटन का आरोप लगाया गया है।
- ii. प्राधिकारी ने पाटनरोधी उपर्युक्त नियम 5 के उपनियम (5) के अनुसार जांच की शुरुआत करने के लिए कार्यवाही करने के पूर्व पाटनरोधी आवेदन के प्राप्त होने के बारे में भारत में चीन के दूतावास को अधिसूचित किया।
- iii. प्राधिकारी ने संबद्ध वस्तुओं के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच की शुरुआत करते हुए भारत के राजपत्र असाधारण में प्रकाशित दिनांक 24 सितंबर, 2019 को एक अधिसूचना जारी की।
- iv. भारत में संबद्ध देश के दूतावास को निर्धारित समय सीमा के भीतर प्रश्नावली का उत्तर देने के लिए संबद्ध देश के निर्यातकों/उत्पादकों को सलाह देने के लिए अनुरोध के साथ इस नियमावली के नियम 6(2) के अनुसार जांच की शुरुआत के बारे में सूचित किया गया था।
- v. आवेदक द्वारा प्रस्तुत किए गए आवेदन के अगोपनीय रूपांतर की प्रति इस नियमावली के नियम 6(2) और 6(3) के अनुसार संबद्ध देश के ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों तथा संबद्ध देश के दूतावास को उपलब्ध करायी गयी थी।
- vi. प्राधिकारी ने संबद्ध देश में निम्नलिखित ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों को पाटनरोधी जांच की शुरुआत करते हुए आम सूचना की एक प्रति अग्रेषित की और उन्हें इस नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार निर्धारित रूप में और तरीके से प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत करने के लिए अवसर दिया तथा लिखित रूप में अपने विचारों से अवगत कराने का अवसर दिया।

क. मै. ओवेन्स क्रोनिंग (चीन) इन्वेस्टमेंट कं.

ख. मै. ओवेन्स क्रोनिंग (चीन)

ग. मै. बेइयांग बिलिंग मैटिरियल कं., लि.

घ. मै. चाइना आई किंग इंडस्ट्रियल ग्रुप कं. लि.

ड. मै. हेबेई यूनाइटेड एनर्जी टेककं. लि.

च. मै. हुआमेई एनर्जी सर्विंग टेक्नोलॉजी कं.,

छ. मै. यूनाइटेड इन्शुलेशन लि.

ज. मै. जियुजियांग फेंजिरन ट्रेडिंग कं. लि.

झ. मै. लांगफंग डॉक्सिन सेल्लोऊ ट्रेडिंग कं. लि.,

ञ. मै. इकोफॉक्स ग्लास वूल इन्सुलेशन कं. लि.

vi. प्राधिकारी ने प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत करने के लिए दो समय विस्तार अर्थात् क्रमशः 22 नवंबर, 2019 और 2 दिसंबर, 2019 तक अनुमति दी थी। अधिसूचना के उत्तर में, संबद्ध देश के निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों ने निर्यातक की प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत कर, प्रतिक्रिया दी:-

क. मै. ओवेन्स क्रोनिंग (चीन) इन्वेस्टमेंट कं. लि.

ख. मै. ओवेन्स क्रोनिंग गुआंगझोउ फाइबरग्लास कं. लि.

ग. मै. बेइयांग बिल्डिंग मैटेरियल कं., लि.

vii. प्राधिकारी ने भारत में संबद्ध वस्तुओं के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों/प्रयोक्ताओं/प्रयोक्ता संघों (जिनके नाम और पते प्राधिकारी को उपलब्ध करा दिए गए थे) को पाटनरोधी जांच की शुरुआत करते हुए सार्वजनिक सूचना की एक प्रति अग्रेषित की और उन्हें यह परामर्श दिया कि वे नियम 6(4) के अनुसार प्राधिकारी द्वारा निर्धारित समय सीमा के भीतर लिखित में अपने विचारों से अवगत कराएं:

क. मै. ट्रानक्वाइल महाराष्ट्र

ख. मै. बी.एम. इन्सुलेशन प्रा. लि.

ग. मै. ग्रीन इको इंजीनियर्स

घ. मै. ओवेन्स क्रोनिंग इंडिया प्रा. लि.

ङ. मै. सिपला साल्युशंस

च. मै. आर्कव इंडस्ट्रीज

छ. मै. ऑल आर्क इंडिया प्रा. लि.

ज. मै. एवन रिफैक्ट्रीज प्रा. लि.

झ. मै. रेवो इंटरनेशनल

ञ. मै. सन इंटरप्राइजेज

ट. मै. ओबेराय कन्स्ट्रक्शन लि.

ठ. मै. इन्क्लाइन रियल्टी प्राइवेट लिमिटेड

ड. मै. जायसवाल एजेंसीज

ढ. मै. किर्बी बिल्डिंग सिस्टम्स इंडिया लि.

ण. मै. मल्टीकलर स्टील्स प्रा. लिम.

त. मै. रेल कोच इंजीनियर्स

थ. मै. इन्टरैक बिल्डिंग प्रोडक्ट्स प्रा. लि.

द. मै. शापूरजी पालोंजी ऐंड कंपनी प्रा. लि.

ध. मै. वर्धमान स्पिनिंग

न. मै. वोल्टास लिमि.

प. मै. यूनिप्रॉडक्ट्स

फ. मै. जापान मेटल बिल्डिंग सिस्टम्स प्रा. लिमि.

ब. मै. ई-पैक पोलिमर्स (प्रा.) लिमि.

भ. मै. डेकोर होम इंडिया प्रा. लिमि.

म. मै. ब्ल्यू स्टार लिमि.

य. मै. इंडिका इंडस्ट्रीज प्रा. लि.

कक. मै. टाटा ब्ल्यूस्काॅप स्टील लिमि.

खख. मै. विजय टैंक एंड वेसैस्लस (प्रा.) लि

गग. मै. ऐवरेस्ट इंडस्ट्रीज

viii. उपर्युक्त के उत्तर में निम्नलिखित आयातकों/प्रयोक्ताओं/प्रयोक्ता संघों ने उपर्युक्त मामले में अपना अनुरोध/अभ्यावेदन प्रस्तुत किया है:-

क. मै. ओवेन्स क्रोनिंग इंडिया प्रा. लि.

ख. मै. बी.एम इन्सुलेशन प्रा. लि.

ग. मै. वेव सस्पेंशन सिस्टम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड

घ. मै. आर्मस्ट्रांग वर्ल्ड इंडस्ट्रीज (इंडिया) प्रा. लि.

ix. प्राधिकारी ने नियम 6(7) के अनुसार हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निरीक्षण के लिए खुली रखी गई सार्वजनिक फाइल के रूप में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्ष्य का अगोपनीय पाठ उपलब्ध कराया।

x. प्राधिकारी ने भारत में संबद्ध वस्तुओं की उत्पादन की लागत और क्षति रहित कीमत तय करने के लिए अनुबंध-III में दिए गए दिशा-निर्देशों के आधार पर संगत सीमा तक आवेदक द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना की जांच की है। गैर-रहित कीमत (एनआईपी) की गणना की गई है ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन के कम पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग की क्षति को दूर करने के लिए पर्याप्त होगा। क्षति रहित कीमत का निर्धारण सामान्य रूप से स्वीकार किए गए लेखांकन सिद्धांतों (जीएएपी) के आधार पर आवेदक द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना के आधार पर भारत में संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन की लागत और उसका निर्माण करने तथा बिक्री करने की लागत के आधार पर किया गया है जिससे कि यह पता लगाया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से कमतर पाटन शुल्क घरेलू उद्योग की क्षति समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा।

xi. वर्तमान जांच के प्रयोजन के लिए जांच की अवधि(पीओआई) 1 अप्रैल, 2018 से 31 मार्च, 2019 (12 माह) है। हालांकि क्षति की जांच की अवधि में पिछले तीन वर्षों अर्थात् अप्रैल 2015-मार्च, 2016, अप्रैल 2016-मार्च, 2017, अप्रैल 2017-मार्च 2018 और जांच की अवधि शामिल है।

xii. आवेदक और अन्य हितबद्ध पक्षकारों से उस सीमा तक अतिरिक्त सूचना मांगी गई थी जिस सीमा तक उसे आवश्यक माना गया। आवेदक द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों का मौके पर सत्यापन उस सीमा तक किया गया था जिस सीमा तक वर्तमान जांच के उद्देश्य से उसे आवश्यक माना गया।

xiii. भारत में संबंधित उत्पाद के आयातों की मात्रा और मूल्य के निर्धारण के लिए वाणिज्यिक सूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआईएंडएस) से लेन-देनवार आंकड़े मंगाए गए थे।

xiv. प्राधिकारी ने नियम 6(6) के अनुसार मौखिक रूप से संगत सूचना प्रस्तुत करने के लिए हितबद्ध पक्षकारों को अवसर उपलब्ध कराने के लिए 14.05.2020 को मौखिक सुनवाई आयोजित की। प्राधिकारी ने दिनांक 7.01.2011 को अपील सं. 949 में ऑटोमोटिव टायर मैनुफैक्चरर्स एसोसिएशन (एटीएमए) बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी के मामले में माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्णय के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी के परिवर्तन के कारण दिनांक 23.07.2020 को भी दूसरी मौखिक सुनवाई आयोजित की। हितबद्ध पक्षकारों जिन्होंने मौखिक सुनवाई के समय मौखिक रूप से अपने विचार प्रस्तुत किए थे, से कहा गया था कि वे मौखिक रूप से व्यक्त किए गए विचारों को लिखित अनुरोध के रूप में प्रस्तुत करें। हितबद्ध पक्षकारों को अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों को प्रति उत्तर अनुरोध देने के लिए अवसर उपलब्ध कराया गया था। उनमें किए गए संगत अनुरोधों पर विधिवत् विचार किया गया और उपयुक्त समाधान किया गया है।

xv. निर्यातकों, उत्पादकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों, जिन्होंने प्राधिकारी को न तो उत्तर दिया है और न ही इस जांच से संगत सूचना की आपूर्ति की है, को असहयोगी हितबद्ध पक्षकारों के रूप में माना गया है और प्राधिकारी ने उपलब्ध तथ्यों के आधार पर इस अंतिम जांच-परिणाम को रिकॉर्ड किया है।

xvi. इस नियमावली के नियम 16 के अनुसार, इस जांच के आवश्यक तथ्यों को दिनांक 6 नवंबर, 2020 के प्रकटन विवरण के द्वारा ज्ञात हितबद्ध पक्षकारों को प्रकटन किया गया था और उन पर प्राप्त टिप्पणियों जिन्हें प्राधिकारी द्वारा संगत माना गया था, का समाधान इन अंतिम जांच परिणामों में किया गया है। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए प्रकटन पश्चात अधिकांश अनुरोध उनके पूर्व के अनुरोधों की पुनरावृत्ति मात्र है। हालांकि, संगत मानी गई सीमा तक प्रकटन पश्चात अनुरोधों की जांच इन अंतिम जांच परिणामों में की जा रही है।

xvii. इस अंतिम जांच परिणाम में *** गोपनीय आधार पर किसी हितबद्ध पक्षकार द्वारा प्रस्तुत की गई तथा इस नियमावली के अंतर्गत प्राधिकारी द्वारा उस प्रकार से मांगी गई सूचना का द्योतक है।

xviii. संबद्ध जांच के लिए प्राधिकारी द्वारा लिया गया विनिमय दर 1 यूएस डॉलर = 70.85 रुपए है।

ग. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु का दायरा

4. विचाराधीन उत्पाद जिसे वर्तमान जांच के उद्देश्य से जांच की शुरुआत संबंधी अधिसूचना में परिभाषित किया गया है “रोल्स में फेस्टू ग्लासवूल” है जिसे फाइबर ग्लास वूल (इन्सुलेशन मेटिरियल) अथवा रेसिन बॉडेड ग्लास वूल भी कहा गया है। इस उत्पाद का धातु और कंकरीट भवन के निर्माण, हीटिंग, वेंटिलेशन और एअर कंडिशनिंग सिस्टम भवनों को कूलिंग सेवाएं देने के लिए, सजावट से संबंधित उपयोग, जहाज निर्माण, रेलवे और ऑटोमोबाइल सहित परिवहन उद्योग में प्रमुख रूप से किया जाता है। इस उत्पाद में गैर ज्वलनशील के अलावा उत्कृष्ट तापीय और अकास्टिक कार्य-निष्पादन तथा अग्नि से सुरक्षा संबंधी गुण अंतर-निहित शक्तियों के रूप में मौजूद हैं। इन भवनों को इस उत्पाद का उपयोग करते हुए उच्च ऊर्जा क्षमता प्राप्त है और इस उत्पाद का उपयोग अलग-अलग उद्देश्यों से बढ़ा जा रहा है।

ग.1 घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

5. वर्तमान जांच के उद्देश्य से विचाराधीन उत्पाद “रोल्स में फेस्टू ग्लासवूल” है जिसे फाइबर ग्लास वूल (इन्सुलेशन मेटिरियल) अथवा रेसिन बॉडेड ग्लास वूल भी कहा जाता है। घरेलू उद्योग यह स्पष्ट करता है कि वर्तमान जांच का दायरा रोल्स में आयात किए गए रोल्स में फेस्टू ग्लासवूल और टाइलों/बोर्ड में आयात किया गया ग्लास वूल है जिसे वर्तमान जांच के दायरे में उत्पाद में शामिल नहीं किया गया है।

6. ग्लास वूल में ब्लैकेट और स्लैब/बोर्ड बनाने के लिए बाइंडर के साथ संयुक्त फाइबर ग्लास फाइबर है। इस प्रक्रिया में ग्लास को फाइबराइजिंग मशीन और ड्राईंग फाइबर से होकर रोटेटिंग स्पिनरों के केन्द्रीयकृत कार्यवाही के द्वारा स्पिनरों द्वारा नियंत्रित रूप में ले जाना शामिल है, बाइंडर को एक ही समय में स्प्रे किया जाता है और फिर उसे फार्म रोल्स, ब्लैकेट आदि के लिए क्यूरिंग ओवेन के माध्यम से ले जाना होता है।

7. ग्लास वूल सामान्य ग्लास मेंकिंग कच्चे मालों, जिसमें प्रकार के तौर पर सिलिका सैंड, सोडा ऐश (सोडियम कार्बोनेट), फेल्डस्पार, डोलोमाइट, लाइमस्टोन और बोरेक्स पेंटा हाइड्रेट शामिल हैं, का उपयोग करता है। उपयोग की जाने वाली अन्य सामग्री रिसाइकिल किया हुआ ग्लास क्लेट और खरीदा हुआ शीट ग्लास क्लेट है। कच्चे मालों को बैच मिलाने की प्रक्रिया में मिला दिया जाता है और तब एक इलैक्ट्रिकल फर्नेश/गैस फर्नेश में वहां डाला जाता है जहां इसे लगभग 1500 डिग्री सेल्सियस पर गर्म किया जाता है। फर्नेश से भांप लिया जाता है और उसे कंडीशनर नामक फोरअर्थ में डाला जाता है जहां इस ग्लास को उस तापक्रम तक लाया जाता है जहां इसे फाइबराइज किया जा सकता है।

8. इस उत्पाद का धातु और कंकरीट भवन के निर्माण, हीटिंग, वेंटिलेशन और एअर कंडिशनिंग सिस्टम भवनों को कूलिंग सेवाएं देने के लिए, सजावट से संबंधित उपयोग, जहाज निर्माण, रेलवे और ऑटोमोबाइल सहित परिवहन उद्योग में प्रमुख रूप से किया जाता है। इस उत्पाद में गैर ज्वलनशील के अलावा उत्कृष्ट तापीय और अकास्टिक कार्य-निष्पादन तथा अग्नि से सुरक्षा संबंधी गुण अंतर-निहित शक्तियों के रूप में मौजूद हैं। इन भवनों को इस उत्पाद का उपयोग करते हुए उच्च ऊर्जा क्षमता प्राप्त है और इस उत्पाद का उपयोग अलग-अलग उद्देश्यों से बढ़ा जा रहा है।

9. संबद्ध उत्पादों का वर्गीकरण अध्याय शीर्ष 70 “ग्लास और ग्लासवेयर” के अंतर्गत किया जाता है। संसद्ध वस्तुओं का आयात सीमा प्रशुल्क अधिनियम 1975 की 7019 9010, 7019 9090, 7019 1900, 7019 3900, 7019 5900 आदि जैसे विभिन्न उप शीर्षों के अंतर्गत आयात किया जा रहा है। किसी भी स्थिति में प्राधिकारी द्वारा एक सतत दृष्टिकोण लिया जाता है कि सीमा शुल्क वर्गीकरण केवल सूचना देने के उद्देश्य से है और वस्तुओं का विवरण शुल्कों को लागू करने और उसी वसूली करने के लिए मान्य होगा।

ग.2 अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

10. दो हितबद्ध पक्षकारों (आयातकों) नामतः वेव सस्पेंशन सिस्टम (इंडिया) प्रा. लि. और आर्मस्ट्रांग वर्ल्ड इंडस्ट्रीज (इंडिया) प्रा. लि. ने उल्लेख किया है कि वे क्रमशः “ग्लासवूल बेस बोर्ड” और “फनिश्ट सीलिंग टाइल्स” का आयात करते हैं जिसके लिए ग्लासवूल को प्रोसेस और आशोधित किया जाता है। उन्होंने उल्लेख किया है कि उनके द्वारा आयात किए गए उत्पाद “फ्लेट उत्पाद” के रूप में हैं। इस कारण से दोनों आयातों ने प्राधिकारी से अनुरोध किया है कि वे स्पष्ट रूप से पीयूसी का उल्लेख करें जिससे कि टाइलों, शीटों अथवा बोर्डों जैसे “फ्लेट/टेबुलर फॉर्म के रूप में फेस्ट ग्लासवूल” को बाहर किया जा सके।

11. वेव सस्पेंशन सिस्टम (इंडिया) प्रा. लि. और आर्मस्ट्रांग वर्ल्ड इंडस्ट्रीज (इंडिया) प्रा. लि. ने कहा है कि उनके द्वारा आयात किए गए उत्पाद का वर्गीकरण एच एस कोड 7019 3900 के अंतर्गत है जबकि पीयूसी का वर्गीकरण एच एस कोड 70199010 के अंतर्गत है। हालांकि इस याचिका में यह नोट किया गया है कि पीयूसी का भी आयात एचएस कोड 70193900 के अंतर्गत किया जाता है। विचाराधीन उत्पाद के दायरे के संबंध में अस्पष्टता से बचने के लिए और मै. वेव सस्पेंशन सिस्टम (इंडिया) प्रा. लि. और आर्मस्ट्रांग वर्ल्ड इंडस्ट्रीज (इंडिया) प्रा. लि. द्वारा किए गए आयात पर सीमा शुल्क प्राधिकारियों द्वारा पाटनरोधी शुल्क की मांग से बचने के लिए प्राधिकारी से विशेष रूप से “ग्लासवूल बेस बोर्ड” और “फनिश्ट सीलिंग टाइल्स” को विचाराधीन उत्पाद के दायरे से बाहर रखने के लिए अनुरोध किया है।

12. मै. बेइयांग बिल्डिंग मैटिरियल ने यह उल्लेख किया है कि यह याचिका पीयूसी को शामिल करने का प्रयास करता है जब उसका आयात भारत में रोल्स में किया जाता है। लेकिन कंपनियों के उत्पाद का निर्यात भारत में बोर्ड/स्लैब में किया जाता है। विचाराधीन उत्पाद मुख्य रूप से उच्च ऊर्जा कार्य क्षमता प्राप्त करने के लिए थर्मल इन्सुलेशन उपलब्ध कराने के लिए भवन निर्माण हेतु है जो देखा नहीं जा सकता है और जिसका कम घनत्व 16 से 24 कि.ग्रा. है। उनके द्वारा निर्यात किया गया उत्पाद मुख्य रूप से उत्कृष्ट दृश्य और अकास्टिक कार्य-निष्पादन के साथ छत, दीवार और खुले क्षेत्रों की आंतरिक सजावट के लिए किया जाता है। यह घनत्व 100 कि.ग्रा. से 120 कि.ग्रा. तक है। कंपनी के उत्पादों को उच्च वृद्धित मूल्य के साथ परिष्कृत दिखावट और कार्य-निष्पादन के साथ गहरे रूप से परिसंस्कृत किया जाता है। भारतीय बाजार को निर्यात होने वाली सीआईएफ कीमत याचिकाकर्ता द्वारा परिकलित और दी गई कीमतों से तुलना करने पर दोगुना से अधिक हो गया है।

13. मै. बी.एम. इन्सुलेशन ने उल्लेख किया है कि वे ग्लासवूल प्लेन और एफएसके (फेसिंग क्राफ्ट) का निर्यात कर रहे हैं और अपने गृह बाजार में उसकी बिक्री कर रहे हैं। जांच के अनुसार यह उत्पाद फेसिंग है और वे प्लेन का भी आयात कर रहे हैं जिसे जांच के अधीन शामिल नहीं किया गया है। आयात किया गया ग्लासवूल में ट्विगा सामग्री की तुलना में न्यूनतम कम्प्रेस्ड पैकिंग है और यह उपयोग करने के लिए आसान नहीं है।

ग.3. प्राधिकारी द्वारा जांच

14. वर्तमान जांच में जांच की शुरुआत संबंधी अधिसूचना के अनुसार विचाराधीन उत्पाद “रोल्स में फेस्ट ग्लासवूल” है जिसे फाइबर ग्लास वूल (इन्सुलेशन मैटिरियल) अथवा रेसिन बॉन्ड ग्लास वूल भी कहा जाता है। संबद्ध उत्पादों का वर्गीकरण अध्याय शीर्ष 70 “ग्लास और ग्लासवेयर” के अंतर्गत किया जाता है। संबद्ध वस्तुओं का आयात सीमा प्रशुल्क अधिनियम 1975 की 7019 9010, 7019 9090, 7019 1900, 7019 3900, 7019 5900 आदि जैसे विभिन्न उप शीर्षों के अंतर्गत आयात किया जा रहा है।

15. इस उत्पाद का धातु और कंकरीट भवन के निर्माण, हीटिंग, वेंटिलेशन और एअर कंडिशनिंग सिस्टम भवनों को कूलिंग सेवाएं देने के लिए, सजावट से संबंधित उपयोग, जहाज निर्माण, रेलवे और ऑटोमोबाइल सहित परिवहन उद्योग में प्रमुख रूप से किया जाता है। इस उत्पाद में गैर ज्वलनशील के अलावा उत्कृष्ट तापीय और अकास्टिक कार्य-निष्पादन तथा

अग्नि से सुरक्षा संबंधी गुण अंतर-निहित शक्तियों के रूप में मौजूद हैं। इन भवनों को इस उत्पाद का उपयोग करते हुए उच्च ऊर्जा क्षमता प्राप्त है और इस उत्पाद का उपयोग अलग-अलग उद्देश्यों से बढ़ा जा रहा है।

16. “फेसड/टेबुलर रूप से फेसड ग्लासवुल” को बाहर रखने के संबंध में, यह नोट किया जाता है कि जांच की शुरुआत संबंधी अधिसूचना में “रोल्स में फेसड ग्लासवुल” के रूप में विचाराधीन उत्पाद को परिभाषित किया गया है। उसको छोड़कर इसे विचाराधीन उत्पाद में परिभाषित किया गया है किसी अन्य रूप में ग्लास वूल (अर्थात् फ्लैट/टेबुलर/ग्लासवूल बेस बोर्ड/फिनिश सीलिंग टाइल में) विचाराधीन उत्पाद के दायरे से बाहर है। इसके अलावा घरेलू उद्योग ने यह भी स्पष्ट किया है कि वर्तमान जांच केवल “रोल्स में फेसड ग्लासवुल” तक सीमित है। इस कारण से प्राधिकारी “फ्लैट/टेबुलर रूप में फेसड ग्लासवुल” को विचाराधीन उत्पाद के दायरे से बाहर करते हैं।

17. समान वस्तु के संबंध में पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(घ) में निम्नानुसार व्यवस्था है:-

“समान वस्तु” से ऐसी वस्तु अभिप्रेत है जो भारत में पाटने के कारण जांच के अंतर्गत वस्तु के सभी प्रकार से समरूप या समान है अथवा ऐसी वस्तु के न होने पर अन्य वस्तु जोकि यद्यपि सभी प्रकार से समरूप नहीं है परंतु जांचाधीन वस्तुओं के अत्यधिक सदृश विशेषताएं रखती हैं;

18. रिकॉर्ड पर उपलब्ध सूचना पर विचार करने के बाद प्राधिकारी यह मानते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादन किए गए और संबद्ध देश से आयात किए गए विचाराधीन उत्पाद वस्तुओं के भौतिक और रासायनिक विशेषताओं, कार्यों और उपयोगों, उत्पाद विनिर्देश, कीमत निर्धारण, वितरण और विपणन और प्रशुल्क वर्गीकरण के संदर्भ में तुलनीय हैं। घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादन किए गए और संबद्ध देश से आयात की गई वस्तु नियमावली के संदर्भ में समान वस्तु हैं। ये दोनों तकनीकी रूप से वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं। इस प्रकार प्राधिकारी यह मानते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादन की गई संबद्ध वस्तु पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(घ) के दायरे और आशय से संबद्ध देश से आयात किया गया विचाराधीन उत्पाद की समान वस्तु है।

घरेलू उद्योग का दायरा और आधार

19. यह आवेदन मै. यू.पी. टविगा फाइबरग्लास लिमिटेड (जिसे आगे याचिकाकर्ता/आवेदक भी कहा गया है) द्वारा संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं पर पाटनरोधी शुल्क लगाने के लिए दायर किया गया है। यह आवेदक भारत में संबद्ध वस्तुओं का एकमात्र उत्पादक है और इस कारण से इसका इस नियमावली के क्षेत्र के भीतर घरेलू उद्योग होने के लिए स्पष्ट आधार है।

20. आवेदक ने जांच की अवधि के दौरान संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं का आयात नहीं किया है। आवेदक संबद्ध देश में विचाराधीन उत्पाद के किसी निर्यातक अथवा आयातक (या तो प्रत्यक्ष रूप से अथवा अप्रत्यक्ष रूप से) संबंधित नहीं है। इस प्रकार आवेदक पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) पात्र घरेलू उद्योग है।

अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

21. घरेलू उद्योग के आधार के संबंध में किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने अनुरोध नहीं किया है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

22. पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) में घरेलू उद्योग निम्नलिखित रूप में परिभाषित है:

“घरेलू उद्योग” का तात्पर्य ऐसे समग्र घरेलू उत्पादकों से है जो समान वस्तु के विनिर्माण और उससे जुड़े किसी कार्यकलाप में संलग्न हैं अथवा ऐसे उत्पादकों से है जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उक्त वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा भाग बनता है सिवाए उस स्थिति के जब ऐसे उत्पादक आरोपित पाटित वस्तु के निर्यातकों या आयातकों से संबंधित होते हैं अथवा वे स्वयं उसके आयातक होते हैं, तो ऐसे मामले में “घरेलू उद्योग” पद का अर्थ शेष उत्पादकों के संदर्भ में लगाया जा सकता है।”

23. वर्तमान मामले में यह आवेदन मै. यू.पी. टविगा फाइबरग्लास लिमिटेड, जो घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तुओं का एकमात्र उत्पादक है, द्वारा दायर किया गया है। आवेदक का उत्पादन कुल भारतीय उत्पादन का 100 प्रतिशत है।

24. आवेदक ने यह भी प्रमाणित किया है कि वे न तो निर्यातकों अथवा आयातकों से संबंधित हैं और न ही उन्होंने संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं का आयात किया है। तदनुसार, प्राधिकारी यह मानते हैं कि आवेदक ने नियम 5(3) के अंतर्गत आधार की आवश्यकता को पूरा किया और वह नियम 2(ख) के आशय से घरेलू उद्योग हैं।

गोपनीयता

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

25. चीन के उत्तर देने वाले उत्पादक/निर्यातक अर्थात् संबंधित आयातक अर्थात् मै. ओवेन्स क्रोनिंग (इंडिया) प्रा. लिमिटेड के साथ साथ मै. ओवेन्स क्रोनिंग गुआंगझोऊ फाइबरग्लास कं. लि.(उत्पादक) और मै. ओवेन्स क्रोनिंग (चीन) इन्वेस्टमेंट कं. लि. (संबंधित निर्यातक) प्राधिकारी द्वारा जारी किए गए विभिन्न व्यापार सूचनाओं के अंतर्गत दिए गए दिशा-निर्देशों के साथ पठित नियम 7 के प्रावधानों का पालन करने में बुरी तरह से असफल रहा है। निम्नलिखित सूचना उक्त पक्षकारों द्वारा दिनांक 07.9.2020 की व्यापार सूचना सं. 10/2018 के संदर्भ में नीचे दी गई है:

क. चरण-वार निर्माण प्रक्रिया के संबंध में आलेख नहीं दिया गया है।

ख. जबकि व्यापार सूचना में वास्तविक संख्या बताया जाना अपेक्षित है, प्रवृत्तियों में कर्मचारियों की संख्या दी गई है।

ग. जबकि व्यापार सूचना में वास्तविक संख्या दी जानी अपेक्षित है अतः प्रवृत्तियों में प्रतिदिन उत्पादकता दी गई है।

26 निर्यातक द्वारा प्रस्तुत किए गए प्रश्नावली के उत्तर का अगोपनीय रूपांतर में उचित कारण बताए बिना गोपनीय रूपांतर में निहित सभी सूचना नहीं हैं। निर्यातक का यह दायित्व था कि वे इस संबंध में कारणों का उचित विवरण दें कि क्यों गोपनीयता का दावा किया गया था और क्यों कुछ सूचना के लिए सारांश संभव नहीं था।

27. निर्यात का यह अनुरोध कि आवेदक ने व्यापार सूचना सं. 7/2018 का अनुपालन नहीं किया है क्योंकि इसने आवेदन प्रस्तुत करते समय प्राधिकारी को आयात संबंधी आंकड़ों की हार्ड कॉपी प्रस्तुत नहीं की थी, सही नहीं है। आवेदक यह अनुरोध करते हैं कि इसने याचिका के साथ आयात संबंधी आंकड़ों की हार्ड कॉपी विधिवत रूप से प्रस्तुत की जिसे उक्त व्यापार सूचना में उल्लिखित दिशा-निर्देशों का अनुसरण करने के बाद किसी हितबद्ध पक्षकार द्वारा प्राप्त किया जा सकता था।

28. निर्यातक का यह अनुरोध कि आवेदक ने व्यापार सूचना सं. 1/2013 का अनुपालन नहीं किया है क्योंकि इसमें याचिका के साथ गोपनीयता का विवरण प्रस्तुत नहीं किया था, में भी कोई दम नहीं है। आवेदक ने याचिका में उसको छोड़कर किसी गोपनीय सूचना का दावा नहीं किया है जिसे स्पष्ट रूप से प्राधिकारी द्वारा व्यापार सूचना सं. 10/2018 के माध्यम से गोपनीय रखे जाने की अनुमति दी गई है। इसके विपरीत, स्वयं चीन के निर्यातक ने व्यापार सूचना सं. 10/2018 और सूचना सं. 1/2013 का उल्लंघन किया है क्योंकि इसमें उस सूचना को नहीं दिया है जिसे उक्त व्यापार नोटिस के संदर्भ में अनिवार्य रूप से दिया जाना अपेक्षित है। इसके अलावा, चीन के निर्यातक ने इस प्रकार की सूचना को गोपनीय के रूप में रखने के लिए कोई कारण नहीं दिया है।

अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

29. वर्तमान जांच की प्रक्रिया के दौरान गोपनीयता के संबंध में अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए विभिन्न अनुरोधों और प्राधिकारी द्वारा संगत माने गए अनुरोध नीचे दिए गए अनुसार हैं:

i. याचिकाकर्ता डीजीसीआईएंडएस आयात की लिस्टिंग उपलब्ध नहीं करा पाया है जिस पर वर्तमान जांच के उद्देश्य से इसके द्वारा विश्वास किया गया है। यह बहुत अच्छी तरह से पता है कि दिनांक 15 मार्च, 2018 की व्यापार नोटिस 07/2018 के संदर्भ में, डीजीटीआर ने इस याचिका के साथ अलग किए गए आयात संबंधी आंकड़ों की हार्ड कॉपी उपलब्ध कराने के लिए प्रत्येक याचिकाकर्ता को अधिदेश दिया है। हालांकि इस प्रकार का कोई भी आंकड़ा वर्तमान जांच में याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत नहीं किया गया है। प्राधिकारी याचिकाकर्ता को निदेश दे सकते हैं कि वे कृपया उसकी प्रति उपलब्ध कराएं।

30. दिनांक 9 दिसंबर, 2013 के व्यापार सूचना सं. 01/2013 के अनुसार, प्रत्येक हितबद्ध पक्षकार से यह अपेक्षित है कि वह कारणों का विवरण उपलब्ध कराएं कि क्यों सारांश संभव नहीं है और प्राधिकारी ने प्रपत्र दिया है जिसे अनिवार्य

रूप से दिया जाना अपेक्षित है। हालांकि याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत किए गए अगोपनीय याचिका के साथ कारणों का विवरण नहीं दिया गया है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

31. प्राधिकारी ने नियम 6(7) के तहत विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना का अगोपनीय रूपांतर विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्ष्यों का अगोपनीय रूपांतर वाले सार्वजनिक फाइल के माध्यम से निरीक्षण के लिए सभी हितबद्ध पक्षकारों को उपलब्ध कराया गया था।

32. कोविड 19 महामारी के कारण चूंकि वास्तविक सार्वजनिक फाइल प्राप्त नहीं थी अतः प्राधिकारी ने दिनांक 7 जुलाई, 2020 के नोटिस के माध्यम से सभी हितबद्ध पक्षकारों से अनुरोध किया था कि वे अन्य हितबद्ध पक्षकारों को अपने अनुरोध का अगोपनीय रूपांतर भेजें।

33. सूचना की गोपनीयता के संबंध में पाटनरोधी नियमावली के नियम 7 में निम्नानुसार व्यवस्था है:-

"गोपनीय जानकारी"

(1) नियम 6 के उपनियमों (2), (3) और (7), नियम 12 के उपनियम (2), नियम 15 के उपनियम (4) और नियम 17 के उपनियम (4) में अंतर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी जांच की प्रक्रिया में नियम 5 के उपनियम (1) के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों के प्रतियां या किसी पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर निर्दिष्ट प्राधिकारी को प्रस्तुत किसी अन्य सूचना के संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी उसकी गोपनीयता से संतुष्ट होने पर उस सूचना को गोपनीय मानेंगे और ऐसी सूचना देने वाले पक्षकार से स्पष्ट प्राधिकार के बिना किसी अन्य पक्षकार को ऐसी किसी सूचना का प्रकटन नहीं करेंगे।

(2) निर्दिष्ट प्राधिकारी गोपनीय अधिकारी पर सूचना प्रस्तुत करने वाले पक्षकारों से उसका अगोपनीय सारांश प्रस्तुत करने के लिए कह सकते हैं और यदि ऐसी सूचना प्रस्तुत करने वाले किसी पक्षकार की राय में उस सूचना का सारांश नहीं हो सकता है तो वह पक्षकार निर्दिष्ट प्राधिकारी को इस बात के कारण संबंधी विवरण प्रस्तुत करेगा कि सारांश करना संभव क्यों नहीं है।

(3) उप नियम (2) में किसी बात के होते हुए भी यदि निर्दिष्ट प्राधिकारी इस बात से संतुष्ट है कि गोपनीयता का अनुरोध अनावश्यक है या सूचना देने वाला या तो सूचना को सार्वजनिक नहीं करना चाहता है या उसकी सामान्य रूप में या सारांश रूप में प्रकटन नहीं करना चाहता है तो वह ऐसी सूचना पर ध्यान नहीं दे सकते हैं।

34. विश्व व्यापार संगठन के पाटन-रोधी करार में सूचना की गोपनीयता के बारे में उल्लिखित प्रावधान निम्नानुसार है:-

"अनुच्छेद - 6.5: ऐसी सूचना जो गोपनीय प्रकृति की है (उदाहरणार्थ क्योंकि उसके प्रकटन से किसी प्रतिस्पर्धी को अत्यधिक प्रतिस्पर्धी लाभ मिलेगा अथवा उसके प्रकटन से उक्त सूचना प्रदाता किसी व्यक्ति पर अथवा जिस व्यक्ति से उक्त सूचना प्राप्त की गई है, उस व्यक्ति पर अत्यधिक प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा) अथवा जिसे किसी जांच हेतु पक्षकारों ने गोपनीय आधार पर प्रदान किया है, उस सूचना को बेहतर कारण दर्शाए जाने पर प्राधिकारियों द्वारा गोपनीय ही माना जाएगा। ऐसी सूचना का प्रकटन सूचना प्रस्तुत करने वाले पक्षकार की विशिष्ट अनुमति के बिना नहीं किया जाएगा।

अनुच्छेद - 6.5.1: प्राधिकारी गोपनीय सूचना प्रदान करने वाले हितबद्ध पक्षकारों से उसका अगोपनीय सारांश प्रस्तुत करने की अपेक्षा करेंगे। ये सारांश यथोचित विस्तार में होंगे ताकि गोपनीय रूप में प्रस्तुत सूचना की विषय वस्तु को समुचित ढंग से समझा जा सके।

अनुच्छेद-6.5.2: आपवादित परिस्थितियों में ऐसे पक्षकार यह उल्लेख कर सकते हैं कि ऐसी सूचना का सारांश तैयार नहीं किया जा सकता। ऐसी आपवादित परिस्थितियों में ऐसे कारणों का विवरण दिया जाना चाहिए कि इसका सारांश तैयार करना क्यों संभव नहीं है।

अनुच्छेद-6.5.2: यदि प्राधिकारी यह पाते हैं कि गोपनीयता का अनुरोध अपेक्षित नहीं है अथवा सूचना प्रदाता या तो सूचना को सार्वजनिक करने अथवा सामान्य रूप में या सारांश रूप में उसके प्रकटन का प्राधिकार प्रदान करने का इच्छुक नहीं है तो वह ऐसी सूचना की अनदेखी कर सकते हैं बशर्ते उचित स्रोतों से उनकी संतुष्टि होने के उपरांत यह प्रदर्शित हो सके कि उक्त सूचना सही है।

अनुच्छेद-6.5.2 की पाद टिप्पणी (विश्व व्यापार संगठन के पाटन-रोधी करार की पाद टिप्पणी 18) में उल्लिखित प्रावधान निम्नानुसार हैं:- सदस्य इस बात पर सहमत हैं कि गोपनीयता के अनुरोधों को स्वैच्छिक ढंग से अस्वीकृत नहीं किया जाना चाहिए।"

35. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर उपलब्ध कराई गई सूचना की जांच गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के संबंध में की गई थी। संतुष्ट होने पर प्राधिकारी ने जहां भी आवश्यक हुआ गोपनीयता के दावे को स्वीकार किया है और इस प्रकार की सूचना को गोपनीय तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों को प्रकट न की गई सूचना मानी गई है। जहां कहीं भी संभव हुआ, गोपनीय आधार पर सूचना उपलब्ध कराने वाले पक्षकारों को निदेश दिया गया था कि वे गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना का पर्याप्त अगोपनीय रूपांतर उपलब्ध कराएं। प्राधिकारी ने सार्वजनिक फाइल के रूप में विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्ष्यों/सूचना/अनुरोधों का अगोपनीय पाठ उपलब्ध कराया।

विविध मुद्दे

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

36. आयात संबंधी आंकड़ों में जहां कहीं भी प्रविष्टि आयात किए गए उत्पाद में फेसिंग प्रकार को दर्शाता हो, आवेदक ने तदनुसार पीसीएन की पहचान की है। हालांकि अन्य प्रविष्टियों में, आयात किए गए उत्पाद में उपयोग किए जाने वाले फेसिंग के प्रकार का उल्लेख भी नहीं है। ऐसी स्थिति में आवेदक के लिए आयात संबंधी आंकड़ों से पीसीएन की पहचान करना व्यवहारिक रूप से संभव नहीं है जब पीसीएन का फेसिंग के प्रकार, मोटाई आदि के संबंध में पूर्ण ब्यौरा डीजीसीआईएंडएस के आयात संबंधी आंकड़ों में प्रविष्टियों में नहीं दी गई है।

37. इस तर्क के संबंध में कि चीन के निर्यातक आयात संबंधी आंकड़ों में सभी पीसीएन की पहचान करने में सक्षम नहीं थे, यह अनुरोध किया जाता है कि उनके अनुरोधों के पैरा 5 में चीन के निर्यातक की अपनी स्वीकारोक्ति के संदर्भ में स्टीक प्रविष्टियों की पहचान करने के लिए उनके लिए संभव नहीं हो सकता था, वे इस देश में चीन की कुल आयातों का 71 प्रतिशत से अधिक है। आवेदक यह अनुरोध करते हैं कि इस तथ्य को देखते हुए कि उत्तर देने वाले चीन के निर्यातक स्वयं इस देश में अधिकांश उत्पादों का निर्यात कर रहे हैं, वे सही तरीके से यह जानना चाहेंगे कि क्या वे भारत में निर्यात कर रहे हैं और यह भी कि विशिष्ट बातें जिन्हें वे सामान्य तौर पर ज्ञात फेसिंग आदि के नामों के बजाए उपयोग कर रहे थे।

38. पीसीएन पद्धति के बारे में चीन के निर्यातक द्वारा उठाई गई आपत्ति कायम रखने योग्य नहीं है। जांच की शुरुआत संबंधी अधिसूचना में जांच की शुरुआत से 14 दिनों के भीतर पीसीएन पद्धति के संबंध में टिप्पणियां आमंत्रित की गई थी। हालांकि, चीन के उत्पादक ने उस चरण में कोई आपत्ति नहीं उठाई। ऐसा मामला होने के कारण उन्हें जांच के इस चरण में पीसीएन पद्धति पर आपत्ति करने की अनुमति नहीं दी जा सकती है।

39. विचाराधीन उत्पाद की लागतें और कीमतें बहुत हद तक इस उत्पाद की फेसिंग पर निर्भर करती हैं क्योंकि स्वयं फेसिंग इस उत्पाद की कुल लागत का लगभग 30-40 प्रतिशत है। इसके अलावा, विचाराधीन उत्पाद के घनत्व अथवा मोटाई में किसी अन्तर के फलस्वरूप उस सतह क्षेत्र में बदलाव आएगा जिस पर फेसिंग लगाया जाता है और इस कारण से कीमतों पर बहुत अधिक हद तक प्रभाव पड़ेगा।

40. आवेदक ने यह स्पष्ट किया है कि आवेदन प्रस्तुत करने और डीजीटीआर द्वारा उसकी छानबीन करने के बाद, लागत के संबंध में कुछ छोटे-छोटे परिवर्तन हुए जिसके कारण भी लाभ और आरओसीई में परिवर्तन हुआ। जबकि आवेदन का अगोपनीय रूपांतर प्रस्तुत करने के बाद उक्त परिवर्तनों को विधिवत् रूप से प्रपत्र एकट में दर्शाया गया था। हालांकि, आलेख में सदृश्य आंकड़ों में भूलवश परिवर्तन नहीं किया गया था। किसी भी स्थिति में, इस प्रकार के आंकड़ों में अंतर बहुत कम है और वह उन आंकड़ों पर आधारित तर्कों के गुण-दोष पर बिल्कुल प्रभाव नहीं डालता है।

41. संबद्ध देश के रूप में कुवैत का अपवर्जन पूर्ण रूप से कानून तथा प्राधिकारी की विगत कार्यपद्धति के अनुसार है। प्रौद्योगिकी के आपूर्तिकर्ता द्वारा कानूनी तर्क लगाया गया है जिसके अन्तर्गत कुवैत से निर्यातक भारतीय बाजार तक नहीं पहुंच सकते हैं। घरेलू उद्योग सेंट-गोबेन आइसोवर का एक लाइसेंसी है और यह ग्लास बूल उत्पादों का उत्पादन करने के लिए सेंट-गोबेन आइसोवर उपलब्ध कराई गई प्रौद्योगिकी का उपयोग करता है। सेंट-गोबेन आइसोवर और घरेलू उद्योग के बीच हुए करार के अनुसार, सेंट-गोबेन आइसोवर की सहायक कंपनियां अथवा सहयोगी कंपनियों को भारत में ग्लास बूल का उत्पादन करने और विपणन करने से रोका गया है। इस कारण से कुवैत (किमको) का निर्यातक सेंट-गोबेन आइसोवर

और अल्बानिया का एक संयुक्त उद्यम कंपनी होने के कारण भारतीय बाजार में संबद्ध वस्तुओं का उत्पादन अथवा बिक्री नहीं कर सकता है। ऐसी स्थिति होने के कारण इसे उपयुक्त माना गया था कि संबद्ध देश के रूप में कुवैत को शामिल करना न केवल अतार्किक होगा बल्कि उत्पादन के लिए नुकसान दायक भी होगा। वह इस जांच के कारण होने वाले किसी लाभ के बिना जांच के दायरे में बढ गया होता। इस तथ्य को भी जांच की शुरुआत के पूर्व हुई चर्चा के दौरान घरेलू उद्योग द्वारा प्राधिकारी की जानकारी में लाया गया था। सभी पक्षों और सूचना पर विचार करने तथा इसकी विगत कार्यपद्धति पर विचार करने के बाद प्राधिकारी ने चीन के विरुद्ध वर्तमान जांच शुरु करने की कार्यवाही की।

42. कुवैत से आयात शून्य फोरमलडिहाईड मात्रा वाले किमको (कुवैत का निर्यातक) उत्पाद के उपयोग के लिए निर्धारित निविदा की शर्त के रूप में किया गया था। घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया है कि जिस समय आयात किए गए थे उस समय इस उत्पाद की विशिष्ट श्रेणी (फोरमलडिहाईड रहित) घरेलू उद्योग के लिए उपलब्ध नहीं था। घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया कि उनके ग्राहक का क्रय संबंधी आदेश है जिसमें विशिष्ट रूप से क्रय आदेश अनुबंध में तकनीकी विनिवेश में “फोरमलडिहाईड रहित” के साथ उत्पाद के विनिर्देश के रूप में “किमको” ब्रांड का उल्लेख है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे फोरमलडिहाईड रहित उत्पाद का उत्पादन करने में पूर्ण रूप से सक्षम हैं। हालांकि, वे उस समय उपलब्ध नहीं थे जब उनका आयात किया जा रहा था और इसका कारण उत्पादन, समय कार्यक्रम और सुपुर्दगी से संबंधित मुद्दा था।

43. नियम 5(3) के संदर्भ में प्राधिकारी से यह अपेक्षित है कि वे इस तथ्य की जांच करें कि क्या जांच की शुरुआत के संबंध में पर्याप्त साक्ष्य है। इस जांच में पाटन, क्षति और कारणात्मक संबंध के बारे में सूचना/साक्ष्य शामिल हैं। इस प्रकार से, यह पूर्ण रूप से स्पष्ट है कि प्राधिकारी स्वयं जांच के पूर्व के चरण में त्रिस्तरीय जांचों के संबंध में इन परिस्थितियों की जांच करने के लिए कानूनी रूप से बाध्य हैं। वर्तमान मामले में, प्राधिकारी ने स्वयं अपने आवेदन में तथा जांच शुरु करने के पूर्व इस संबंध में चर्चाओं के दौरान दिए गए स्पष्टीकरण में घरेलू उद्योग के अनुरोधों का मूल्यांकन किया है कि क्यों संबद्ध देश के रूप में कुवैत को शामिल करने तथा तदनुसार निर्धारण करने की कोई आवश्यकता नहीं है। यह स्पष्ट है कि प्राधिकारी ने आयातों की मात्रा, उनकी प्रवृत्ति और कीमतों तथा इस तथ्य पर विचार किया कि ये एक बारगी आयात के कारण क्रेता द्वारा विशिष्ट ब्रांड/तकनीकी विनिर्देश की आवश्यकता के आधार पर आवश्यक हो गया था।

44. कुवैत से आयात अनुरोधों में उल्लिखित कारणों से घरेलू उद्योग को क्षति अथवा संभावित क्षति का कारण भी नहीं है। इसके अलावा, यह एक सुस्थापित कानून है कि पाटनरोधी जांचों में कारणात्मक संबंध के मौजूद होने की आवश्यकता को पूरा करने के लिए, यह पूर्ण रूप से आवश्यक नहीं है कि पाटित आयात क्षति का एकमात्र अथवा प्राथमिक कारण भी होना चाहिए।

45. यह सुझाव देने के लिए भी न तो कोई तथ्यात्मक न ही कोई कानूनी आधार है कि इस प्रकार के कारणात्मक संबंध को तोड़ दिया गया है, जैसाकि स्वयं सेवा तरीके से निर्यातक द्वारा अनुमान लगाया गया है।

46. घरेलू उद्योग ने यह अनुरोध किया कि जबकि निर्यातक ने इस संबंध में केवल यह मानते हुए अपना अनुरोध किया है कि कुवैत से आयात के कारण घरेलू उद्योग को क्षति हुई है, इसने अपनी मान्यता को सही ठहराने के लिए कोई साक्ष्य उपलब्ध नहीं कराया है। यह कि यह दर्शाने का दायित्व निर्यातक पर है कि घरेलू उद्योग को क्षति अन्य कारकों के कारण हुई है। इस संबंध में चीन-एक्सरे उपकरण में विश्व व्यापार संगठन के पैनल ने यह पाया कि जहां कोई हितबद्ध पक्षकार पाटित आयातों को छोड़कर किसी अन्य कारक की पहचान करता है लेकिन यह दर्शाने के लिए साक्ष्य उपलब्ध नहीं कराता है कि इस कारक के कारण घरेलू उद्योग को क्षति हो रही है, जांच करने वाले प्राधिकारी से यह अपेक्षित नहीं है कि वह उस कारक के संबंध में निर्धारण करे।

47. निर्यातक का समग्र तर्क कि कुवैत से आयातों के कारण घरेलू उद्योग को क्षति हुई है, इसके अनुरोध पर आधारित है कि इसकी अपनी आयात कीमतें कुवैत की आयात कीमतों के करीब है। हालांकि, निर्यातक का यह अनुरोध तार्किक रूप से और कानूनी रूप से गलत है। पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 3.5 और पाटनरोधी नियमावली के पैरा (v) के संदर्भ में कारणात्मक संबंध का विश्लेषण “पाटित आयातों” के संबंध में है और न कि किसी विशेष निर्यातक के आयातों के संबंध में है। एकमात्र सहयोगी निर्यातक के मामले में भी ऐसा नहीं है कि उनका निर्यात अथवा चीन के अन्य निर्यातकों द्वारा निर्यात पाटित कीमतों पर नहीं हुआ है। ऐसी स्थिति होने के कारण, क्षति स्थापित करने के लिए कोई कीमत तुलना एकमात्र निर्यातक की कीमतों पर आधारित नहीं हो सकती है बल्कि संबद्ध देश से संचयी आयात कीमतों के आधार पर होनी है।

48. निर्यातक का यह तर्क कि कुवैत से संबद्ध वस्तुओं का आयात केवल स्वयं घरेलू उद्योग द्वारा किया गया है और यह कुवैत से आयात है जिसके कारण घरेलू उद्योग को क्षति हुई है, अपने आप में विरोधाभासी है और उसमें कोई भी दम जो कोई भी हो, नहीं है। उनका कारणों से जिसका पहले ही उल्लेख किया गया है, यह मानना तार्किक रूप से और कानूनी रूप से गलत होगा कि कुवैत से आयातों के कारण घरेलू उद्योग को क्षति हुई है।

49. कुवैत से किसी विशिष्ट ग्रेड जिसका उत्पादन आवेदक द्वारा नहीं किया जाता है, के आयातों के संबंध में निर्यातक का यह अनुरोध तथ्यात्मक रूप से सही नहीं है और यह केवल कल्पना मात्र है। घरेलू उद्योग ने कभी भी यह नहीं कहा है कि यह विचाराधीन उत्पाद के आयात किए गए ग्रेड का उत्पादन नहीं कर सकता है।

50. आयातक बीएम इन्सुलेशन ने न तो प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया है और न ही उन्होंने उक्त व्यापार सूचना में निर्धारित समय सीमा और प्रपत्र में एक हितबद्ध पक्षकार के रूप में पंजीकृत करवाने के लिए प्राधिकारील के समक्ष कोई अनुरोध किया। इस कारण से आयातक बीएम इन्सुलेशन के अनुरोध को वर्तमान जांच के उद्देश्य से पूर्ण रूप से उपेक्षा की जानी चाहिए।

अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

51. यह याचिका नियम 5 के मानदंडों को पूरा नहीं करता है। जबकि निर्यातक आयात संबंधी आंकड़ों में 100 प्रतिशत पीसीएन की पहचान करने के लिए सक्षम नहीं रहा है, याचिकाकर्ता ने केवल 21 प्रतिशत पीसीएन की पहचान की है। इसके लिए कारण संगत सूचना की उपलब्धता का अभाव नहीं हो सकता है।

52. याचिकाकर्ता ने कीमतों को प्रभावित करने वाले मानदंडों के रूप में घनत्व, मोटाई, प्रथम फेसिंग और द्वितीय फेसिंग की पहचान की है। हालांकि, आयात संबंधी आंकड़ों का अध्ययन यह दर्शाता है कि आवेदक द्वारा किया गया मानदंड वास्तव में वैसा नहीं है। निर्दिष्ट प्राधिकारी अपने निजी बिक्री आंकड़ों से यह दर्शाने के लिए आवेदक को निदेश दे सकते हैं कि वास्तव में उत्पाद की कीमतें आवेदक द्वारा दिए गए मानदंडों के आधार पर आगे बढ़े हैं।

53. याचिकाकर्ता द्वारा इस याचिका के आलेख में प्रस्तुत किया गया आंकड़ा अनुबंध-2 के रूप में संलग्न प्रपत्र-ज से मेल नहीं खाता है। यह तथ्य कि इस याचिका के आलेख में दावा की गई हानि और लागत संबंधी प्रपत्र मेल नहीं खाते हैं जिसके कारण क्षति के लिए याचिकाकर्ता के तर्क की जांच किए जाने के लिए पर्याप्त अवसर है।

54. आवेदक ने कुवैत से आयातों के संबंध में गलत और भ्रमित करने वाले तथ्यों को प्रस्तुत किया है। कुवैत से आयात की गई वस्तु जांच की अवधि के दौरान कम से कम 334 मी.टन है। कुवैत से दो पीसीएन के अंतर्गत होता है और ओवेंस से इन दो पीसीएन कीमतों का विश्लेषण दर्शाता है कि कुवैत से पीसीएन में से एक पीसीएन की कीमत ओवेंस कोर्निंग कीमतों से कम है।

55. कुवैत के अपवर्जन का कारण वह नहीं है जिसका उल्लेख याचिकाकर्ता द्वारा किया गया है। कारण यह है कि स्वयं याचिकाकर्ता द्वारा आयात किया गया है और इसके आधार के न होने के बारे में इसकी जानकारी यदि कुवैत को संबद्ध देश के रूप में माना जाता है।

56. याचिकाकर्ता द्वारा कीमत में कटौती और निर्धारित क्षति मार्जिन की सीमा पर विचार करते हुए तथा आयात की कीमतों में उपर्युक्त कीमत अंतर पर विचार करते हुए, यह स्पष्ट है कि कुवैत से आयात क्षतिकारक कीमतों पर होते हैं। याचिकाकर्ता ने इसे अपाटित आयातों के रूप में घोषित किया है। ऐसी स्थिति होने के कारण ओवेंस कारनिंग निर्दिष्ट प्राधिकारी से यह अपेक्षा करता है कि वे कृपया इस तथ्य पर विचार करें और इसे मानें कि (क) यह अपाटित आयातों की मात्रा है जिसके कारण याचिकाकर्ता को क्षति हुई है (ख) याचिकाकर्ता ने चयनित रूप से चीन से आयातों के विरुद्ध इसके आवेदन पर कार्रवाई की है और कुवैत को बाहर रखा है (ग) गैर लक्ष्य स्रोतों से बहुत अधिक आयातों के मौजूद रहने के कारण कारणात्मक संबंध टूट गया है।

57. आवेदक ने यह अनुरोध किया है कि ये आयात एक विशिष्ट श्रेणी के हैं जिनका उत्पादन आवेदक द्वारा नहीं किया जाता है। ओवेंस कारनिंग कार्रवाई के इस बात के चरण में इस "प्रकटन" आश्चर्यचकित है। सर्वप्रथम, आवेदक ने कभी भी निर्दिष्ट प्राधिकारी को यह नहीं सूचित किया कि कुछ ऐसे ग्रेड हैं जिनका घरेलू उद्योग उत्पादन नहीं करता है। दूसरा, आवेदक ने उन सभी उत्पाद प्रकारों पर पाटनरोधी शुल्क लगाने की मांग की है जिनके लिए स्वयं घरेलू उद्योग यह तर्क दे रहा है कि यह समान वस्तु का उत्पादन नहीं कर रहा है और बल्कि ग्राहक की मांग को पूरा करने के लिए आयात करने हेतु

यह बाध्य है। तीसरा, घरेलू उद्योग ने विचाराधीन उत्पाद के दायरे पर प्राधिकारी को भ्रमित किया है। चौथा, घरेलू उद्योग ने हितबद्ध पक्षकारों के आधार पर इस तथ्य का उल्लेख किया है कि ओवेंस कार्निंग को ऐसे कई तथ्यों की जानकारी प्राप्त हुई है जहां पूर्व की सुनवाई की प्रक्रिया पहले ही समाप्त हो गई है। लेकिन निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा की गई दूसरी सुनवाई को छोड़कर, ओवेंस कार्निंग को ऐसे महत्वपूर्ण तथ्यों के बारे में जानकारी नहीं हुई होती जब ओवेंस कार्निंग वर्तमान जांच में ईमानदारी से भाग ले रहा है। उससे भी बढ़कर, इस प्रकार का अनुरोध प्राकृति न्याय के सिद्धांतों का उल्लंघन करता है। ओवेंस कार्निंग उन ग्रेडों के व्यौरे की जानकारी के बिना आज की तारीख तक वर्तमान जांच में भाग ले रहा है जिसका भारत में आयात किया गया है क्योंकि घरेलू उद्योग उसका उत्पादन नहीं कर रहा है।

निर्दिष्ट प्राधिकारी से अनुरोध किया जाता है कि वे सामान्य मूल्य के अनुमानों पर विचार करें और यह मानें कि कुवैत से आयात पाटित कीमत पर हुआ है अथवा नहीं। उसके बाद, निर्दिष्ट प्राधिकारी इस बात को भी सुनिश्चित कर सकते हैं कि क्या याचिकाकर्ता ने केवल चीन से आयातों के संबंध में भेदभावपूर्ण आधार पर कार्रवाई की।

58. सुनवाई के दौरान आवेदक के कानूनी सलाहकार ने यह दावा किया है कि इस उत्पाद की बिक्री निविदा की प्रक्रिया के माध्यम से की जाती है। सुनवाई में यह स्वीकार किया गया है कि आवेदक ने निविदा को प्राप्त करने के लिए बहुत कम कीमत लगाई है और इसके फलस्वरूप आवेदक की बिक्री कीमत में वृद्धि नहीं हुई है जबकि ओवेंस कार्निंग की बिक्री कीमत बढ़ती हुई प्रवृत्ति को दर्शाता है। इस प्रकार से घरेलू उद्योग ने इस सुनवाई में स्वीकार किया कि कम कीमतें “डर” के कारण लगाई गई हैं और घरेलू उद्योग ने केवल आदेश प्राप्त करने के लिए कमतर कीमतें लगाई हैं।

59. यदि पाटनरोधी शुल्क केवल एक निर्माता अर्थात् दिवगा ग्लासवूल पर लगाया जाता है तब कीमतों, सुपुर्दगी, गुणवत्ता आदि का एकाधिकार होगा।

प्राधिकारी द्वारा जांच

60. घरेलू उद्योग द्वारा पीसीएन की पहचान न होने के मुद्दे के संबंध में प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि डीजीसीआईएंडएस आंकड़ों में सभी आयात सूचीयन पीसीएन के मानदंडों अर्थात् घनत्व, मोटोई, प्रथम फेसिंग और द्वितीय फेसिंग को नहीं दर्शाते हैं। आवेदन को प्रस्तुत करने के समय “पूर्ण” सूचना की तुलना में “सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना” उपलब्ध कराना है। प्राधिकारी ने पीसीएन से पीसीएन आधार पर पाटन और क्षति का विश्लेषण किया है क्योंकि सहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों में से एक सहयोगी उत्पादक/निर्यातक तथा एक सहयोगी आयातक का जांच की अवधि में पीयूसी के कुल आयातों का क्रमशः करीब 73 प्रतिशत और 8 प्रतिशत है। इस प्रकार, जांच की अवधि के दौरान पीयूसी के कुल आयात का करीब 81 प्रतिशत का उल्लेख पीसीएन से पीसीएन विश्लेषण में किया जा रहा है।

61. पीसीएन पद्धति के संबंध में तर्क के बारे में, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि जांच की शुरुआत संबंधी अधिसूचना में पीसीएन पद्धति पर अपनी टिप्पणियां देने के लिए हितबद्ध पक्षकारों को विशिष्ट रूप से 14 दिनों की अवधि दी गई थी। हालांकि, किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने उस समय पीसीएन पद्धति के साथ किसी मुद्दे को नहीं उठाया। उसको देखते हुए, प्राधिकारी यह मानते हैं कि चूंकि उपयुक्त चरण में किसी भी पक्षकार द्वारा पीसीएन पद्धति का कोई विरोध नहीं किया गया था अतः उसे जांच की ऐसी विलंबित चरण में अनुमति नहीं दी जा सकती है। यह निर्यातक द्वारा व्यक्त की गई चिंताओं के गुण अथवा अवगुण के प्रति बिना किसी पूर्वाग्रह का है।

62. इस याचिका के अगोपनीय रूपांतर के आलेख और प्रपत्र-ज में विरोधाभास के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों के तर्क के बारे में, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि इसने वर्तमान अंतिम जांच परिणाम विवरण के उद्देश्य से घरेलू उद्योग की सत्यापित संख्याओं पर विश्वास किया है। घरेलू उद्योग ने भी स्वयं सुनवाई की प्रक्रिया के दौरान इस स्थिति को स्पष्ट किया है कि असावधानीवश लिपिकीय त्रुटि के कारण मामूली अंतर थे जिसका कोई प्रभाव नहीं था जिसे बाद में सत्यापित किया गया था।

63. प्राधिकारी जांच के क्षेत्राधिकार से कुवैत के अपवर्जन के संबंध में निर्यातक द्वारा उठाए गए मुद्दों को नोट करते हैं और यह मानते हैं कि सभी देशों, जिनका निर्यात भारत को न्यूनतम कीमत से ऊपर के स्तर पर किया गया है, का इस जांच में उन्हें शामिल करने पर विचार करने के लिए संगत पहलू पर विश्लेषण किए जाने की आवश्यकता है।

64. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि पीयूसी का आयात जांच की अवधि के दौरान 334 मी.टन था जिसके लिए घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया है कि यह किसी विशिष्ट तकनीकी विनिर्देश (अर्थात् “फोरमलडिहाइड रहित” उत्पाद) के लिए

आवश्यक हो गया था जो उत्पादन, समय कार्यक्रम और सुपुर्दगी के मुद्दों के कारण संगत समय पर घरेलू उद्योग के पास उपलब्ध नहीं था। इसके बावजूद, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने कुवैत से आयातों का पाटित के रूप में दावा नहीं किया था। ऐसी स्थिति होने पर यह जांच केवल चीन जन.गण. तक सीमित है। पाटित आयातों और क्षति के बीच कारणात्मक संबंध के मुद्दे पर, प्राधिकारी ने कारणात्मक संबंध का विश्लेषण करते समय सभी मामलों में किए गए विश्लेषण के अनुसार क्षति विश्लेषण में कुवैत सहित गैर संबद्ध देशों से आयातों के आधार पर घरेलू उद्योग को क्षति पर विचार किया है।

सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन

सामान्य मूल्य

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

65. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 8 के संदर्भ में, चीन को तब तक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना जाना है जब तक संबंधित प्रतिष्ठान/उत्पादक/निर्यातक पैरा 8(3) में उल्लिखित मानदंडों के आधार पर उक्त मान्यता का खंडन करने में सक्षम नहीं हैं। यह पिछले मामलों में प्राधिकारी द्वारा निर्धारित स्थिति और अन्य देशों में प्राधिकारों की जांच करने के अनुरूप भी है। चीन के उत्पादकों की लागत और कीमत पर विचार सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए नहीं किया जा सकता है। घरेलू उद्योग आदरपूर्वक यह अनुरोध करता है कि चीन जन.गण. को निम्नलिखित कारणों से गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश के रूप में माना जाना चाहिए:

- क. बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा नहीं दिया जा सकता है यदि उत्तर देने वाले चीन के निर्यातक यह स्थापित नहीं करते हैं कि प्रमुख इनपुट्स की कीमतें काफी हद तक बाजार के मूल्य को दर्शाती हैं।
- ख. बाजार अर्थव्यवस्था का बर्ताव ऐसी स्थितियों में अवश्य अस्वीकार किया जाना चाहिए जहां चीन के निर्यातक यह स्थापित करने में समर्थ नहीं हैं कि उनके बुक्स अंतर्राष्ट्रीय लेखांकन मानदंडों (आईएस) के अनुरूप हैं। अंतर्राष्ट्रीय लेखांकन मानदंडों के अनुपालन पर जोर देने की आवश्यकता वार्षिक रिपोर्ट में दर्शाए गए राजस्व और व्यय, परिसंपत्ति और देयताओं की स्टीकता और पर्याप्तता सुनिश्चित करने के लिए है।
- ग. बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा नहीं दिया जा सकता है यदि उत्तर देने वाले चीन के निर्यातक इस नियमावली के अंतर्गत निर्धारित प्रत्येक मानदंड के संबंध में जांच में सफल होते हैं। इसके विपरीत, वास्तविक क्षति की जांच करते समय किसी एक मानदंड के होने पर ऐसी क्षति के लिए पर्याप्त माना जाता है। अन्य शब्दों में जहां एक मानदंड क्षति की मौजूदगी को स्थापित करने के लिए पर्याप्त है, एकमात्र मानदंड में सफल नहीं होना बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे के दावे को अस्वीकार करने के लिए पर्याप्त है।
- घ. प्राधिकारी के लिए ऐसा नहीं है कि वह यह स्थापित करें कि उत्तर देने वाली कंपनियां बाजार अर्थव्यवस्था के वातावरण के अंतर्गत कार्य कर रही हैं और वे बाजार अर्थव्यवस्था बर्ताव के लिए हकदार हैं बल्कि उत्तर देने वाले चीन के निर्यातकों के लिए यह स्थापित करना आवश्यक है कि वे बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियों में कार्य कर रहे हैं।
- ड. बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा नहीं दिया जा सकता है यदि उत्तर देने वाली कंपनी और इसका समूह मिलकर दावा करता हो। यदि एक अथवा उससे अधिक कंपनी जो उस समूह का हिस्सा हो, ने उत्तर प्रस्तुत नहीं किया हो तब बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा अस्वीकार किया जाना चाहिए।
- च. यह भी अनुरोध किया गया है कि ऐसे मामले में चीन के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण उपर्युक्त तथ्यों और परिस्थितियों को देखते हुए 8(2) का परंतुक लागू किए बिना पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 पैरा 7 के प्रावधानों के अनुसार किया जा सकता है।
- छ. इस प्रकार से चीन में सामान्य मूल्य का निर्धारण (क) तीसरे देश से भारत में आयात की कीमत (ख) भारत में बिक्री कीमत और (ग) भारत में उत्पादन की लागत जिसे बिक्री, सामान्य और प्रशासनिक खर्च और लाभ सहित विधिवत् समायोजित किया गया हो, के आधार पर किया जा सकता है। यह भी अनुरोध किया जाता है कि चूंकि सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए ये विकल्प उपलब्ध हैं अतः निर्दिष्ट प्राधिकारी कृपया “किसी अन्य आधार” पर

विचार नहीं करें क्योंकि यह तभी लागू की जानी अपेक्षित है जब कानून के अंतर्गत सूचीबद्ध आधार लागू नहीं किया जा सकता है।

ज. अनुबंध-1 का पैरा 8(2) चीन को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश के रूप में मानने के अलावा निर्दिष्ट प्राधिकारी के लिए कोई विकल्प नहीं छोड़ता है। हालांकि, इसका पैरा 8(3) के प्रावधान के अंतर्गत चीन के प्रतिष्ठानों के द्वारा खंडन किया जा सकता है।

झ. चीन की अर्थव्यवस्था के कुछ महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सरकार द्वारा लगातार हस्तक्षेप की अधिकतम सीमा गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में चीन के पदनाम को बनाए रखना आवश्यक करता है। यह एक ज्ञात तथ्य है कि चीन की अर्थव्यवस्था राज्य की शक्तियों द्वारा नियंत्रित होती है और देश की अर्थव्यवस्था में राज्य की मशीनरी का बहुत अधिक हस्तक्षेप और नियंत्रण है। विश्व व्यापार संगठन में चीन के आरोहण के अंतर्गत बाजार अर्थव्यवस्था स्वतः नहीं दिया जाता है बल्कि यह आरोहण नवाचार में उल्लिखित पूर्व शर्तों का चीन द्वारा अनुपालन किए जाने पर निर्भर है।

66. घरेलू उद्योग ने संबद्ध देश के लिए निर्यात कीमत की गणना करने हेतु डीजीसीआईएंडएस के लिए गए आयात संबंधी आंकड़ों पर विश्वास किया है। इसके अलावा, निर्यात कीमत में दावा किए गए समायोजनों से संबंधित आंकड़ों अर्थात् समुद्री भाड़ा, समुद्री बीमा, कमीशन, अन्तर्देशीय भाड़ा संबंधी व्यय, पोर्ट संबंधी व्यय और बैंक प्रभार का दावा एक्स-फैक्ट्री निर्यात कीमत तय करने के लिए किया जाता है और उसके समर्थन में दस्तावेज दिए जाते हैं और उन्हें उपयुक्त रूप से अन्य हितबद्ध पक्षकारों को प्रकट किया गया है।

67. उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत की गई प्रश्नावली के उत्तरों में काफी कमियां हैं और उन्हें नवीनतम व्यापार सूचना के संदर्भ में प्रस्तुत नहीं किया गया है।

68. घरेलू उद्योग ने यह भी अनुरोध किया है कि चीन के निर्यातक ने चीन में संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन और बिक्री में शामिल अपने तीन संबंधित पक्षकारों के लिए उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया है कि चीन के निर्यातक ने निर्यातक की प्रश्नावली का खण्ड-ज प्रस्तुत नहीं किया है जो अनिवार्य रूप से तीसरे देशों को निर्यात से संबंधित सूचना की मांग करता है।

69. घरेलू उद्योग ने उल्लेख किया है कि यदि घरेलू उद्योग को ऐसे उत्पादक/निर्यातक के द्वारा दावा किए गए समायोजना का ब्यौरा नहीं दिया जाता है और घरेलू उद्योग को सुनवाई के माध्यम से उक्त समायोजनों का विरोध करने के लिए अवसर दिया जाता है तब चीन के उत्पादक/निर्यातक को किसी समायोजन की अनुमति नहीं दी जा सकती है।

अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

70. निर्यातक मै. बियांग बिलिंडिंग मैटिरियल कं. लि. ने बाजार अर्थव्यवस्था के बर्ताव का दावा करने के लिए बाजार अर्थव्यवस्था प्रश्नावली प्रस्तुत की है।

71. सहयोगी उत्पादक/निर्यातक अर्थात् मै. ओवेंस कार्निंग गुआंगझोऊ फाइबरग्लास कं. लि. और मै. ओवेंस कार्निंग (चीन) इन्वेस्ट कं. लि. ने विगत मामलों में प्राधिकारी द्वारा अपनाई गई स्थिति पर विचार करते हुए बाजार अर्थव्यवस्था के बर्ताव का दावा नहीं किया है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

72. प्राधिकारी ने संबद्ध देश के ज्ञात निर्यातकों को निर्धारित रूप में और तरीके से सूचना उपलब्ध कराने के लिए उन्हें सलाह देते हुए प्रश्नावलियां भेजी। मै. ओवेंस कार्निंग गुआंगझोऊ फाइबरग्लास कं. लि. और मै. ओवेंस कार्निंग (चीन) इन्वेस्ट कं. लि. ने भारत में अपने संबंधित व्यापारी और मैसर्स बियांग बिलिंडिंग मैटिरियल कं. लि. के साथ निर्धारित प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया है।

73. घरेलू उद्योग द्वारा अपने आवेदन में यह आरोप लगाया गया था कि चीन की कंपनियां गैर-बाजार अर्थव्यवस्था की शर्तों पर कार्य करते रहे हैं क्योंकि विनिमय दर प्रबंधन सहित विभिन्न क्रियाकलापों में बहुत अधिक सरकारी हस्तक्षेप है। घरेलू उद्योग के दावे के आधार पर, प्राधिकारी ने चीन में उत्पादकों/निर्यातकों को जांच की शुरुआत की सूचना का उत्तर देने और यह दर्शाने के लिए अपने बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे का निर्धारण से संगत सूचना देने की सलाह दी कि वे बाजार अर्थव्यवस्था की शर्तों के अंतर्गत कार्य कर रहे हैं। प्राधिकारी ने इस संबंध में पर्याप्त सूचना देने के लिए चीन के सभी ज्ञात

उत्पादकों/निर्यातकों को पूरक प्रश्नावली की प्रतियां भेजी। प्राधिकारी ने चीन की सरकार से यह भी अनुरोध किया कि वह सभी संगत सूचना देने के लिए अपने देश में उत्पादकों/निर्यातकों को सलाह दें।

74. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के अनुच्छेद 8 के अनुसार, गैर-बाजार अर्थव्यवस्था की मान्यता का खंडन तब किया जा सकता है यदि चीन जन.गण. के निर्यातक अनुच्छेद 8 के उप अनुच्छेद (3) में उल्लिखित मानदंडों के आधार पर सूचना और पर्याप्त साक्ष्य उपलब्ध कराए। चीन की जनतांत्रिक सरकार से संबद्ध वस्तुओं के सहयोगी निर्यातकों/निर्यातकों से यह अपेक्षित है कि वे इस संबंध में निम्नलिखित मानदंडों पर विचार करने के लिए निर्दिष्ट प्राधिकारी को सक्षम बनाने हेतु पूरक प्रश्नावली के उत्तर में अनुच्छेद 8 के उप अनुच्छेद (3) में यथाउल्लिखित आवश्यक सूचना/पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत करें कि क्या:

- i. चीन जन.गण. में संबंधित प्रतिष्ठानों का कीमतों, लागतों और इनपुट्स जिसमें कच्चा माल, प्रौद्योगिकी और श्रम की लागत, उत्पादन, बिक्री और निवेश शामिल हैं, का निर्णय आपूर्ति और मांग को दर्शाते हुए और इस संबंध में बिना बहुत अधिक राज्य के हस्तक्षेप के बिना और क्या प्रमुख इनपुट्स की लागतें काफी हद तक बाजार के मूल्यों को दर्शाती हैं, बाजार संकेतों के उत्तर में लिया जाता है;
- ii. ऐसे प्रतिष्ठानों की उत्पादन लागत और वित्तीय स्थिति परिसंपत्ति का ह्रास, अन्य बढ़ते खर्चे डालने, बार्टर व्यापार और ऋण की क्षतिपूर्ति के बाध्यता से भुगतान के विशेष संबंध में पूर्व गैर-बाजार अर्थव्यवस्था प्रणाली से लिए गए बहुत अधिक अंतरों के अध्यधीन हैं।
- iii. इस प्रकार के प्रतिष्ठान दिवालिया और संपत्ति कानून के अध्यधीन हैं जो इन प्रतिष्ठानों के कार्य-चालन के लिए कानूनी निश्चितता और स्थायीत्व की गारंटी देता है; और
- iv. विनिमय दर में परिवर्तन बाजार दर पर किया जाता है।

75. यद्यपि मै. बेइयांग बिलिंग मैटिरियल ने पूरक प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया है, उन्होंने जांच की अवधि के दौरान पीयूसी का निर्यात नहीं किया है, मै. ओवेन्स क्रोनिंग गुआंगझोउ फाइबरग्लास कं. लि. और मै. ओवेन्स क्रोनिंग (चीन) इन्वेस्टमेंट कं. लि. ने पूरक प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है जिनमें उनसे यह चाहा गया था कि वे पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 8 में यथा उल्लिखित मान्यताओं का खंडन करना है। इस कारण से प्राधिकारी यह मानते हैं कि उत्तर देने वाले चीन के उत्पादक/निर्यातक यह सिद्ध करने के लिए पर्याप्त साक्ष्य उपलब्ध कराने में असफल रहे हैं कि वे बाजार अर्थव्यवस्था की शर्तों के अंतर्गत कार्य कर रहे हैं। इन परिस्थितियों में, प्राधिकारी इस संबंध में इस नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के अनुसार कार्रवाई करते हैं।

76. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि तीसरे देश की लागत और कीमतों, घरेलू बिक्री तथा तीसरे देश की निर्यात बिक्री के संबंध में पूर्ण और विस्तृत आंकड़े तथा तीसरे देश में इस प्रकार के उत्पादकों के उत्पादन लागत और सहयोग के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण किया जाना अपेक्षित है। इन बाजारों में प्रचलित कीमतों और लागतों के संबंध में ऐसी कोई सूचना या तो आवेदक द्वारा अथवा उत्तर देने वाले उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा दी गई है और न ही कोई सार्वजनिक रूप से उपलब्ध सूचना प्राप्त की जा सकती है और न ही उत्तर देने वाले उत्पादकों/निर्यातकों ने तीसरे देश की उपयुक्त बाजार अर्थव्यवस्था के संबंध में कोई दावा किया है। इस कारण से, सामान्य मूल्य के निर्धारण के उद्देश्य से, प्राधिकारी ने जहां कहीं भी आवश्यक हुआ इस नियमावली के अनुसार उपलब्ध सर्वोत्तम तथ्यों के आधार पर सामान्य मूल्य संरचित की है।

क. चीन जन.गण. के लिए सामान्य मूल्य

77. प्राधिकारी ने बिक्री, सामान्य एवं प्रशासनिक खर्च सहित विधिवत् समायोजित भारत में उत्पादन की लागत के आधार पर चीन जन.गण. के लिए सामान्य मूल्य की संरचना की है। संरचित सामान्य मूल्य वह है जिसका उल्लेख नीचे दी गई पाटन मार्जिन तालिका में किया गया है।

ख. मै. ओवेन्स क्रोनिंग गुआंगझोउ फाइबरग्लास कं. लि. और मै. ओवेन्स क्रोनिंग (चीन) इन्वेस्टमेंट कं. लि. के मामले में निर्यात कीमत

78. मै. ओवेन्स क्रोनिंग गुआंगझोउ फाइबरग्लास कं. लि. और मै. ओवेन्स क्रोनिंग (चीन) इन्वेस्टमेंट कं. लि. ने भारत में अपने संबंधित व्यापारी के साथ निर्यातक की प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया है। प्राधिकारी ने निर्यातक की प्रश्नावली का उत्तर की जांच की है और उनके उत्तर को नोट किया है जिसे भारत को प्रत्यक्ष रूप से अथवा अप्रत्यक्ष रूप से सभी मात्रा के लिए प्रस्तुत किया गया है। उत्पादक द्वारा प्रस्तुत किए गए निर्यात संबंधी ब्यौरे पर विचार अलग-अलग पाटन और क्षति

मार्जिन मंजूर करने के लिए एक्स-फैक्टरी निर्यात कीमत का निर्धारण करने के लिए विचार किया गया है। निर्यातक ने अंतर्देशीय भाड़ा, समुद्री भाड़ा, विदेशी भाड़ा, बैंक प्रभार, ऋण के आधार पर समायोजन का दावा किया है और उसे आवश्यक सत्यापन के बाद स्वीकार कर लिया गया है। संरचित सामान्य मूल्य और भारत औसत निवल निर्यात कीमत वह है जिसका उल्लेख नीचे दी गई पाटन मार्जिन तालिका में किया गया है।

पाटन मार्जिन का निर्धारण

पाटन मार्जिन

79. संबद्ध वस्तुओं के लिए पाटन मार्जिन का मूल्यांकन प्रत्येक पीसीएन के लिए पृथक् रूप से निर्यात कीमत से सामान्य मूल्य की तुलना करते हुए की गई है। जबकि सामान्य मूल्य किसी विशिष्ट पीसीएन के संबंध में उपलब्ध नहीं है, तुलना निकटतम संभावित पीसीएन का उपयोग करते हुए सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के बीच की गई थी।

80. प्राधिकारी ने शेष श्रेणी के लिए पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन देने के लिए सहयोगी उत्पादक/निर्यातक के उत्तर सहित सर्वोत्तम उपलब्ध तथ्यों के आधार पर उच्चतम पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन पर विचार किया है।

81. घरेलू उद्योग ने दिनांक 2 नवंबर, 2020 के पत्र के माध्यम से सूचित किया है कि चीन का निर्यातक ओवेन्स कोर्निंग ग्राहकों को प्रत्यक्ष रूप से तथा अपने संबंधित आयातक के माध्यम से बिक्री पश्चात् बहुत अधिक छूट दे रहा है। निर्यातक ने दिनांक 3 नवंबर, 2020 के अपने ईमेल के माध्यम से यह स्पष्ट किया है कि निर्यात पश्चात् कोई छूट नहीं दी जाती है। यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग ने निर्यातक द्वारा दी जा रही बिक्री पश्चात् बहुत अधिक छूट के संबंध में कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है।

82. मै. ओवेन्स कोर्निंग इंडिया प्रा. लि., संबंधित आयातक ने जांच की अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु का 813 मी.टन की घाटे पर फिर से बिक्री की है। इस कारण से प्राधिकारी ने हुए घाटे के साथ निर्यातक की निर्यात कीमत का आगे समायोजन किया है। इस प्रकार से निर्धारित भारत औसत पाटन मार्जिन नीचे दिया गया है:

	मात्रा	सामान्य मूल्य	निर्यात कीमत	पाटन मार्जिन	पाटन मार्जिन	पाटन मार्जिन
	मीटन	यूएसडा./ मीटन	यूएसडा./ मीटन	यूएसडा./ मीटन	%	रेंज
मै. ओवेन्स कोर्निंग गुआंगझोउ फाइबरग्लास कं. लि.	***	***	***	***	***	20-40
चीन जन.गण. से कोई अन्य उत्पादक/निर्यातक	***	***	***	***	***	40-60

क्षति के आकलन के लिए पद्धति और क्षति एवं कारणात्मक संबंध की जांच

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

83. वर्तमान जांच की प्रक्रिया के दौरान घरेलू उद्योग द्वारा किए गए क्षति से संबंधित अनुरोध और प्राधिकारी द्वारा संगत माना गया अनुरोध निम्नलिखित हैं:

- संबद्ध देश से विचाराधीन उत्पाद के आयात ने जांच की अवधि में अत्यधिक वृद्धि के साथ इन वर्षों के दौरान वृद्धि दर्शाई है। आयातों ने भी भारत में उत्पादन और खपत की तुलना में वृद्धि दर्शाई है।
- मांग में संबद्ध देश के बाजार हिस्से में लगातार वृद्धि होती रही है जबकि घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आई है।

- iii. चीन के उत्पादकों द्वारा कीमतों में गिरावट के साथ, भारतीय उत्पादक के लिए उपलब्ध एकमात्र विकल्प आयात कीमतों में परिवर्तनों के साथ अपनी कीमतों को या तो अनुरूप बनाना अथवा आदेश खोना है और इस कारण से बाजार हिस्से में क्षति की जांच की समग्र अवधि के दौरान कमी आई जबकि घरेलू उद्योग के लाभ में भी बहुत अधिक कमी आई है।
- iv. घरेलू उद्योग की कीमतें घरेलू बाजार में निर्यातकों द्वारा पेशकश की जा रही कीमतों के प्रभाव को दर्शाता है।
- v. घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से, उत्पादन, बिक्री और क्षमता का उपयोग संबद्ध देश से पाटित आयातों के द्वारा प्रतिकूल रूप से प्रभावित हुआ है।
- vi. कम कीमत पर बिक्री, कीमत में कटौती सकारात्मक और वास्तविक है। इसके अलावा, घरेलू उद्योग को कीमत ह्रास के कारण हानि हो रही है क्योंकि वे अपनी कीमतों को लाभप्रद स्तर तक बढ़ाने में सक्षम नहीं हैं।
- vii. घरेलू उद्योग के कार्यनिष्पादन में लाभ के मामलों में बहुत तेजी से गिरावट आई है। वास्तव में, घरेलू उद्योग की लाभप्रद स्थिति घाटे में बदल गई है और निवेश पर लाभ तथा नकद लाभ की भी वही प्रवृत्ति रही है।
- viii. घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में गिरावट संबद्ध देश से अलाभप्रद कीमतों पर आयात की मात्रा में बहुत अधिक वृद्धि के कारण हुई थी।
- ix. वर्तमान मामले में विचाराधीन उत्पाद “रोल्स में फेस्ड ग्लासवूल” है। पीयूसी आवेदक के ग्लासवूल के कुल उत्पादन का लगभग 41 प्रतिशत है। इन परिस्थितियों में, वार्षिक रिपोर्ट में सूचित किए गए आंकड़ों पर निर्भरता का कोई मतलब नहीं है।
- x. उत्पादन की लागत में गिरावट के बावजूद बिक्री कीमत में कमी हुई है और इस प्रकार से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग पर कीमत ह्रास का प्रभाव उत्पन्न हो रहा है।
- xi. घरेलू उद्योग ने संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के पाटन के संबंध में वास्तविक क्षति उठाई है। इसके अलावा, यदि वर्तमान स्थिति जारी रहती है तब घरेलू उद्योग को सतत क्षति बनी हुई है।

अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

84. वर्तमान जांच की प्रक्रिया के दौरान उत्पादकों/निर्यातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए क्षति से संबंधित अनुरोध और प्राधिकारी द्वारा संगत माने गए अनुरोध निम्नलिखित हैं:

- i. आयात की कीमतों में पिछले वर्षों की तुलना जांच की अवधि में वृद्धि हुई है।
- ii. आवेदक ने गलत तरीके से यह दावा किया है कि यह आयातों के कारण उत्पाद की कीमतों को कम करने के लिए बाध्य हुआ है जबकि सच यह है कि आयात की कीमतों में वृद्धि हुई है।
- iii. आयातों की मात्रा से संबंधित कोई प्रभाव नहीं है। घरेलू उद्योग के उत्पादन और घरेलू बिक्री में गिरावट के लिए संबद्ध देश से आयातों में वृद्धि को जिम्मेदार नहीं माना जा सकता है।
- iv. ओवेंस कार्निंग की कीमतें बहुत अधिक हैं और उसके कारण घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हो सकती थी।
- v. चूंकि ओवेंस कार्निंग चीन भारत को निर्यात करता है और वह पूर्ण रूप से ओसेंस कार्निंग इंडिया के लिए निर्यात है और ये दोनों संबद्ध हैं, यह ओवेंस कार्निंग इंडिया पुनः बिक्री कीमत है जिसे इस तथ्य का निर्धारण करने के लिए अवश्य माना जाना चाहिए कि क्या वास्तव में आवेदक को इस उत्पाद के आयात के परिणामस्वरूप कीमत में कटौती उठानी पड़ी।
- vi. संबद्ध देश के आयातों का घरेलू उद्योग की कीमतों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है और इस कारण से घरेलू उद्योग द्वारा उठाई गई हानि के लिए संबद्ध देश के आयातों को जिम्मेदार नहीं माना जा सकता है।
- vii. याचिकाकर्ता ने वर्ष 2018-19 के लिए अपनी रिपोर्ट में यह उल्लेख किया है कि यह एक नया ग्लास वूल उत्पादन लाइन स्थापित करने की योजना बना रहा है। यदि यह मान भी लिया जाता है कि याचिकाकर्ता लगभग 13 प्रतिशत तक समग्र क्षमता के उपयोग में वृद्धि के साथ आधार वर्ष में 100 प्रतिशत क्षमता उपयोग पर कार्य कर रहा था तब

इसे जांच की अवधि में बहुत अधिक निष्क्रिय क्षमताओं के साथ पहले ही छोड़ दिया गया था। इसका कारण से, स्पष्ट प्रश्न यह होना चाहिए कि जब इसने याचिका में हानि का दावा किया है तब क्यों याचिकाकर्ता ने ग्लास वूल के लिए नई क्षमता का प्रस्ताव किया है।

- viii. यदि याचिकाकर्ता का ग्लास वूल का संपूर्ण प्रभाग लाभ में था तब किस प्रकार से याचिकाकर्ता ने हानि का दावा किया है जब क्षति की अवधि में विचाराधीन गैर-उत्पाद के लिए बाजार में भी कमी आई। ऐसा प्रतीत होता है कि याचिकाकर्ता ने वास्तव में इस याचिका में विचाराधीन उत्पाद के लिए अपनी लागतों में वृद्धि की है।
- ix. चीन से आयातों का घरेलू उद्योग के कार्यनिष्पादन पर कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ा है।
- x. यह कि कीमत में कोई कटौती, कम कीमत पर बिक्री, कीमत ह्रास और न्यूनीकरण नहीं हुआ है और इस कारण से संबद्ध देश से आयातों के कारण घरेलू उद्योग के किसी क्षति के दावे को अस्वीकार किया जाना चाहिए।
- xi. घरेलू मांग को पूरा करने के लिए घरेलू उद्योग की असमर्थता के फलस्वरूप खपत में वृद्धि को पूरा करने के लिए आयातों में वृद्धि हुई है।
- xii. यह कि घरेलू उद्योग को संबद्ध देश से आयातों को छोड़कर अन्य कारकों के कारण क्षति उठानी पड़ रही है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

85. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की क्षति के संबंध में सभी हितबद्ध पक्षकारों के तर्कों और प्रति तर्कों को नोट किया है। प्राधिकारी द्वारा इसमें आगे किए गए क्षति संबंधी विश्लेषण हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए विभिन्न अनुरोधों का समाधान करता है।

86. उपर्युक्त को देखते हुए, प्राधिकारी घरेलू उद्योग पर संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के पाटित आयातों के प्रभावों का संचयी रूप से आकलन करने के लिए इसे उपयुक्त मानते हैं।

87. इस नियमावली के अनुबंध-II के साथ पठित नियम 11 में यह प्रावधान है कि क्षति के निर्धारण में "... पाटित आयातों की मात्रा, समान वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर उनके प्रभाव और ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर इस प्रकार के आयातों का परिणामी प्रभाव सहित सभी संगत तथ्यों पर विचार करते हुए ..." घरेलू उद्योग को क्षति दर्शाने वाले कारकों की जांच शामिल होगी। कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करते हुए, इस बात की जांच करना आवश्यक माना गया है कि क्या भारत में समान वस्तु की कीमत की तुलना में पाटित आयातों द्वारा कीमत में बहुत अधिक कटौती हुई है अथवा यह कि क्या इस प्रकार के आयातों के प्रभाव से अन्यथा कीमतों का बहुत अधिक मात्रा में ह्रास हुआ है अथवा कीमत में वृद्धि रूक जाती जो अन्यथा बहुत अधिक मात्रा में हुई होती। भारत में घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच करने के लिए उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले सूचकांकों जैसे उत्पादन, क्षमता का उपयोग, बिक्री मात्रा, भंडार, लाभप्रदता, निवल बिक्री प्राप्ति, पाटन का परिमाण और मार्जिन पर विचार इस नियमावली के अनुबंध-II के अनुसार किया गया है। प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के विभिन्न अनुरोधों और घरेलू उद्योग को क्षति के संबंध में निर्यातकों/आयातकों/व्यापारियों/प्रयोक्ताओं के अनुरोधों को नोट किया है और रिकॉर्ड पर उपलब्ध तथ्यों तथा लागू कानूनों पर विचार करते हुए इसका विश्लेषण किया है। प्राधिकारी द्वारा यहां आगे किया गया क्षति संबंधी विश्लेषण वास्तव में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए विभिन्न अनुरोधों का समाधान करता है।

झ. पाटित आयातों का मात्रा संबंधी प्रभाव और घरेलू उद्योग पर प्रभाव

i. मांग का आकलन

88. वर्तमान जांच के उद्देश्य से, भारत में इस उत्पाद की मांग अथवा स्पष्ट खपत को आवेदक की घरेलू बिक्री और सभी स्रोतों से आयातों के योग के रूप में परिभाषित किया गया है। इस प्रकार से आकलित मांग नीचे तालिका में दी गई है।

वर्ष	2015-2016	2016-2017	2017-2018	जांच की अवधि
घरेलू उद्योग की बिक्री (मीटन)	***	***	***	***
कुल घरेलू बिक्री (मीटन)	***	***	***	***

संबद्ध देश से आयात (मीटन)	304	793	701	1157
अन्य देशों से आयात (मीटन)	143	15	25	388
कुल आयात (मीटन)	448	809	727	1545
कुल मांग (मीटन)	***	***	***	***

89. उपर्युक्त तालिका से यह नोट किया जाता है कि संबद्ध वस्तुओं की मांग में आधार वर्ष की तुलना में जांच की अवधि में वृद्धि हुई है। इसके अलावा यह नोट किया जाता है कि संबद्ध देश से आयातों में भी क्षति की अवधि के पिछले वर्षों की तुलना में जांच की अवधि में वृद्धि हुई है।

ii. संबद्ध देश से आयातों की मात्रा और आयातों का हिस्सा

90. पाटित आयातों की मात्रा के संबंध में, प्राधिकारी से यह अपेक्षित है कि वे इस तथ्य पर विचार करें कि क्या पाटित आयातों में या तो स्वतंत्र रूप में अथवा भारत में उत्पादन या खपत की तुलना में बहुत अधिक वृद्धि हुई है। संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं की आयातों की मात्रा का विश्लेषण नीचे दिए गए अनुसार दिया गया है:

वर्ष	2015-16	2016-17	2017-18	जांच की अवधि
संबद्ध देश से आयात (मीटन)	304	793	701	1157
प्रवृत्ति	100	261	230	380
अन्य देशों से आयात (मीटन)	143	15	25	388
कुल आयात (मीटन)	448	809	727	1545
कुल आयातों में संबद्ध देश का % हिस्सा	68%	98%	97%	75%
कुल आयातों में संबद्ध देश के आयातों की प्रवृत्ति	100	144	142	110
कुल मांग (मीटन)	***	***	***	***
मांग में संबद्ध देश का % हिस्सा	***	***	***	***
मांग की प्रवृत्ति (सूचीबद्ध)	100	110	97	114

91. उपरोक्त तालिका से यह देखा जाता है कि:

- क. संबद्ध देश से आयातों में क्षति की समग्र अवधि और जांच की अवधि के दौरान वृद्धि हुई है।
- ख. संबद्ध देश से आयातों में भारत में कुल आयातों और खपत की तुलना में वृद्धि देखी गई है।
- ग. मांग में संबद्ध देश के आयातों के हिस्से में क्षति की जांच की पूरी अवधि के दौरान वृद्धि हुई है।

iii. घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों का कीमत प्रभाव

92. कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में इस तथ्य का विश्लेषण किया जाना अपेक्षित है कि क्या भारत में समान उत्पादों की कीमत की तुलना में पाटित आयातों के द्वारा कीमत में बहुत अधिक कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव के कारण कीमतों पर अन्यथा काफी हद तक दबाव पड़ेगा अथवा कीमत में वृद्धि रुक जाएगी जो अन्यथा सामान्य प्रक्रिया में हुई होती। संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों पर प्रभाव की जांच कीमत में कटौती, कम कीमत पर बिक्री, कीमत ह्रास और कीमत न्यूनीकरण, यदि कोई हो, के संदर्भ में जांच की गई है। इस

विश्लेषण के उद्देश्य से, घरेलू उद्योग की उत्पादन की लागत, निवल बिक्री प्राप्ति (एनएसआर) और क्षति रहित कीमत (एनआईपी) की तुलना संबद्ध देश से आयातों की पहुंच लागत से की गई है।

क. कीमत में कटौती

93. यह निर्धारण करने के उद्देश्य से क्या आयातों के कारण बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती हो रही है, प्राधिकारी ने आयातों की पहुंच कीमत की तुलना घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति से की है जिसे नीचे दिया गया है:-

विवरण	इकाई	2015-2016	2016-2017	2017-2018	जांच की अवधि
संबद्ध देश से आयात	मीटन	304	793	701	1157
निर्यात की पहुंच कीमत	रु./ मीटन	63,596	78,077	90,130	1,09,537
निवल बिक्री मूल्य	रु./ मीटन	***	***	***	***
कीमत में कटौती	%	***	***	***	***
कीमत में कटौती	%	***	***	***	***
कीमत में कटौती	रेंज	80-90	50-60	30-40	10-20

94. यह नोट किया जाता है कि संबद्ध देश से पहुंच मूल्य क्षति की जांच की पूरी अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से कम है। इस कारण से, कीमत में कटौती क्षति की जांच की पूरी अवधि के दौरान सकारात्मक और बहुत अधिक है।

ख. कीमत ह्रास और न्यूनीकरण

95. यह निर्धारण करने के उद्देश्य से कि क्या संबद्ध देश से आयातों के कारण घरेलू कीमतों में ह्रास अथवा कमी आ रही है और क्या ऐसे आयातों के प्रभाव के कारण कीमतों पर काफी हद तक दबाव पड़ेगा अथवा कीमत में वृद्धि रुक जाएगी जो अन्यथा सामान्य प्रक्रिया में हुई होती, प्राधिकारी ने क्षति की अवधि की तुलना में लागतों और कीमतों में परिवर्तनों पर विचार किया है जिसका विवरण नीचे दिया गया है:

वर्ष	2015-2016	2016-2017	2017-2018	जांच की अवधि
पहुंच मूल्य रु./ मीटन	63,596	78,077	90,130	1,09,537
प्रवृत्ति	100	115	129	172
घरेलू बिक्री कीमत रु./ मीटन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	100	100	98	98
लागत रु./ मीटन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	100	97	100	109

96. उपर्युक्त तालिका से यह नोट किया जाता है कि संबद्ध देश से आयातों की औसत पहुंच मूल्य घरेलू उद्योग की कीमत से कम रही है। इसने घरेलू उद्योग पर अपनी कीमत को लाभप्रद स्तरों तक वृद्धि नहीं करने के लिए दबाव डाला है।

प्राधिकारी यह मानते हैं कि संबद्ध देशा से आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों पर ह्रासकारी/न्यूनकारी प्रभाव पड़ा है।

ग. **जांच की अवधि के दौरान कम कीमत पर बिक्री (क्षति मार्जिन)**

97. प्राधिकारी ने यह मूल्यांकन किया है कि संबद्ध देश से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग द्वारा कम कीमत पर बिक्री के कारण हानि हुई है। इस उद्देश्य से, घरेलू उद्योग के लिए निर्धारित क्षति रहित कीमत की तुलना आयातों की औसत पहुंच कीमत से की गई है। उसे नीचे दिया गया है:

कम कीमत पर बिक्री	इकाई	कुल ग्लास वूल
एनआईपी	रु./ मीटन	***
आयातों की पहुंच कीमत	रु./ मीटन	1,09,537
कम कीमत पर बिक्री	रु./ मीटन	***
कम कीमत पर बिक्री	%	***
कम कीमत पर बिक्री	रेंज	0-20

98. उपर्युक्त तालिका से यह नोट किया जाता है कि संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के आयातों के कारण कम कीमत पर बिक्री सकारात्मक है।

iv. **घरेलू उद्योग का आर्थिक मानदंड**

99. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II में यह अपेक्षित है कि क्षति के निर्धारण में ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों की परिणामी प्रभाव की वस्तुपरक जांच शामिल होगी। ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव के संबंध में, पाटनरोधी नियमावली में आगे यह प्रावधान है कि घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में समस्त संगत आर्थिक कारकों और सूचकांकों जिनका घरेलू उद्योग की हालत पर प्रभाव पड़ता हो, जिसमें बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्से, उत्पादकता, निवेश पर आय अथवा क्षमता उपयोग में वास्तविक और संभावित गिरावट; वे कारक जो घरेलू कीमतों, पाटन मार्जिन की मात्रा पर प्रभाव डालते हों; नकदी प्रवाह, मालसूची, रोजगार, मजदूरी, विकास, पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता पर वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभाव का वस्तुपरक और निष्पक्ष मूल्यांकन शामिल होना चाहिए। घरेलू उद्योग से संबंधित विभिन्न क्षति मानदंडों पर यहां नीचे चर्चा की गई है। घरेलू उद्योग के कार्य-निष्पादन की जांच यह प्रकट करती है कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति उठानी पड़ी है। घरेलू उद्योग से संबंधित विभिन्न क्षति मानदंडों की चर्चा नीचे की गई है।

100. घरेलू उद्योग से संबंधित विभिन्न क्षति मानदंडों की चर्चा यहां नीचे की गई है:

i. **बाजार हिस्सा**

101. घरेलू उद्योग के आयातों, घरेलू बिक्री और बाजार हिस्से का ब्यौरा नीचे दिया गया है:

वर्ष	2015-2016	2016-2017	2017-2018	जांच की अवधि
घरेलू उद्योग की बिक्री (मीटन)	***	***	***	***
कुल घरेलू बिक्री	***	***	***	***
संबद्ध देश से आयात (मीटन)	304	793	701	1157
अन्य देशों से आयात (मीटन)	143	15	25	388
कुल आयात (मीटन)	448	808	726	1545
कुल मांग (मीटन)	***	***	***	***

प्रवृत्ति	100	110	97	114
मांग में घरेलू बिक्री का बाजार हिस्सा	***	***	***	***
मांग में संबद्ध देश का % हिस्सा	***	***	***	***

102. उपर्युक्त तालिका से यह नोट किया जाता है कि:

क. संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के आयात में क्षति की जांच की पूरी अवधि के दौरान वृद्धि हुई है।

ख. संबद्ध देश के बाजार हिस्से में क्षति की जांच की अवधि के दौरान वृद्धि हुई जबकि उसी समय के दौरान घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में कमी आई है।

ii. लाभप्रदता:

103. घरेलू उद्योग का वास्तविक लाभ/हानि के संबंध में कार्य-निष्पादन का विश्लेषण नीचे तालिका में दिया गया है:

वर्ष	2015-2016	2016-2017	2017-2018	जांच की अवधि
घरेलू बिक्री (मीटन)	***	***	***	***
प्रवृत्ति	100	104	91	94
बिक्री मूल्य (रु. लाख)	***	***	***	***
प्रवृत्ति	100	103	89	92
बिक्री कीमत/इकाई	***	***	***	***
प्रवृत्ति	100	100	98	98
लागत (रु. लाख)	***	***	***	***
लागत /इकाई	***	***	***	***
प्रवृत्ति	100	97	100	109
लाभ/हानि प्रति इकाई	***	***	***	***
प्रवृत्ति	100	125	73	-15

104. उपर्युक्त से यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग के कार्य-निष्पादन पर जांच की अवधि में प्रतिकूल रूप से प्रभाव पड़ा है। यह आवश्यक रूप से संबद्ध देश से कम कीमतों पर हो रहे पाटित आयातों के कारण है जिसके कारण घरेलू उद्योग को आयातों की कीमतों के अनुरूप अपनी कीमतों को कम करना पड़ा था। घरेलू उद्योग पर कीमत का यह दबाव उन्हें अपनी लागत को पूर्ण रूप से प्राप्त करने के लिए अपनी बिक्री कीमत में वृद्धि नहीं करने दिया था। तदनुसार घरेलू उद्योग के समग्र लाभ में बहुत अधिक गिरावट आई थी इसके फलस्वरूप जांच की अवधि में हानि हुई थी।

iii. निवेश पर लाभ

105. निवेश पर लाभ की भी वही प्रवृत्ति रही थी जो लाभ की थी, जैसाकि नीचे दी गई तालिका से देखा जा सकता है:

वर्ष	2015-16	2016-17	2017-18	जांच की अवधि
लगाई गई पूंजी (लाख रु.)	***	***	***	***

ब्याज पूर्व लाभ (लाख रु.)	***	***	***	***
आरओसीई %	***	***	***	***
प्रवृत्ति	100	110	57	-12

106. उपर्युक्त से यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग के आरओसीई को भी काफी हद तक सकारात्मक स्थिति से नकारात्मक स्थिति में ला दिया गया है।

iv. उत्पादन और क्षमता का उपयोग

107. सत्यापित आंकड़ों से यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग के पास घरेलू मांग की आवश्यकता को पूरा करने के लिए पर्याप्त क्षमता है। हालांकि, संबद्ध देश से पाटित आयातों के मौजूद रहने के कारण, घरेलू उद्योग अपनी क्षमता का पूर्ण रूप से उपयोग करने में सक्षम नहीं था। वास्तव में, घरेलू उद्योग की क्षमता के उपयोग में क्षति की जांच की पूरी अवधि के दौरान कमी आई। यह कारक घरेलू उद्योग को सतत क्षति भी दर्शाता है। ब्यौरा नीचे तालिका में दिया गया है।

वर्ष	2015-16	2016-17	2017-18	जांच की अवधि
क्षमता (मीटन)	15288	15288	15288	15288
उत्पादन पीयूसी (मीटन)	***	***	***	***
उत्पादन एनपीयूसी (मीटन)	***	***	***	***
कुल उत्पादन (मीटन)	***	***	***	***
क्षमता उपयोग (मीटन)	86.11%	82.96%	76.86%	75.28%

v. बिक्री मात्रा और मूल्य:

108. नीचे दी गई तालिका से यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग की बिक्री की मात्रा में आधार वर्ष की तुलना में जांच की अवधि में कमी आई है जो मुख्य रूप से पाटित आयातों के मौजूद रहने के कारण हुई है। इसके अलावा, घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में भी लागत में वृद्धि के बावजूद गिरावट आई है। यह स्पष्ट रूप से घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रतिकूल प्रभाव को दर्शाता है।

वर्ष	2015-2016	2016-2017	2017-2018	जांच की अवधि
घरेलू बिक्री (मीटन)	***	***	***	***
प्रवृत्ति	100	104	91	94
बिक्री कीमत/इकाई	***	***	***	***
प्रवृत्ति	100	100	98	98

vi. मालसूची:

109. संबद्ध वस्तुओं की मालसूची के संबंध में आंकड़े निम्नलिखित तालिका में दर्शाए गए हैं:

विवरण	यूओएम	2015-16	2016-17	2017-18	जांच की अवधि
औसत माल सूची	मीटन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	138	110	87

110. उपर्युक्त से यह नोट किया जाता है कि मालसूची की लागत को न्यूनतम करने तथा घाटे के कम करने के उद्देश्य से भी घरेलू उद्योग अपनी मालसूची को कम करने के लिए बाध्य है।

vii. रोजगार एवं मजदूरी:

111. यह नोट किया जाता है कि कर्मचारियों की संख्या क्षति की जांच की पूरी अवधि के दौरान कमोवेश वही रही है। हालांकि, यह नोट किया जाता है कि कीमत के दबाव के बावजूद, घरेलू उद्योग क्षति की जांच की अवधि के दौरान कर्मचारियों को भुगतान की गई मजदूरी में वृद्धि करने के लिए बाध्य था। रोजगार और मजदूरी के संबंध में स्थिति नीचे दिए गए अनुसार है:

वर्ष	2015-2016	2016-2017	2017-2018	जांच की अवधि
कर्मचारी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	100	108	97	102
वेतन/कर्मचारी (रु.)	***	***	***	***
प्रवृत्ति	100	102	120	115

viii. उत्पादकता:

112. नीचे दी गई तालिका से यह देखा जा सकता है कि प्रति कर्मचारी कुल उत्पादन के संदर्भ में उत्पादकता पिछले वर्षों की तुलना में जांच की अवधि में है। यह कारक स्पष्ट रूप से संबद्ध देश से अलाभप्रद आयातों के नकारात्मक प्रभाव को दर्शाता है।

वर्ष	2015-2016	2016-2017	2017-2018	जांच की अवधि
उत्पादन (मीटन)	***	***	***	***
प्रवृत्ति	100	102	89	91
कर्मचारी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	100	108	97	102
उत्पादन/कर्मचारी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	100	95	92	90

ix. वृद्धि

113. मांग में वृद्धि के बावजूद बिक्री, उत्पादन, लाभ, नकद लाभ और आरओआई के संबंध में घरेलू उद्योग की नकारात्मक वृद्धि थी। घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि वे पाटित आयातों के मौजूद रहने के कारण सकारात्मक वृद्धि प्राप्त करने के लिए सक्षम नहीं थे।

x. पाटन का परिमाण

114. पाटन का परिमाण उस सीमा का सूचक है जिस सीमा तक पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती है। यह विश्लेषण दर्शाता है कि सहयोगी उत्पादक/निर्यातक के लिए निर्धारित पाटन मार्जिन न्यूनतम से अधिक है।

xi. पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता

115. इस क्षेत्र में भावी निवेश संबद्ध देश से आयातों की मौजूदगी से प्रभावित होता है। घरेलू उद्योग की लाभप्रद स्थिति कम हुए बाजार हिस्से के साथ जांच की अवधि में हानि में तबदील हो गई जो यह दर्शाता है कि इस क्षेत्र के लिए पूंजी निवेश जुटाने के लिए घरेलू उद्योग की क्षमता पर गंभीर रूप से प्रभाव पड़ा है।

xii. घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक

116. यह जांच दर्शाती है कि संबद्ध वस्तुओं के लिए भारत में मांग में वृद्धि हो रही है। संबद्ध देश से आयात की कीमतें घरेलू बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों को प्रभावित कर रही हैं। यह भी नोट किया जाता है कि संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं की औसत पहुंच मूल्य घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत से कम है। इसके अलावा, संबद्ध देश से पहुंच मूल्य का घरेलू उद्योग की कीमतों पर ह्रासकारी/न्यूनकारी प्रभाव पड़ा था जिसके कारण उन्हें वित्तीय हानि हुई थी। संबद्ध देश को छोड़कर अन्य देशों से विचाराधीन उत्पाद के आयातों के संबंध में पाटित किए जाने का दावा नहीं किया गया है और उसके द्वारा घरेलू उद्योग को क्षति हो रही है। इस उत्पाद की मांग एक बढ़ती हुई प्रवृत्ति को दर्शा रही है और इस कारण से घरेलू उद्योग द्वारा कामना की जा रही कीमत ह्रास और न्यूनीकरण के लिए यह एक जिम्मेदार कारक नहीं हो सकता था।

झ क्षति संबंधी निष्कर्ष

117. आयातों की मात्रा और कीमत प्रभावों के साथ क्षति के विभिन्न मानदंडों की जांच यह दर्शाती है कि जांच की अवधि के दौरान घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है। क्षति की जांच की अवधि के दौरान संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के आयातों की मात्रा में स्वतंत्र रूप में तथा इस देश में कुल आयातों, घरेलू उत्पादन और कुल मांग की तुलना में वृद्धि हुई है। घरेलू उद्योग की बिक्री, उत्पादन और क्षमता का उपयोग जैसे अन्य मात्रा संबंधी मानदंड भी दर्शाते हैं कि घरेलू उद्योग को संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के पाटित आयातों के कारण मात्रा के संबंध में क्षति हुई है। कीमत के प्रभाव के संबंध में, यह नोट किया जाता है कि संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के आयातों के कारण घरेलू उद्योग पर कीमत का दबाव पड़ रहा है। घरेलू उद्योग ने संबद्ध देश से विचाराधीन उत्पाद के आयातों के आधार पर कीमत ह्रास की हानि हुई है क्योंकि संबद्ध वस्तुओं की बिक्री कीमत में क्षति की अवधि के दौरान संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन की लागत में वृद्धि के बावजूद कमी आई है।

ञ अन्य ज्ञात कारक और कारणात्मक संबंध

118. घरेलू उद्योग की कीमतों पर आयातों की वास्तविक क्षति, मात्रा और कीमत संबंधी प्रभावों, इसकी कीमत में कटौती, कम कीमत पर बिक्री और कीमत ह्रास तथा न्यूनीकरण के प्रभावों, पाटनरोधी नियमावली और पाटनरोधी करार के अंतर्गत सूचीबद्ध अन्य सूचक मानदंडों की जांच प्राधिकारी द्वारा यह देखने के लिए की गई है कि क्या कथित पाटित आयातों को छोड़कर किसी अन्य कारक ने घरेलू उद्योग को क्षति में योगदान कर सकता था।

(क) तीसरे देशों से आयातों की मात्रा और कीमत

i. कुवैत से औसत आयात कीमत चीन से औसत आयात कीमत विशेषकर असहयोगी उत्पादक/निर्यातकों की तुलना में अधिक नोट किया गया है। प्राधिकारी घरेलू उद्योग द्वारा आयातों की शर्त अर्थात् विशेष विनिर्देश के एकबार निविदा को नोट करते हैं और बिना किसी लगातार प्रवृत्ति और पाटन के गैर-दावे के साथ तथा कुवैत की औसत आयात कीमत को चीन से औसत आयात कीमत की तुलना में अधिक है। प्राधिकारी यह मानते हैं कि कुवैत से आयातों के परिणामस्वरूप क्षति नहीं हुई है।

(ख) मांग का संकुचन और खपत के पैटर्न में परिवर्तन

i. संबंधित उत्पाद की मांग में कोई संकुचन नहीं हुआ है। इस कारण से मांग में गिरावट घरेलू उद्योग को क्षति का एक संभावित कारण नहीं है।

(ग) प्रौद्योगिकी का विकास

ii. संबंधित उत्पाद के उत्पादन के लिए प्रौद्योगिकी में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं हुआ है। इस प्रकार, प्रौद्योगिकी में विकास एक कारक भी नहीं है जिसके कारण घरेलू उद्योग को क्षति हो रही है। घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादन की गई संबद्ध वस्तु भारत में इन उत्पादकों के द्वारा उत्पादन किए गए और निर्यात की गई वस्तुओं की समान वस्तु है।

(घ) व्यापार प्रतिबंधात्मक कार्यपद्धतियां और विदेशी तथा घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा

iii. ऐसी कोई व्यापार प्रतिबंधात्मक कार्यपद्धति नहीं है जिसके कारण घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती थी क्योंकि कच्चे माल और संबद्ध वस्तुओं का इस देश में स्वतंत्र रूप से आयात किया जा सकता है।

(ङ.) घरेलू उद्योग का निर्यात कार्य-निष्पादन

iv. यह नोट किया जाता है कि प्राधिकारी ने केवल घरेलू उद्योग के घरेलू कार्य-निष्पादन पर विचार किया है। इस कारण से, निर्यात बाजार में कार्य-निष्पादन का किसी भी तरीके से वर्तमान क्षति विश्लेषण पर प्रभाव नहीं पड़ा है।

(च) घरेलू उद्योग की उत्पादकता

v. यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग की उत्पादकता में पिछले वर्ष की तुलना में जांच की अवधि में आंशिक रूप से सुधार हुआ है।

119. इस प्रकार यह नोट किया जाता है कि सूचीबद्ध ज्ञात अन्य कारक यह नहीं दर्शाते हैं कि घरेलू उद्योग को इन अन्य कारकों के कारण क्षति उठानी पड़ सकती थी।

क्षति का परिमाण और क्षति मार्जिन

120. प्राधिकारी ने यथासंशोधित अनुबंध-III के साथ पठित पाटनरोधी नियमावली में निर्धारित सिद्धांतों के आधार पर घरेलू उद्योग के लिए क्षति रहित कीमत का निर्धारण किया है। विचाराधीन उत्पाद के एनआईपी का निर्धारण जांच की अवधि के लिए उत्पाद की लागत से संबंधित सत्यापित सूचना/आंकड़ों को लेकर की गई है। घरेलू उद्योग की एनआईपी तय की गई है और इसे क्षति मार्जिन की गणना करने के लिए विचार किया गया है। एनआई का निर्धारण करने के लिए, क्षति की अवधि की तुलना में घरेलू उद्योग द्वारा कच्चे माल के सर्वोत्तम उपयोग पर विचार किया गया है। वही बर्ताव यूटिलिटी के साथ किया गया है। क्षति की अवधि की तुलना में उत्पादन क्षमता के सर्वोत्तम उपयोग पर विचार किया गया है। जांच की अवधि में आदर्शतम उत्पादन की गणना सर्वोत्तम क्षमता वाले उपयोग पर विचार करते हुए की गई है और वही उत्पादन प्रति इकाई निर्धारित लागत पर पहुंचने के लिए माना गया है। कोई असाधारण अथवा गैर आवर्ती खर्च उत्पादन की लागत में प्रभावित नहीं किया गया है। विचाराधीन उत्पाद के लिए शामिल औसत पूंजी (अर्थात् औसत निबल निर्धारित परिसम्पत्ति + औसत कार्यशील पूंजी) पर एक तर्कसंगत प्रतिफल (22 प्रतिशत की दर से प्री-टैक्स) की प्री-टैक्स लाभ के रूप में अनुमति दी गई थी ताकि अनुबंध-III में यथा निर्धारित एनआईपी और अपनाए जा रहे एनआईपी को तय किया जा सके। इस प्रकार से निर्धारित क्षति रहित कीमत की तुलना क्षति की मार्जिन का निर्धारण करने के लिए संबद्ध देश के आयातों की पहुंच कीमत से की गई है।

121. आगे यह नोट किया जाता है कि ओवेन्स क्रोनिंग ने दिनांक 22 सितंबर, 2020 को निर्दिष्ट प्राधिकारी को सूचित किया है कि संबंधित आयातक के मामले में वित्त की लागत में सावधि ऋण पर ब्याज और विदेशी मुद्रा के लेनदेन पर निबल हानि शामिल है और इन लागतों को बाहर करने का अनुरोध किया क्योंकि सावधि ऋण का उद्देश्य ग्लास फाइबर का विस्तार करना है तथा विदेशी मुद्रा के लेनदेन पर निबल हानि सावधि ऋण के कारण है। हालांकि, अपने दावे के समर्थन में दस्तावेजी साक्ष्य उपलब्ध नहीं कराया गया है। इस कारण से, संबंधित आयातक द्वारा खर्च की गई संपूर्ण वित्त लागत विचाराधीन उत्पाद को टर्नओवर अनुपात पर किया जाता है। आगे यह नोट किया जाता है कि कोविड 19 की स्थिति के कारण, दिए गए दस्तावेजों का केवल डेस्क सत्यापन किया गया है।

122. प्राधिकारी मै. ओवेन्स क्रोनिंग गुआंगझोउ फाइबरग्लास कं. लि., चीन जन.गण. से उत्पादक और निर्यातक द्वारा दायर किए गए उत्तर से यह नोट करते हैं कि उनके पूर्ण स्वामित्व वाली भारतीय सहायक कंपनियों को उनकी मूल कंपनियों से आयात की गई संबद्ध वस्तुओं की बिक्री के दौरान हानि हुई है। चूंकि संबद्ध वस्तुओं की उनकी बिक्री कीमत उनकी खरीद कीमत से कम है अतः उपयुक्त समायोजन उनकी पहुंच कीमत में किया गया है।

123. संबद्ध देश से सहयोगी और किसी अन्य निर्यातकों/उत्पादकों के लिए गणना की गई क्षति मार्जिन नीचे दिए गए अनुसार है:

	मात्रा	एनआईपी	पहुंच मूल्य	क्षति मार्जिन	क्षति मार्जिन	क्षति मार्जिन
	मीटन	यूएसडा./ मीटन	यूएसडा./ मीटन	यूएसडा./ मीटन	%	रेंज
मै. ओवेन्स क्रोनिंग गुआंगझोउ फाइबरग्लास कं. लि. चीन	***	***	***	***	***	0-20
चीन जन.गण. से कोई अन्य उत्पादक/ निर्यातक	***	***	***	***	***	0-20

ट प्रकटन विवरण पश्चात अनुरोध**घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध**

124. प्रकटन विवरण में उल्लिखित आयातों की पहुंच कीमत गलत और काफी अधिक बताई गई प्रतीत होती है। यह डीजीसीआईएंड एस के आंकड़ों के आधार पर घरेलू उद्योग द्वारा परिकल्पित पहुंच मूल्य से काफी अधिक होने के साथ साथ चीन के तथाकथित सहयोगी निर्यातक मै. ओवेन्स कॉर्निंग द्वारा सुनवाई के अनुपालन में 19 मई, 2020 को उनके लिखित अनुरोध में स्वयं प्रदत्त आयात कीमतों से भी काफी अधिक है।

125 संबंधित आयातक की वित्तीय लागत के समायोजन और उसके द्वारा उठाए गए घाटे से संबंधित मुद्दे के बारे में घरेलू उद्योग का अनुरोध है कि पीयूसी में वित्त लागत के आवंटन और पहुंच मूल्य में आयातक द्वारा उठाए गए घाटे के समायोजन का प्राधिकारी का प्रस्ताव सही है और डी जी टी आर की संगत नीति के अनुक्रम में है। घरेलू उद्योग प्राधिकारी से विनम्रतापूर्वक अनुरोध करता है कि यदि प्रकटन विवरण में प्रस्तावित नीति में कोई बदलाव हो तो उन्हें सूचित किया जाए।

126 इस स्तर पर किसी नए साक्ष्य/सूचना को स्वीकृत नहीं किया जा सकता है। यह अनुरोध किया जाता है कि असंभावित स्थिति में प्राधिकारी किसी नए साक्ष्य/सूचना का संज्ञान ले रहे हैं, उसे प्राधिकारी को प्रदान किया जाए और ऐसे साक्ष्य/सूचना पर विचार से पहले घरेलू उद्योग को सुनवाई का अवसर दिया जाए।

हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

127 प्राधिकारी से फेस्ड ग्लासवूल अर्थात् अंतिम जांच परिणाम में विचाराधीन उत्पाद के दायरे से फ्लैट/टेबुलर में फेस्ड ग्लासवूल के अन्य रूपों को निश्चित रूप से बाहर रखने की पुष्टि करने का अनुरोध किया जाता है।

128 घरेलू उद्योग द्वारा उठायी गई क्षति और संबद्ध वस्तु के कथित पाटित आयातों के बीच कोई कारणात्मक संबंध नहीं है। चूंकि घरेलू उद्योग द्वारा दायर याचिका में प्रदत्त आंकड़े असंगत थे, इसलिए प्रतिवादी घरेलू उद्योग के क्षति संबंधी मापदंडों पर कारगर टिप्पणी करने में असमर्थ था।

129 कंपनी, वेव सस्पेंशन सिस्टम्स (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड के नाम को 28 सितंबर, 2020 को इलैक्ट्रॉनिक रूप से जारी और हस्ताक्षरित कारपोरेट पहचान सं. U74999PN2007PTC137041 वाले नाम में परिवर्तन के अनुपालन में अधिनियमन के एक प्रमाण पत्र के माध्यम से बदलकर नॉफ सैलिंग सोल्यूशंस (इंडिया) प्रा.लि. किया गया है। हम प्राधिकारी से संबद्ध जांच में अंतिम जांच परिणाम जारी करते समय इस पर विचार करने का अनुरोध करते हैं।

130 ओवेन्स कॉर्निंग इंडिया, ओवेन्स कॉर्निंग चाइना की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी नहीं है। इन दोनों कंपनियों के बीच एकमात्र संबंध यह है कि ये दोनों एक साझी कंपनी द्वारा नियंत्रित हैं। चूंकि इस वस्तुतः गलत धारणा के आधार पर समायोजन किया गया है कि ओवेन कॉर्निंग इंडिया, ओवेन्स कॉर्निंग चीन की एक पूर्ण स्वामित्व वाली कंपनी है इसलिए ओवेन्स कॉर्निंग इंडिया अनुरोध करती है कि यह स्वयं प्रकटन की समीक्षा को न्यायोचित ठहराता है और क्षति मार्जिन के निर्धारण के प्रयोजनार्थ ओवेन्स कॉर्निंग चीन की कीमतों को अपना सही है। इस संबंध में यह भी बताया गया है कि प्राधिकारी ने पहले ऐसा समायोजन केवल उन मामलों में किया है जहां भारत में आयातक संबंधित उत्पादक द्वारा नियंत्रित होता हो। तथापि, वर्तमान मामले में ओवेन्स कॉर्निंग चाइना, ओवेन्स कॉर्निंग (इंडिया) को नियंत्रित नहीं करता है। यह त्रुटि सुधार अनावश्यक है।

131 ओवेन्स कॉर्निंग (इंडिया) ने पहले सूचित किया कि कंपनी द्वारा उठाया गया ब्याज खर्च विनिर्माण प्रचालनों हेतु कंपनी द्वारा लिए गए सावधिक ऋण पर अधिकांशतः ब्याज के भुगतान के कारण था। कंपनी ने हाल में ग्लास फाइबर के संयंत्र में अपनी विनिर्माण सुविधाओं का विस्तार किया है जिसके लिए कंपनी ने अपने संबंधित पक्षकार से *** रूपए का सावधि ऋण लिया है। उक्त सूचना वार्षिक रिपोर्ट से भी देखी जा सकती है। वित्तीय खातों में ब्याज लागत मुख्यतः सावधि ऋण की वजह से है और न कि कार्यशील पूंजी की वजह से ओवेन्स कॉर्निंग इंडिया से तत्पश्चात कोई अतिरिक्त सूचना/स्पष्टीकरण वांछित नहीं था। ओवेन्स कॉर्निंग (इंडिया) ने बताया कि वार्षिक रिपोर्ट में संगत सूचना है। यह स्वयं में पर्याप्त साक्ष्य है।

132 यद्यपि, प्रकटन विवरण में कोविड द्वारा हुई कठिनाइयों को नोट किया गया है, तथापि, ओवेन्स कॉर्निंग चाइना और ओवेन्स कॉर्निंग (इंडिया) पत्राचार और फोन कॉल के जरिए अतिरिक्त स्पष्टीकरण मांगने में कठिनाई को समझने में असमर्थ हैं। विशेष रूप से तब जबकि निदेशालय नियमित रूप से मौखिक तथा फोन कॉल के जरिए पर्याप्त सूचना और स्पष्टीकरण मांगता है। ऐसे मामले में प्रकटन विवरण एक मान्यता पर आधारित है और इसमें ओवेन्स कॉर्निंग (इंडिया) से उचित स्पष्टीकरण नहीं लिया गया है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

133 घरेलू उद्योग द्वारा किए गए इस अनुरोध के संबंध में कि प्रकटन विवरण में उल्लिखित आयात का पहुंच मूल्य गलत और काफी अधिक प्रतीत होता है और वह सहयोगी चीनी निर्यातक द्वारा प्रदत्त आयात कीमत से भी काफी अधिक है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि सहयोगी निर्यातक मै. ओवेन्स कॉर्निंग ने सुनवाई के अनुपालन में दिनांक 19 मई, 2020 के अपने लिखित अनुरोध में बताया कि पहुंच मूल्य केवल सौदावार आयात आंकड़ों में प्रदत्त विवरण पर आधारित है। तथापि, डेस्क सत्यापन के दौरान निर्यातक ने डी जी सी आई एंड एस के सौदावार आयात आंकड़ों में वर्गीकरण/विवरण की समस्याओं का दावा किया था। कुछ सौदों में पीयूसी तथा एनपीयूसी दोनों के पारेषण शामिल थे। अतः प्राधिकारी ने सहयोगी निर्यातक का पहुंच मूल्य सहयोगी निर्यातक के डेस्क सत्यापन के दौरान यथाप्रदत्त सत्यापित सूचना के आधार पर परिकलित किया है। चीन जन.गण. से आयात का पहुंच मूल्य तदनुसार समायोजित किया गया है।

134 प्राधिकारी ने पहले ही फेस्ड ग्लासवूल के अन्य रूपों अर्थात् फ्लैट/टैबुलर में फेस्ड ग्लासवूल जैसे टाइल्स, शीट या बोर्ड को अंतिम जांच परिणाम में विचाराधीन उत्पाद के दायरे से बाहर कर दिया है।

135 घरेलू उद्योग द्वारा उठाई जा रही क्षति और संबद्ध वस्तु के किंमत पाटित आयात के बीच कारणात्मक संबंध की पहले की पूर्ववर्ती पैराग्राफों में जांच की गई है।

136 इस अनुरोध के बारे में कि ओवेन्स कॉर्निंग इंडिया ओवेन्स कॉर्निंग चाइना के पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी नहीं है और दोनों कंपनियों के बीच एकमात्र संबंध यह है कि ये दोनों एक साझी कंपनी द्वारा नियंत्रित होती हैं, प्राधिकारी नोट करते हैं कि यदि ये दोनों कंपनियां एक साझी कंपनी द्वारा नियंत्रित भी होती हैं, तो भी ये संबंधित कंपनियां हैं।

137 वेब सस्पेंशन सिस्टम्स (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड के नाम परिवर्तन के संबंध में, कन्नौफ सीलिंग सॉल्यूशंस (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड के रूप में, प्राधिकारी नोट करते कि प्रतिक्रिया के साथ संलग्न नाम परिवर्तन का प्रमाण पत्र डाउनलोड नहीं किया जा सकता है क्योंकि फ़ाइल संलग्न करने में कुछ त्रुटि थी। इसके अलावा, ड्यूटी टेबल केवल विदेशी निर्माता (ओं) / निर्यातक (ओं) के संबंध में है और इसलिए आयातक के इस अनुरोध की कोई प्रासंगिकता नहीं है।

138 जैसा कि ओवेन्स कॉर्निंग इंडिया द्वारा ब्याज व्यय से संबंधित प्रस्तुत किया गया है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबंधित आयातक के मामले में उनके दावे के समर्थन में निर्णायक दस्तावेजी साक्ष्य प्राप्त नहीं हुए हैं। इसलिए, टर्नओवर अनुपात के आधार पर पीयूसी से संबंधित आयातक द्वारा किए गए संपूर्ण वित्त लागत का आवंटन उचित पाया गया है।

ठ. भारतीय उद्योग के हित एवं अन्य मुद्दे

139 प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क का उद्देश्य सामान्यतः पाटन की अनुचित व्यापार प्रथाओं द्वारा घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करना होता है ताकि भारतीय बाजार में खुली और उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति बहाल की जा सके जो देश के सामान्य हित में है। पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से संबद्ध देश से आयात किसी भी प्रकार प्रतिबंधित नहीं होंगे और इसलिए उपभोक्ताओं को उत्पादों की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी।

140 ऐसा माना जाता है कि पाटनरोधी शुल्क लागू होने से विचाराधीन उत्पाद के कीमत स्तर और विचाराधीन उत्पाद के प्रयोग से विनिर्मित डाउनस्ट्रीम वस्तुओं की कीमतें प्रभावित हो सकती हैं। इसके परिणामस्वरूप डाउन स्ट्रीम उत्पादों की सापेक्ष प्रतिस्पर्धात्मकता पर कुछ प्रभाव पड़ सकता है। तथापि, चूंकि पाटनरोधी शुल्क की राशि घरेलू उद्योग को हुई क्षति की भरपाई हेतु आवश्यक राशि तक सीमित है, इसलिए भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा पाटनरोधी उपाय द्वारा बाधित नहीं होगी। पाटनरोधी उपाय लगाने से पाटन की प्रथाओं द्वारा अनुचित लाभ समाप्त होंगे, घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन में गिरावट पर रोक लगेगी और उपभोक्ताओं को विचाराधीन उत्पाद के व्यापक विकल्प की उपलब्धता बनाए रखने में मदद मिलेगी।

ड. निष्कर्ष

141 हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दिए गए तर्कों, उपलब्ध कराई गई सूचना और किये गये अनुरोधों और इन जांच परिणामों में रिकार्ड किये गये अनुसार प्राधिकारी के समक्ष उपलब्ध तथ्यों को ध्यान में रखते हुए तथा उपर्युक्त विश्लेषण के आधार पर प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुंचते हैं कि :

क. संबद्ध देश से भारत विचाराधीन उत्पाद का निर्यात इसके संबद्ध सामान्य मूल्य से कम पर किया गया है और इसके फलस्वरूप पाटन हुआ है।

ख. घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति संबद्ध देश से विचाराधीन उत्पाद के पाटन के कारण हुई है।

ग. घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति संबद्ध देश से पाटित आयातों के द्वारा हुई है।

ढ. सिफारिश

142 प्राधिकारी नोट करते हैं कि इस जांच की शुरुआत की गई थी और इसे सभी हितबद्ध पक्षकारों को अधिसूचित किया गया था तथा निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों को पाटन, क्षति और कारणात्मक संबद्ध के पहलू पर सकारात्मक सूचना उपलब्ध कराने के लिए समुचित अवसर दिया गया था। इस नियमावली के अंतर्गत निर्धारित प्रावधानों के संबंध में पाटन, क्षति और कारणात्मक संबंध की जांच शुरू करने के बाद और इस प्रकार के पाटित आयातों के द्वारा घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति तथा सकारात्मक पाटन मार्जिन सिद्ध करने के बाद, प्राधिकारी यह मानते हैं कि निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाना पाटन और क्षति के प्रभाव को दूर करने के लिए अपेक्षित है। इसलिए प्राधिकारी इसे आवश्यक मानते हैं और संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं पर नीचे वर्णित पद्धति और तरीके से पाटनरोधी शुल्क लगाये जाने की सिफारिश करते हैं।

143 इस नियमावली के नियम 4(घ) और 17(1) (ख) में निहित प्रावधानों के अनुसार, प्राधिकारी पाटन के मार्जिन और क्षति के मार्जिन में से कमतर के बराबर पाटनरोधी शुल्क लगाये जाने की सिफारिश करते हैं ताकि घरेलू उद्योग की क्षति समाप्त की जा सके। तदनुसार, नीचे दी गई शुल्क तालिका के कॉलम 7 में उल्लिखित राशि के बराबर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश संबद्ध देश के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं जैसा कि ड्यूटी टेबल के कॉलम 3 में बताया गया है के सभी आयातों पर केंद्र सरकार द्वारा जारी की जाने वाली अधिसूचना की तिथि से पांच (5) वर्षों के लिए लगाये जाने की सिफारिश की जाती है।

शुल्क तालिका

क्र. सं.	शीर्ष/ उपशीर्षक	समूह का विवरण	उद्गम देश	निर्यातक देश	उत्पादक	शुल्क राशि	मुद्रा	इकाई
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
1.	7019 9010, 7019 9090, 7019 1900, 7019 3900, 7019 5900	फेस्ट ग्लासबूल रोल्स में *	चीन जन.गण.	चीन जन.गण. सहित कोई भी देश	ओनेस् कॉर्निंग गुआंगझू फाइबरग्लास कं.लि.	14.60	अम.डॉ.	मी.ट.
2	-यथोक्त-	-यथोक्त-	चीन जन.गण.	चीन जन.गण. सहित कोई भी देश	उपर्युक्त क्र. सं. 1 से इतर कोई	400.23	अम.डॉ.	मी.ट.

3	-यथोक्त-	-यथोक्त-	चीन जन.गण से इतर कोई देश	चीन जन.गण.	कोई	400.23	अम.डॉ.	मी.ट.
---	----------	----------	-----------------------------------	---------------	-----	--------	--------	-------

* रोल में फेस्ड ग्लास वूल में “फ्लैट/टैबुलर रूप में फेस्ड ग्लास वूल” जैसे टाइल्स, शीट या बोर्ड्स शामिल नहीं हैं।

ण. आगे की प्रक्रिया

144 इस सिफारिश के परिणामस्वरूप केंद्र सरकार के आदेश के विरुद्ध कोई अपील इस अधिनियम के संगत प्रावधानों के अनुसार सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष की जायेगी।

बी. बी. स्वेन, विशेष सचिव एवं निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF TRADE REMEDIES)

NOTIFICATION

FINAL FINDINGS

New Delhi, the 22nd December, 2020

Case No. (OI) 16/2019

Subject: Final Finding in Anti-Dumping Duty investigation concerning imports of Faced Glasswool in Rolls originating in or exported from China PR.

A. BACKGROUND

1. **F. No 6/23/2019-DGTR.**—M/s. U.P.Twiga Fiberglass Limited (hereinafter also referred to as the Applicant) has filed an application before the Designated Authority (hereinafter also referred to as the Authority) in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 as amended from time to time (hereinafter also referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of injury) Rules, 1995 as amended from time to time (hereinafter also referred to as the Rules) for imposition of Anti-dumping duty on imports of “Faced Glass Wool in Rolls” (hereinafter also referred to as the subject goods or PUC) from China PR (hereinafter also referred to as the subject country). The exact description of the product under consideration (PUC) has been dealt with in the respective section of this Final Finding.
2. The Authority, on the basis of prima facie evidence submitted by the applicant, issued a Notification No. 6/23/2019-DGTR dated 24th September 2019, published in the Gazette of India, initiating the subject investigation in accordance with Rule 5 of the above Rules to determine existence, degree and effect of the alleged dumping of the subject goods, originating in or exported from subject country, and to recommend the amount of anti-dumping duty, which, if levied, would be adequate to remove the alleged injury to the domestic industry.

B. PROCEDURE

3. The procedure described herein below has been followed by the Authority with regard to the subject investigation:
 - i. The Authority, under the above Rules, received a written application from the Applicant on behalf of the Domestic Industry, alleging dumping of “Faced Glasswool in Rolls” originating in or exported from China PR.

- ii. The Authority notified the embassy of China PR in India about the receipt of the anti-dumping application before proceeding to initiate the investigations in accordance with sub-rule (5) of Rule 5 supra.
- iii. The Authority issued a public notice dated 24th September, 2019 published in the Gazette of India Extraordinary, initiating anti-dumping investigation concerning imports of the subject goods.
- iv. The embassy of subject country in India was informed about the initiation of the investigation in accordance with Rule 6(2) of the Rules with a request to advise the exporters/producers from subject country to respond to the questionnaire within prescribed time limit.
- v. Copy of the non-confidential version of the application filed by the Applicant was made available to the known producers / exporters of the subject country and the embassy of the subject country in accordance with Rule 6(2) & 6(3) of the Rules.
- vi. The Authority forwarded a copy of the public notice initiating anti-dumping investigation to the following known producers / exporters in the subject country and provided them an opportunity to file response to questionnaire in the form and manner prescribed and make their views known in writing in accordance with the Rule 6(4) of the Rules:
 - a. M/s Owens Corning (China) Investment Co
 - b. M/s Owens Corning (China)
 - c. M/s Beiyang Building Material Co., Ltd.
 - d. M/s China I king Industrial Group Co., Ltd.
 - e. M/s Hebei United Energy Tech co., Ltd.
 - f. M/s Huamei Energy Saving Technology Co.,
 - g. M/s United Insulation Ltd
 - h. M/s Jiujiang Fengjirun Trading Co. Ltd.
 - i. M/s Langfang Dongxin Shezhou Trade Co., Ltd.
 - j. M/s Ecofox Glass Wool Insulation Co. Ltd
- vi. The Authority also allowed two extensions of time for filing the questionnaire response i.e. till 22nd November 2019 and 2nd December 2019 respectively. In response to the notification, following producers/exporters from the subject country responded by filing Exporter's Questionnaire responses.
 - a. M/s Owens Corning (China) Investment Co. Ltd.
 - b. M/s Owens Corning Guangzhou Fiberglass Co. Ltd.
 - c. M/s Beiyang Building Material Co., Ltd.
- vii. The Authority forwarded a copy of the public notice initiating anti-dumping investigation to the following known importers/users/user associations (whose names and addresses were made available to the authority) of subject goods in India and advised them to make their views known in writing within the time limit prescribed by the Authority in accordance with the Rule 6(4):
 - a. M/s Tranquil, Maharashtra
 - b. M/s B.M Insulations Pvt. Ltd.
 - c. M/s Green Eco Engineers
 - d. M/s Owens Corning India Pvt. Ltd.
 - e. M/s Sipla Solutions
 - f. M/s Aarkay Industries
 - g. M/s All Arch India Pvt Ltd.
 - h. M/s Avon Refractories Pvt Ltd .

- i. M/s Rewo International
 - j. M/s Sun Enterprises
 - k. M/s Oberoi Construction Ltd.
 - l. M/s Incline Realty Private Limited
 - m. M/s Jayswal Agencies
 - n. M/s Kirby Building Systems India Ltd.
 - o. M/s Multicolor Steels Pvt. Ltd.
 - p. M/s Rail Coach Engineers
 - q. M/s Interarch Building Products Pvt. Ltd.
 - r. M/s Shapoorji Pallonji & Company Pvt Ltd
 - s. M/s Vardhman Spinning
 - t. M/s Voltas Ltd.
 - u. M/s Uniproducts
 - v. M/s Japan Metal Building Systems Pvt Ltd
 - w. M/s E-Pack Polymers (P) Ltd.
 - x. M/s Decor Home India Pvt Ltd
 - y. M/s Blue Star Ltd.
 - z. M/s Indica Industries Pvt. Ltd.
 - aa. M/s TATA Bluescope Steel Ltd
 - bb. M/s Vijay Tank & Vessels (P) Ltd.
 - cc. M/s Everest Industries
- viii. In response to the above, following importers/users/user association have filed their submissions/representations in the above matter.
- a. M/s Owens Corning India Pvt. Ltd.
 - b. M/s B.M Insulations Pvt. Ltd.
 - c. M/s WAVE Suspension Systems India Private Limited
 - d. M/s Armstrong World Industries (India) Pvt. Ltd.
- ix. The Authority made available non-confidential versions of the evidence presented by the interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties as per Rule 6 (7).
 - x. The Authority has examined the information furnished by the Applicant to the extent possible on the basis of guidelines laid down in Annexure-III to work out the cost of production and the non-injurious price of the subject goods in India. Non-injurious price has been determined based on the cost of production and cost to make and sell the subject goods in India based on the information furnished by the Applicant on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) so as to ascertain whether anti-dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to the Domestic Industry.
 - xi. The period of investigation (POI) for the purpose of present investigation is from 1st April 2018 to 31st March 2019 (12 months). However, the injury investigation period covers the data of previous three years, i.e. April 2015 to March 2016, April 2016 to March 2017, April 2017 to March-2018 and POI.
 - xii. Further information was sought from the Applicant and other interested parties to the extent deemed necessary. On the spot verification of the data provided by the Applicant was carried out to the extent considered necessary for the purpose of the present investigation.

- xiii. Transaction wise data was called from the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) for determination of volume and value of imports of product concerned in India.
- xiv. The Authority held an oral hearing on 14.05.2020 to provide an opportunity to the interested parties to present relevant information orally in accordance with Rule 6 (6). The Authority held 2nd oral hearing also on 23.07.2020 due to change in Designated Authority in accordance with the judgment of the Hon'ble Supreme Court in the matter of Automotive Tyre Manufacturers' Association (ATMA) vs. Designated Authority, in Civil Appeal No. 949 of 2006 on 07-01-2011. The interested parties who presented their views orally at the time of oral hearing were asked to file written submissions of the views expressed orally. The interested parties were provided opportunity to offer rejoinder submissions to the views expressed by other interested parties. Relevant submissions made therein have been duly considered and addressed appropriately.
- xv. Exporters, producers and other interested parties who have neither responded to the Authority, nor supplied information relevant to this investigation have been treated as non-cooperating interested parties and the Authority has recorded this Final Finding on the basis of facts available.
- xvi. In accordance with Rule 16 of the Rules, the essential facts of the investigation were disclosed to the known interested parties vide Disclosure Statement dated 6th November, 2020 and comments received thereon, considered relevant by the Authority, have been addressed in these final findings. The Authority notes that most of the post disclosure submissions made by the interested parties are mere reiteration of their earlier submissions. However, the post disclosure submissions to the extent considered relevant are being examined in these Final Findings
- xvii. ‘***’ in this Final Finding represents information furnished by an interested party on confidential basis, and so considered by the Authority under the Rules.
- xviii. The exchange rate adopted by the Authority for the subject investigation is 1 US\$ = Rs. 70.85

C. SCOPE OF PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND LIKE ARTICLE

4. The product under consideration as defined in the initiation notification for the purpose of present investigation is " "Faced Glass Wool in Rolls" also referred as Fiberglass Wool (Insulation Material) or Resin Bonded Glass Wool. The product finds major uses in construction of metal and concrete building, heating, ventilation and air conditioning system to provide cooling services to buildings, acoustic application, shipbuilding, transport industry including railways and automobiles. The product has inherent strength of superior thermal and acoustic performance in addition to non-combustible and fire safe properties. Buildings achieve high energy efficiency by using this product and applications of this product have been increasing for different purposes.

C.1. Submissions by the Domestic Industry

5. The product under consideration for the purpose of present investigation is "Faced Glass Wool in Rolls" also referred as Fiberglass Wool (Insulation Material) or Resin Bonded Glass Wool. The Domestic Industry clarifies that the scope of the present investigation is confined to the faced glass wool imported in rolls and the glass wool imported in tiles/board form are not included in the product scope of the present investigation.
6. Glass wool consists of fine glass fibers combined with binder to make blankets and slabs/boards. The process involves passing glass through a fiberizing machine and drawing fibers in a controlled manner from spinners by centrifugal action of rotating spinners, binder is sprayed simultaneously and then passed through curing oven to form rolls, blanket etc.
7. Glass wool uses common glass-making raw materials, typically consisting of silica sand, soda ash (sodium carbonate), feldspar, dolomite, limestone and borax penta hydrate. Other materials used are recycled glass cullet and bought out sheet glass cullet. The raw materials are mixed in a batch mixing process, then fed together into an electrical furnace/ gas furnace where it is heated to approximately 1500°C. The stream is tapped from furnace and is fed into a conditioner called forehearth where the glass is brought to a temperature where it can be fiberized.
8. The product finds major uses in construction of metal and concrete building, heating, ventilation and air conditioning system to provide cooling services to buildings, acoustic application, shipbuilding, transport industry including railways and automobiles. The product has inherent strength of superior

thermal and acoustic performance in addition to non-combustible and fire safe properties. Buildings achieve high energy efficiency by using this product and applications of this product have been increasing for different purposes.

9. The subject products are classified under Chapter Heading 70 "Glass and glassware". The subject goods are being imported under various sub-headings like 7019 9010, 7019 9090, 7019 1900, 7019 3900, 7019 5900 etc. of the Customs Tariff Act, 1975. In any case, it is a consistent approach taken by the Authority that the customs classification is for indicative purposes only and the description of goods shall prevail for the imposition and collection of duties.

C.2. Submissions made by the other interested parties

10. Two interested parties (importers) namely Wave Suspension Systems (India) Pvt. Ltd. and Armstrong World Industries (India) Pvt. Ltd. have stated that they import 'Glasswool Base Boards' and 'Finished Ceiling Tiles' respectively for which glasswool is processed and treated. They have stated that the products imported by them are in the form of 'flat products'. The two importers have therefore, requested the Authority to specify PUC clearly so as to exclude "Faced Glasswool in flat / tabular form" such as tiles, sheets or boards.
11. Wave Suspension Systems (India) Pvt. Ltd. and Armstrong World Industries (India) Pvt. Ltd. have stated that the classification of the product imported by them is under HS Code 7019 3900 whereas the classification of PUC is under HS Code 70199010. However, the petition notes that the PUC is also imported under HS Codes 70193900. To avoid ambiguity regarding scope of the product under consideration and to avoid demand of anti-dumping duty by customs authorities on the import made by M/s Wave Suspension Systems (India) Pvt. Ltd. and Armstrong World Industries (India) Pvt. Ltd. have requested the Authority to specifically exclude "Glasswool Base Board" and "Finished Ceiling Tiles" from the scope of PUC.
12. M/s Beiyang Building Material has stated that the petition seeks to cover the PUC when they are imported to India in rolls. But the company's products are exported to India in boards/slabs. The PUC is mainly for building construction to provide thermal insulation to achieve high energy efficiency, which is not visible and in low density from 16 to 24kg. The product exported by them are mainly for interior decoration of ceiling, wall and open areas, with excellent visual and acoustic performance. The density is from 100kg to 120kg. The company's products are deeply processed with fine appearance and performance, with high added value. The CIF price exporting to India market is more than doubled comparing the prices calculated and provided by the petitioner.
13. M/s B.M. Insulation has stated that they are importing Glasswool Plain and FSK (facing craft) and selling the same in their home market. The product as per investigation is Facing and they are also importing plain which is not covered under the investigation. The imported glasswool has minimum compressed packing as compared to Twiga material and it is easy to handle for application.

C.3. Examination by the Authority

14. The product under consideration in the present investigation as per the initiation notification is "Faced Glass Wool in Rolls" also referred to as Fiberglass Wool (Insulation Material) or Resin Bonded Glass Wool. The subject products are classified under chapter 70 "Glass and glassware". The subject goods are being imported under various sub-headings like 7019 9010, 7019 9090, 7019 1900, 7019 3900, 7019 5900 etc. of the Customs Tariff Act, 1975.
15. The product finds major uses in construction of metal and concrete building, heating, ventilation and air conditioning system to provide cooling services to buildings, acoustic application, shipbuilding, transport industry including railways and automobiles. The product has inherent strength of superior thermal and acoustic performance in addition to non-combustible and fire safe properties. Buildings achieve high energy efficiency by using this product and applications of this product have been increasing for different purposes.
16. As regards the exclusion of "Faced Glasswool in flat / tabular form", it is noted that the initiation notification defines the Product under Consideration as "Faced Glasswool in Rolls". Glasswool in any other form (e.g., in flat/tabular/Glasswool Base Board/Finished Ceiling Tiles) apart from what has been defined in the Product under Consideration is outside the scope of the Product under Consideration. Further, the Domestic Industry has also clarified that the present investigation is only limited to "Faced Glasswool in Rolls". The Authority therefore excludes "Faced Glasswool in flat/ tabular form" from the scope of PUC.

17. With regard to like article, Rule 2(d) of the Anti-Dumping Rules provides as under:

"like article" means an article which is identical or alike in all respects to the article under investigation for being dumped in India or in the absence of such article, another article which although not alike in all respects, has characteristics closely resembling those of the articles under investigation;

18. After considering the information on record, the Authority holds that the product under consideration produced by the domestic industry and imported from the subject country are comparable in terms of physical & chemical characteristics, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification of the goods. The goods produced by the domestic industry and imported from the subject country are like articles in terms of the Rules. The two are technically and commercially substitutable. Thus, the Authority holds that the subject goods produced by the domestic industry are like article to the product under consideration imported from subject country within the scope and meaning of Rule 2(d) of Anti-Dumping Rules.

D. SCOPE OF DOMESTIC INDUSTRY & STANDING

19. The application has been filed by M/s U.P. Twiga Fiberglass Limited, (hereinafter also referred to as Petitioner /Applicant) for imposition of anti-dumping duty on the subject goods from the subject country. The Applicant is the only producer of the subject goods in India and therefore has clear standing to constitute domestic industry within the ambit of the Rules.

20. Applicant has not imported the subject goods from the subject country during the POI. Applicant is also not related (either directly or indirectly) to any exporter or importer of product under consideration in the subject country. Thus, the Applicant is eligible Domestic Industry under Rule 2(b) of the AD Rules.

Submissions made by the other interested parties

21. None of the interested parties has made submissions on the standing of the Domestic Industry.

Examination by the Authority

22. Rule 2 (b) of the AD rules defines domestic industry as under:

"(b) "domestic industry" means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in such case the term 'domestic industry' may be construed as referring to the rest of the producers"

23. The application in the present case has been filed by M/s U.P. Twiga Fiberglass Limited, the only producer of the subject goods in the domestic market. The production of the applicant constitutes for 100% of the total Indian production.

24. The Applicant has also certified that they are neither related to exporters or importers nor they have imported the subject goods from subject country. Accordingly, the Authority holds that that the Applicant satisfied the requirement of standing under Rule 5(3) and constitutes domestic industry within the meaning of Rule 2(b).

E. CONFIDENTIALITY

Submissions by the Domestic Industry

25. The responding producer/exporter from China namely M/s Owens Corning Guangzhou Fiberglass Co Ltd. (Producer) and Owens Corning (China) investment Co. Ltd. (related exporter) along with the related importer namely M/s Owens Corning (India) Pvt. Ltd. have miserably failed to adhere to the provisions of Rule 7 read with the guidelines provided under various Trade Notices issued by the Authority. The following information has not been provided by the said parties in terms of the Trade Notice No. 10/2018 dated 07.09.2020:

- a. Write-up on stage-wise manufacturing process not provided.
- b. No. of employees provided in trends while Trade Notice requires actual numbers.
- c. Productivity per day provided in trends while Trade Notice requires actual numbers.

26. The non-confidential version of the questionnaire response filed by the exporter does not contain all the information contained in the confidential version without assigning proper reasons. It was obligatory for the exporter to give proper statement of reasons as to why confidentiality was claimed and why summarization was not possible for certain information.
27. The submission of the exporter that the applicant has not complied with the Trade Notice No. 7/2018 as it did not submit the hard copy of the import data to the Authority while filing the application is incorrect. The applicant submits that it duly filed the hard copy of the import data with the petition which could be acquired by any interested party after following the guidelines mentioned in the said Trade Notice.
28. The submission of the exporter that the applicant has not complied with the Trade Notice No. 1/2013 as it did not submit the statement of confidentiality with the petition is also without any merit. The applicant has not claimed any information confidential in the petition apart from what has been expressly allowed by the Authority to be kept confidential vide Trade Notice No. 10/2018. In contrast, the Chinese exporter itself has violated the Trade Notice No. 10/2018 and Trade Notice No. 1/2013 since it has not provided the information which is mandatorily required to be provided in terms of the said Trade Notices. Further, the Chinese exporter has not given any reasoning for keeping such information confidential.

Submissions made by the other interested parties

29. The various submissions made by other interested parties during the course of the present investigation with regard to confidentiality and considered relevant by the Authority are as follows:
 - i. The petitioner has failed to provide the DGCIS import listing which has been relied on by it for the purpose of the present investigation. It is very well known that vide Trade Notice: 07/2018 dated 15th March, 2018, DGTR has mandated every petitioner to provide a hard copy of the sorted import data along with the petition. However, no such data has been filed by the petitioner in the present investigation. The Authority may direct the petitioner to kindly provide the same.
30. In accordance with Trade Notice no. 01/2013 dated 9th December 2013, every interested party is required to provide a statement of reasons why summarization is not possible, and the Authority has provided a proforma which is mandatorily required to be provided. However, there is no statement of reasons provided by the petitioner along with the non-confidential petition submitted by it.

Examination by the Authority

31. The Authority made available non-confidential version of the information provided by various interested parties to all interested parties through the public file containing non-confidential version of evidences submitted by various interested parties for inspection as per Rule 6(7).
32. Due to COVID 19 pandemic, as the physical public file was not accessible, the Authority through notice dated 7th July, 2020, all interested parties were requested to send NCV of their submission to other interested parties.
33. With regard to confidentiality of information Rule 7 of Anti-Dumping Rules provides as follows:

“Confidential information”

(1) Notwithstanding anything contained in sub-rules (2), (3) and (7) of rule 6, sub-rule (2) of rule 12, sub-rule (4) of rule 15 and sub-rule (4) of rule 17, the copies of applications received under sub-rule (1) of rule 5, or any other information provided to the designated authority on a confidential basis by any party in the course of investigation, shall, upon the designated authority being satisfied as to its confidentiality, be treated as such by it and no such information shall be disclosed to any other party without specific authorization of the party providing such information.

(2) The designated authority may require the parties providing information on confidential basis to furnish non-confidential summary thereof and if, in the opinion of a party providing such information, such information is not susceptible of summary, such party may submit to the designated authority a statement of reasons why summarization is not possible.

(3) Notwithstanding anything contained in sub-rule (2), if the designated authority is satisfied that the request for confidentiality is not warranted or the supplier of the information is either unwilling

to make the information public or to authorise its disclosure in a generalized or summary form, it may disregard such information.”

34. The WTO Agreement on Anti-Dumping provides as follows with regard to confidentiality of information-

“Article-6.5: Any information which is by nature confidential (for example, because its disclosure would be of significant competitive advantage to a competitor or because its disclosure would have a significantly adverse effect upon a person supplying the information or upon a person from whom that person acquired the information), or which is provided on a confidential basis by parties to an investigation shall, upon good cause shown, be treated as such by the authorities. Such information shall not be disclosed without specific permission of the party submitting it.

Article-6.5.1: The authorities shall require interested parties providing confidential information to furnish non-confidential summaries thereof. These summaries shall be in sufficient detail to permit a reasonable understanding of the substance of the information submitted in confidence. In exceptional circumstances, such parties may indicate that such information is not susceptible of summary. In such exceptional circumstances, a statement of the reasons why summarization is not possible must be provided.

Article-6.5.2: If the authorities find that a request for confidentiality is not warranted and if the supplier of the information is either unwilling to make the information public or to authorize its disclosure in generalized or summary form, the authorities may disregard such information unless it can be demonstrated to their satisfaction from appropriate sources that the information is correct.

Footnote to Article 6.5.2: (footnote 18 of the WTO Agreement on Anti-Dumping) provides as follows—Members agree that requests for confidentiality should not be arbitrarily rejected.”

35. Information provided by the interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims, wherever warranted and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis was directed to provide sufficient non- confidential version of the information filed on confidential basis. The Authority made available the non-confidential version of the evidences / information / submissions submitted by various interested parties in the form of public file.

F. MISCELLANEOUS ISSUES

Submissions by the Domestic Industry

36. Wherever the entries in import data indicate the kind of facing in the imported product, the applicant has identified the PCN accordingly. However, in other entries, there is not even a mention of the kind of facing used in the imported product. In such a circumstance, it is practically impossible for the applicant to identify the PCNs from the import data when the full details of the PCN as to the kind of facing, thickness etc., are not given in the entries in DGCI&S import data.
37. As regards the contention that the Chinese exporter was able to identify all the PCN's in the import data, it is submitted that it could have been possible for them to identify the precise entries as, in terms of the Chinese exporter's own admission in para 5 of their submissions, they account for more than 71% of the total Chinese imports in the country. The applicant submits that given the fact that the responding Chinese exporter itself is exporting majority of the products in the country, they would exactly know what they are exporting in India and also the specific keywords which they might be using instead of the names of generally known facings etc.
38. The objection raised by the Chinese exporter regarding PCN methodology is not sustainable. The initiation notification invited comments on PCN methodology within 14 days from initiation. However, the Chinese producer did not raise any objection at that stage. Such being the case, they cannot be allowed to object to the PCN methodology at this stage of the investigation.
39. The costs and prices of the Product under Consideration hugely depend upon the facing on the product as the facing itself amounts for around 30-40% of the total cost of the product. Further, any

variation in density or thickness of the Product under Consideration leads to change in the surface area on which facing is applied, therefore, significantly affecting the prices.

40. The applicant clarified that post filing of the application and its scrutiny by the DGTR, some minor changes with respect to the cost happened which also led to change in profits and ROCE. While filing the non-confidential version of the application the said changes were duly reflected in the format H. However, the corresponding figures in the write-up were mistakenly not changed. In any case, the difference in such figures is miniscule and does not at all affect the merit of the arguments based on those figures.
41. The exclusion of Kuwait as subject country is absolutely in accordance with law and the past practices of the Authority. There are legal conditions imposed by the technology supplier under which the exporter from Kuwait cannot access the Indian market. The Domestic Industry is a licensee of Saint-Gobain ISOVER and uses the technology provided by Saint-Gobain ISOVER to produce Glass wool products. As per the agreement between Saint-Gobain ISOVER and the Domestic Industry, Saint-Gobain ISOVER subsidiaries or affiliates are prohibited from producing or marketing Glass wool in India. Therefore, the exporter from Kuwait (KIMMCO) being a joint venture company of Saint-Gobain ISOVER and Alghanim, cannot produce or sell the subject goods in the Indian market. Such being the case, it was considered appropriate that it would not only be illogical but counterproductive to include Kuwait as a subject country. The same would have only increased the scope of the investigation without there being any benefit coming out of the investigation. This fact was also brought into the knowledge of the Authority by the Domestic Industry during the discussions held before the initiation of the investigation. The Authority, after considering all the facts and information as well as its past practice, proceeded to initiate the investigation present investigation against China.
42. The imports from Kuwait were made as the tender condition prescribed for the use of KIMMCO (The exporter from Kuwait) product with nil formaldehyde content. The Domestic Industry has submitted that at the time imports were made, the specific grade of the product (formaldehyde free) was out of shelf of the Domestic Industry. The Domestic Industry submitted the purchase orders of their client which specifically mentions “KIMMCO” brand as specification of the product along with “formaldehyde free” in the technical specification in purchase order annexure. They clarified that they are fully capable of producing formaldehyde-free product. However, the same were not available at the time when imports were made, due to production, scheduling and delivery issues.
43. In terms of Rule 5(3), the Authority is required to examine whether there is sufficient evidence regarding the initiation of an investigation. This examination involves the information/evidence in relation to dumping, injury and causal link. Thus, it is absolutely clear that the Authority is legally obliged to examine the circumstances in relation to the three-pronged tests at the pre-initiation stage itself. In the instant case, the Authority has appreciated the submissions of the Domestic Industry in their application itself and clarification given during the pre-initiation discussions as to why there is no need to include Kuwait as a subject country and arrived at the determination accordingly. It is clear that the Authority took into consideration the quantum of imports, their trend and prices and the fact that these were a one-time import necessitated on account of requirement of specific brand/technical specification by the buyer.
44. The Kuwait imports are not even a cause of injury or potential injury to the Domestic Industry for the reasons mentioned in the submissions. Further, it is a well-settled law that for satisfying the requirement of existence of causal link in anti-dumping investigations, it is absolutely not necessary that dumped imports must be the sole or even principal cause of injury.
45. There is neither any factual nor any legal basis to even suggest that such a causal link has been broken, as has been assumed by the exporter in a self-serving manner.
46. The Domestic Industry submitted that while the exporter has made its submission in this regard simply “assuming” that the imports from Kuwait has caused injury to the Domestic Industry, it has not provided any evidence to substantiate its assumption. That the burden is on the exporter to demonstrate that the injury to the Domestic Industry has been caused/also caused by other factors. In this regard, the WTO panel in China – X-Ray Equipment found that where an interested party identifies a factor other than dumped imports but does not provide evidence showing that this factor

is causing injury to the domestic industry, the investigating authority is not required to make a determination with regard to that factor.

47. The entire argument of the exporter that the imports from Kuwait have caused injury to the Domestic Industry is based on its submission that its own import prices are in the vicinity of the import prices from Kuwait. However, this submission of the exporter is logically and legally fallacious. The causal link analysis in terms of Article 3.5 of the Anti-dumping Agreement and para (v) of the Anti-dumping Rules is with respect to “dumped imports” and not with respect to the imports from a particular exporter. It is not even the case of the only cooperating exporter that their exports or the exports by other Chinese exporters to India are not at dumped prices. Such being the case, any price comparison to establish injury cannot be based upon the prices of a singular exporter but has to be based upon the cumulative import prices from the subject country.
48. The contention of the exporter that the subject goods from Kuwait have only been imported by the Domestic Industry itself and it is the imports from Kuwait that has caused injury to the Domestic Industry is self-contradictory and does not hold any merit whatsoever. For the reasons already explained, it would be logically and legally fallacious to assume that the imports from Kuwait have caused injury to the Domestic Industry.
49. The submission of the exporter regarding imports from Kuwait being of a special grade which are not produced by the applicant is factually incorrect and is a mere figment of its imagination. The Domestic Industry has never stated that it cannot produce the imported grade of the Product under Consideration.
50. The importer BM Insulation has neither filed a questionnaire response nor have they made any request to the Authority for getting registered as an interested party in the format and timeline prescribed in the said Trade Notice. Therefore, the submission of the importer B.M Insulation should be ignored altogether for the purpose of the present investigation.

Submissions made by other interested parties

51. The petition does not meet the standards of Rule 5. While the exporter has been able to identify 100% of PCN's in the import data, the petitioner has only identified 21% PCN's. The reason for this cannot be attributed to lack of availability of the relevant information.
52. The petitioner has identified density, thickness, first facing and second facing as the parameters affecting prices. However, perusal of the import data shows that the parameter given by the applicant is not actually so. The Designated Authority may kindly direct the applicant to show from its own sales data that the product prices have in fact moved based on the parameter given by the applicant.
53. The data presented by the petitioner in the write up of the petition contradicts with the Format H enclosed as Annexure-2. The fact that the loss claimed in the write up of the petition and the costing formats do not match, leave a lot to be examined about the petitioner's argument for injury.
54. The applicant has presented incorrect and misleading facts relating to the imports from Kuwait. The subject goods imported from Kuwait are at least 334 MT during the period of investigation. The imports from Kuwait falls under two PCNs and the analysis of these two PCN prices with Owens prices show that the prices for one of the PCNs from Kuwait are lower than Owens Corning prices.
55. The reason for exclusion of Kuwait is not what has been stated by the petitioner. The reason is import by the petitioner itself and its knowledge about lack of its standing if Kuwait is considered as subject country.
56. Considering the extent of price undercutting and injury margin determined by the petitioner and considering the above price difference in the import prices, it is evident that imports from Kuwait are at injurious prices. The petitioner has declared these as un-dumped imports. Such being the case, Owens Corning requests the Designated Authority to kindly consider and hold that (a) it is the volume of undumped imports that has caused injury to the petitioner, (b) petitioner has selectively proceeded with its application against imports from China and excluded Kuwait, (c) the causal link is broken due to presence of significant imports from non-target sources.
57. The applicant submitted that these imports are of a special grade not produced by the applicant. Owens Corning is astonished at this “revelation” at this belated stage of the proceeding. Firstly, the

applicant never informed the Designated Authority that there are some grades which the domestic industry does not produce. Secondly, the applicant sought antidumping duty on all those product types for which the domestic industry itself is contending that it is not producing a like article, and is rather forced to import to meet the customer demand. Thirdly, the domestic industry has misled the Authority on the scope of the product under consideration. Fourthly, the domestic industry has stated this fact at the back of the interested parties and Owens Corning has come to know about such pertinent fact when the previous hearing process is already over. But for the second hearing held by the Designated Authority, Owens Corning would not have been even aware about such important facts, even when Owens Corning is diligently participating in the present investigations. Above all, such submission violates the principles of natural justice. Owens Corning is participating in the present investigation till date without knowing details of the grades that have been imported into India because the domestic industry is not producing the same.

The Designated Authority is requested to kindly consider the estimates of normal value and hold that the imports from Kuwait are at dumped price or not. Thereafter, the Designated Authority may ascertain whether the petitioner proceeded on discriminatory basis in respect of imports from China alone.

58. During the hearing, the legal counsel of the applicant has claimed that the product is sold through tender process. It has been accepted in the hearing that the applicant quoted extremely low prices to get the tender and as a result the applicant's selling prices has not increased whereas the selling price of the Owens corning shows rising trend. Thus, the domestic industry accepted in the hearing that the low prices are due to "fear" and the domestic industry has quoted lower prices only to get the orders.
59. If Anti-Dumping Duty is imposed on the only manufacturer, i.e. Twiga Glasswool, there will be monopoly of prices, delivery, quality etc.

Examination by the Authority

60. As regards the issue of lack of identification of PCNs by the Domestic Industry, the Authority notes that not all the import listings in the DGCI&S data reflect the PCN parameters i.e., density, thickness, first facing and second facing. The requirement at the time of filing of application is to provide 'best available information' as against 'absolute' information. The Authority has analysed dumping and injury on PCN to PCN basis since one of the cooperating producer/exporter and one of the cooperating importer accounts for almost 73% and 8%, respectively, of the total imports of PUC in the period of investigation. Thus, almost 81% of the total import of PUC during the period of investigation is being accounted for PCN to PCN analysis.
61. As regards the argument relating to PCN methodology, the Authority notes that the initiation notification specifically provided 14 days period to the interested parties to provide their comments on the PCN methodology. However, none of the interested parties raised any issues with the PCN methodology at that time. In view thereof, the Authority holds that since no opposition was made to the PCN methodology by any party at the appropriate stage, the same cannot be allowed at such late stage of the investigation. This is without prejudice to the merit or demerit of the concerns raised by the exporter.
62. As regards the arguments of interested parties regarding contradiction in write-up and Format H of the non-confidential version of the petition, the Authority notes that it has relied upon verified numbers of the Domestic Industry for the purpose of the present Final Finding. The Domestic Industry also, during the course of the hearing itself, had clarified the position that the minor differences were on account of an inadvertent clerical error, which were inconsequential and verified latter.
63. The Authority notes the issues raised by the exporter in the context of the exclusion of Kuwait from the purview of the investigations and holds that all countries, whose exports to India are above de minimis, need to be analysed on relevant respect to consider their inclusion in the investigation.
64. The Authority notes that imports of PUC were to the extent of 334 MT during the POI for which the Domestic Industry has submitted that these were necessitated for a particular technical specification (i.e., "formaldehyde free" product) which was not available with the Domestic Industry at the

relevant time due to production, scheduling and delivery issues. Nevertheless, the Authority notes that the Domestic Industry had not claimed imports from Kuwait as dumped. On this being the case the investigation is limited to China PR only. On the issue of causal link between dumped imports and injury, the Authority has considered injury to the domestic industry on account of imports from non-subject countries including Kuwait in the injury analysis as undertaken in all cases while analysing causal link.

G. NORMAL VALUE, EXPORT PRICE AND DUMPING MARGIN

Normal Value

Submissions by the Domestic Industry

65. In terms of Para 8 of Annexure I of the anti-dumping rules, China has to be presumed to be a Non-market Economy Country unless the concerned firms/ producers/ exporters are able to rebut the said presumption based on the criteria spelt out in Para 8(3). This is also in line with the position taken by the Authority in previous cases, and by investigating authorities in other countries. Chinese producers' cost and price cannot be relied upon for determination of normal value. The domestic industry respectfully submit that China PR should be treated as non-market economy country for the following reasons:
- a) Market economy status cannot be given unless the responding Chinese exporters establish that the prices of major inputs substantially reflect market values.
 - b) Market economy treatment must be rejected in such situations where Chinese exporters are unable to establish that their books are consistent with International Accounting Standards (IAS). The requirement on insisting compliance with International Accounting Standards is to ensure accuracy and adequacy of revenues and expenses, assets and liabilities expressed in the annual report.
 - c) Market economy status cannot be granted unless the responding Chinese exporters pass the test in respect of each and every parameter laid down under the rules. Contrarily, while examining material injury existence of a single parameter is considered sufficient to establish such injury. In other words, where one parameter is sufficient to establish existence of injury, failure to pass one single parameter is sufficient to reject the claim of market economy status.
 - d) It is not for the Authority to establish that the responding companies are operating under market economy environment and are entitled for market economy treatment. But it is for the responding Chinese exporters to establish that they are operating under market economy conditions.
 - e) Market economy status cannot be granted unless the responding company and its group as a whole make the claim. If one or more companies forming part of the group have not filed the response, market economy status must be rejected.
 - f) It has been submitted that the normal value for China in such a case can be determined only in accordance with the provisions of para 7 of the Annexure I to Anti-dumping Rules without invoking proviso to 8(2) in view of the aforementioned facts and circumstances.
 - g) The normal value in China can thus be determined on the basis of (a) import price from third country into India, (b) selling price in India, and (b) cost of production in India, duly adjusted, including selling, general and administrative expenses and profit. It is also submitted that since these options for determination of normal value are available, the Designated Authority may not kindly consider "any other basis" because this is required to be applied only when the basis listed under the law cannot be applied.
 - h) Para 8(2) of Annexure-I leaves no choice for the Designated Authority but to presume China to be a Non-Market Economy country. However, the same is open to rebuttal by the Chinese firms under the provision of Para 8(3).
 - i) The significant extent of continued government intervention in certain important sectors of the Chinese economy warrants maintaining China's designation as a Non-Market Economy country. It is a known fact that China's economy is controlled by the state forces and there is a

significant interference and control of the state machinery in the country's economy. The grant of Market Economy status under China's accession to the WTO is not automated but contingent upon China's compliance with the preconditions mentioned in the Accession Protocol.

66. The Domestic Industry has relied upon import data procured from DGCI&S for computing export price for the subject country. Further, the data pertaining to adjustments claimed in the export price i.e., ocean freight, marine insurance, commission, inland freight expenses, port expenses and bank charges to arrive at ex-factory export price are supported by backup documents and same have been appropriately disclosed to the other interested parties.
67. The questionnaire responses filed by producers/exporters are grossly deficient and not filed in terms of the latest trade notice.
68. Domestic Industry has also submitted that the Chinese exporter has not filed response for three of its related parties involved in production and sales of the subject goods in China. They have also stated that the Chinese exporter has not filed Section H of the exporters questionnaire which mandatorily seeks information relating to exports to third countries.
69. The Domestic Industry has stated that no adjustment can be allowed to the Chinese producer/exporter unless the Domestic Industry is provided with the details of the adjustments claimed by such producer/exporter and the Domestic Industry is given an opportunity to contest the said adjustments through a hearing.

Submissions by the other interested parties

70. The exporter M/s Beiyang Building Material Co. Ltd. has filed the Market Economy Questionnaire for claiming Market Economy Treatment.
71. The cooperating producer/exporter namely, M/s M/s Owens Corning Guangzhou Fiberglass Co Ltd. and M/s Owens Corning (China) Investment Co. Ltd. have not claimed market economy treatment considering the position adopted by the authority in the past cases.

Examination by the Authority

72. The Authority sent questionnaires to the known exporters from the subject country, advising them to provide information in the form and manner prescribed. M/s Owens Corning Guangzhou Fiberglass Co Ltd. and M/s Owens Corning (China) Investment Co. Ltd. along with their related trader in India and M/s Beiyang Building Material Co. Ltd. have filed the prescribed questionnaire responses.
73. It was alleged by the domestic industry in their application that Chinese companies continue to operate on non-market economic conditions as there exists significant government intervention in various activities including exchange rate management. Based on the claims of the domestic industry, the Authority advised the producers/ exporters in China to respond to the notice of initiation and provide information relevant to determination of their market economy status to demonstrate that they are operating under market economy conditions. The Authority sent copies of the supplementary questionnaire to all the known producers/ exporters from China for providing sufficient information in this regard. The Authority also requested Government of China to advise the producers/ exporters in their country to provide all the relevant information.
74. As per Paragraph 8 of Annexure I of the Anti-Dumping Rules, the presumption of a non-market economy can be rebutted, if the exporter(s) from China PR provide information and sufficient evidence on the basis of the criteria specified in subparagraph (3) of Paragraph 8 and establish the facts to the contrary. The cooperating exporters/ producers of the subject goods from People's Republic of China are required to furnish necessary information/ sufficient evidence as mentioned in subparagraph (3) of paragraph 8 in response to the supplementary questionnaire to enable the Designated Authority to consider the following criteria as to whether:
 - i. The decisions of concerned firms in China PR regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;

- ii. The production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;
 - iii. Such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms and;
 - iv. The exchange rate conversions are carried out at the market rate.
75. Although M/s Beiyang Building Material has filed supplementary questionnaire response, they have not exported the PUC during the POI, M/s Owens Corning Guangzhou Fiberglass Co Ltd. and M/s Owens Corning (China) Investment Co. Ltd have not filed the supplementary questionnaire response wherein they were sought to rebut the presumptions as mentioned in para 8 of Annexure 1 of the Antidumping Rules. Therefore, the Authority holds that the responding Chinese producers/ exporters have failed to provide sufficient evidence to establish that they are operating under market economy conditions. Under the circumstances, the Authority proceeds in accordance with Para 7 of Annexure - I to the Rules in this regard.
76. The Authority notes that for determination of normal value based on third country cost and prices, the complete and exhaustive data on domestic sales or third country export sales, as well as cost of production and cooperation of such producers in third country is required. No such information with regard to prices and costs prevalent in these markets have been provided either by the applicant or by the responding producers/ exporters, nor any publicly available information could be accessed, nor the responding producers/ exporters have made any claim with regard to an appropriate market economy third country. Therefore, for the purpose of determination of Normal Value, the Authority has constructed the normal value, wherever warranted, based on best available fact in accordance with the Rules.
- a. Normal value for China PR**
77. The Authority has constructed the normal value for China PR on the basis of cost of production in India, duly adjusted, including selling, general and administrative expenses.
- The constructed normal value is as mentioned in the dumping margin table below.
- b. Export price in the case of M/s Owens Corning Guangzhou Fiberglass Co Ltd. and M/s Owens Corning (China) Investment Co. Ltd.**
78. M/s Owens Corning Guangzhou Fiberglass Co Ltd. and M/s Owens Corning (China) Investment Co. Ltd. along with their related trader in India. The Authority examined the Exporters Questionnaire response and noted response has been filed for all the quantity exported to India directly or indirectly. The exports details furnished by producer have been considered for determining ex-factory export price for grant of individual dumping and injury margin. The exporter has claimed adjustment on account of inland freight, ocean freight, overseas freight, bank charges, credit and the same have been accepted after necessary verification. The constructed normal value and weighted average net export price is as mentioned in the dumping margin table below.

Determination of Dumping Margin

DUMPING MARGIN

79. The dumping margin for the subject goods is evaluated by comparing the normal value with the export price of each PCN separately. Where the normal value was not available with respect to any specific PCN, comparison were made between normal value and export price made using the closest possible PCN.
80. The Authority has considered the highest dumping margin and injury margin on the best facts available including response of cooperating producer/exporter for according dumping margin and injury margin to residual category.
81. The DI has informed vide letter dated 2nd November 2020 that the Chinese exporter Owens Corning is giving substantial post sales discounts to the consumers directly as well as through their related importer. The exporter in their email dated 3rd November 2020 has clarified that no post export

discounts are offered. It is noted that DI has not submitted any evidence regarding substantial post sales discounts offered by the exporter.

82. M/s. Owens Corning India Pvt. Ltd., the related importer has resold 813 MT of subject goods during the period of investigation at a loss. The Authority has therefore, adjusted the exporters export price further, with the losses incurred. The weighted average dumping margin so determined is as below:

	Qty.	Normal value	Export price	Dumping margin	Dumping margin	Dumping margin
	MT	USD/MT	USD/MT	USD/MT	%	Range
M/s Owens Corning Guangzhou Fiberglass Co Ltd.	***	***	***	***	***	20-40
Any other producer/exporter from China PR	***	***	***	***	***	40-60

H. DETERMINATION OF INJURY AND CAUSAL LINK

Submissions made by the Domestic Industry

83. The following are the injury related submissions made by the domestic industry during the course of the present investigation and considered relevant by the Authority:
- Imports of the product under consideration from the subject country have shown increase over the years with a significant increase in POI. Imports have also shown increase in relation to production and consumption in India.
 - Market share of the subject country in demand has been continuously increasing while there is a decline in the market share of the Domestic Industry.
 - With reduction in the prices by the Chinese producers, the only choice available to the Indian producer is to either realign their prices with the changes in the import prices or to lose orders and hence the market share reduced during the entire injury investigation period while the profits of the Domestic Industry also took significant hit.
 - Domestic industry prices reflect the effect of the prices that are being offered by the exporters in the domestic market.
 - The market share, production, sales and capacity utilization of the Domestic Industry has been adversely affected by the dumped imports from subject country.
 - The price underselling, price undercutting is positive and substantial. Further, the Domestic Industry is suffering from price depression as they are not able to increase its prices to remunerative level
 - Performance of the domestic industry has steeply deteriorated in terms of profits. In fact the profitable situation of the Domestic Industry has turned into losses and return on investments and cash profits have also followed the same trend.
 - The decline in profitability of the domestic industry was due to significant increase in the import volume at non-remunerative prices from subject country.
 - The Product under Consideration in the present case is 'faced glass wool in rolls'. The PUC accounts for nearly 41% of the applicant's total production of glass wool. In the circumstances, reliance on the figures reported in the Annual Report is of no consequence.
 - There has been decrease in selling price despite increase in cost of production and thus the dumped imports are creating price suppression effect on the domestic industry.
 - The domestic industry has suffered material injury in connection with dumping of subject goods

from the subject country. Further, the domestic industry is threatened with continued injury, should the present condition continue.

Submissions made by the other interested parties

84. The following are the injury related submissions made by the producers/exporters/importers/other interested parties during the course of the present investigation and considered relevant by the Authority.
- i. The import prices have increased in the POI as compared to the previous years.
 - ii. The applicant has incorrectly claimed that it has been forced to reduce the prices for the product due to imports, whereas the fact is that import price has increased.
 - iii. There is no volume effect of imports. The fall in the production and domestic sales of the domestic industry cannot be attributed to the increase in imports from the subject country.
 - iv. The prices of Owens Corning are much higher and could not have caused injury to the Domestic Industry.
 - v. Since Owens Corning China exports to India are entirely to Owens Corning India and the two are affiliated, it is the Owens Corning India resale price that alone must be considered to determine whether the applicant in fact suffered price undercutting as a result of the import of the product.
 - vi. The subject country imports have had no impact on the prices of the domestic industry and hence losses suffered by the domestic industry cannot be attributed to the subject country imports.
 - vii. The petitioner in its Annual Report for the year 2018-19 stated that it is planning to set up a new glass wool production line. Even if it is once assumed that the petitioner was operating at 100% capacity utilization in the base year, with the decrease in the overall capacity utilization by around 13%, it was been already left with significant idle capacities in the period of investigation. Therefore, the obvious question should be why the petitioner has proposed a new capacity for glass wool when it has claimed losses in the petition.
 - viii. If the entire glass wool division of the petitioner is in profits, how has the petitioner claimed losses when even the market for non-product under consideration reduced in the injury period. It appears that the petitioner has actually escalated its cost for the product under consideration in the petition.
 - ix. The imports from China have no negative impact on the performance of the Domestic Industry.
 - x. That there is no price undercutting, price underselling, price suppression and depression and therefore, the claim of the Domestic Industry of any injury on account of imports from subject country should be rejected.
 - xi. The inability of the domestic industry to meet the domestic demand has resulted in the increase in imports to fulfil the rise in consumption.
 - xii. That the Domestic Industry is suffering injury on account of factors other than imports from the subject country.

Examination by the Authority

85. The Authority has taken note of the arguments and counterarguments of the all the interested parties with regard to injury to the Domestic Industry. The injury analysis made by the Authority hereunder addresses the various submissions made by the interested parties.
86. In view of the above, the Authority considers it appropriate to cumulatively assess the effects of dumped imports of the subject goods from the subject country on the domestic industry.
87. Rule 11 read with Annexure-II of the Rules provides that an injury determination shall involve examination of factors that may indicate injury to the domestic industry, “.... taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles....”

In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree. For the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry in India, indices having a bearing on the state of the industry such as production, capacity utilization, sales volume, stock, profitability, net sales realization, the magnitude and margin of dumping, etc. have been considered in accordance with Annexure-II of the Rules. The Authority has taken note of various submissions of the domestic industry and the exporters / importers / traders / users on injury to the domestic industry and has analyzed the same considering the facts available on record and applicable laws. The injury analysis made by the Authority hereunder ipso facto addresses the various submissions made by the interested parties.

I. Volume Effect of Dumped Imports and impact on the Domestic Industry

i. Assessment of Demand

88. For the purpose of the present investigation, demand or apparent consumption of the product in India has been defined as the sum of domestic sales of the Applicant and imports from all sources. The demand so assessed is given in the table below:

Year	2015-2016	2016-2017	2017-2018	POI
Domestic Industry sales (MT)	***	***	***	***
Total domestic sales (MT)	***	***	***	***
Imports from Subject country (MT)	304	793	701	1157
Imports from other countries (MT)	143	15	25	388
Total Imports (MT)	448	809	727	1545
Total demand (MT)	***	***	***	***

89. It is noted from the above table that the demand of the subject goods has increased in the POI as compared to the base year. It is further noted that the imports from the subject country has also increased in the POI as compared to the previous years of injury period.

ii. Imports volumes and share of the imports from subject country

90. With regard to the volume of dumped imports, the Authority is required to consider whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute terms or relative to production or consumption in India. The volume of imports of the subject goods from the subject country have been analyzed as under –

Year	2015-16	2016-17	2017-18	POI
Imports from Subject country (MT)	304	793	701	1157
Trend	100	261	230	380
Imports from other countries (MT)	143	15	25	388
Total Imports (MT)	448	809	727	1545
% share of Subject country in total imports	68%	98%	97%	75%
Trend of subject country imports in total imports	100	144	142	110
Total demand (MT)	***	***	***	***
% Share of Subject country in demand	***	***	***	***
Trend of Demand (Indexed)	100	110	97	114

91. From the above, it is seen that-

- a. Imports from the subject country have increased during the entire injury period and the POI.
- b. The imports from the subject country have witnessed increase in relation to total imports and consumption in India.
- c. The share of subject country imports in demand has increased throughout the injury investigation period.

iii. Price Effect of Dumped Imports on the Domestic Industry

92. With regard to the effect of the dumped imports on prices, it is required to be analyzed whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared to the price of the like products in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices or prevent price increases, which otherwise would have occurred in the normal course. The impact on the prices of the domestic industry on account of the dumped imports from the subject country has been examined with reference to the price undercutting, price underselling, price suppression and price depression, if any. For the purpose of this analysis the cost of production, Net Sales Realization (NSR) and the Non-Injurious Price (NIP) of the Domestic industry have been compared with the landed cost of imports from subject country.

a. Price Undercutting

93. In order to determine whether the imports are undercutting the prices of the domestic industry in the market, the Authority has compared landed price of imports with net sales realization of the domestic industry as below:

Particulars	Unit	2015-2016	2016-2017	2017-2018	POI
Imports from Subject country	MT	304	793	701	1157
Landed price of imports	Rs/MT	63,596	78,077	90,130	1,09,537
Net selling price	Rs/MT	***	***	***	***
Price undercutting	%	***	***	***	***
Price undercutting	%	***	***	***	***
Price undercutting	Range	80-90	50-60	30-40	10-20

94. It is noted that the landed value from the subject country is below the selling price of the Domestic Industry throughout the injury investigation period. Therefore, price undercutting is positive and significant throughout the injury investigation period.

b. Price Suppression and Depression

95. In order to determine whether the imports from the subject country are suppressing or depressing the domestic prices and whether the effect of such imports is to suppress prices to a significant degree or prevent price increases which otherwise would have occurred in normal course, the Authority considered the changes in the costs and prices over the injury period, as detailed below:

Year	2015-2016	2016-2017	2017-2018	POI
Landed value Rs/MT	63,596	78,077	90,130	1,09,537
Trend	100	115	129	172
Domestic selling price Rs/MT	***	***	***	***
Trend	100	100	98	98
Cost Rs./MT	***	***	***	***
Trend	100	97	100	109

96. From the above Table, it is noted that the average landed value of imports from the subject country has been below the cost of the Domestic Industry. This has exerted pressure on the Domestic Industry not to raise its price to the remunerative levels. The Authority holds that the imports from the subject country have suppressing/depressing impact on the prices of the Domestic Industry.

c. Price Underselling (injury margin) during POI

97. The Authority has evaluated that the price underselling suffered by the domestic industry on account of dumped imports from the subject country. For this purpose, the non-injurious price determined for the domestic industry has been compared with the average landed price of imports. The same is as below:

Price underselling	Unit	Total Glass Wool
NIP	Rs/MT	***
Landed price of imports	Rs/MT	1,09,537
Price underselling	Rs/MT	***
Price underselling	%	***
Price underselling	Range	0-20

98. It is noted from the above table that the price underselling on account of imports of the subject goods from the subject country is positive.

iv. Economic Parameters of the Domestic Industry

99. Annexure II to the Anti-Dumping Rules requires that the determination of injury shall involve an objective examination of the consequent impact of these imports on domestic producers of such products. With regard to consequent impact of these imports on domestic producers of such products, the Anti-dumping Rules further provide that the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry should include an objective and unbiased evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including actual and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments. An examination of the performance of the domestic industry reveals that the domestic industry has suffered material injury. The various injury parameters relating to the domestic industry are discussed below.

100. The various injury parameters relating to the domestic industry are discussed herein below:

i. Market share:

101. The details of imports, domestic sales and the market share of the domestic industry is as below:

Year	2015-2016	2016-2017	2017-2018	POI
Domestic Industry sales (MT)	***	***	***	***
Total domestic sales	***	***	***	***
Imports from Subject country (MT)	304	793	701	1157
Imports from other countries (MT)	143	15	25	388
Total Imports (MT)	448	808	726	1545
Total demand (MT)	***	***	***	***
Trend	100	110	97	114
Market share of Domestic sales in demand	***	***	***	***
% Share of Subject country in demand	***	***	***	***

102. From the above, it is noted that:

- a. Import of the subject goods from the subject country has increased throughout the injury investigation period.
- b. Market share of the subject country increased during the injury investigation period while, during the same time, the market share of the Domestic Industry has decreased.

ii. **Profitability:**

103. Analysis of the performance of the domestic industry with regard to actual profit/loss, is given in the table below:

Year	2015-2016	2016-2017	2017-2018	POI
Domestic Sales (MT)	***	***	***	***
Trend	100	104	91	94
Sales value (Rs. Lacs)	***	***	***	***
Trend	100	103	89	92
Selling price/unit	***	***	***	***
Trend	100	100	98	98
Cost (Rs. Lacs)	***	***	***	***
Cost/unit	***	***	***	***
Trend	100	97	100	109
Profit/loss per unit	***	***	***	***
Trend	100	125	73	-15

104. It is noted from the above that the performance of the domestic industry has been adversely affected in the period of investigation. This is essentially on account of the dumped imports from the subject country coming at low prices due to which the domestic industry had to lower its prices to match the prices of imports. This price pressure on the Domestic Industry had not let them to increase its selling price to fully recover its cost. Accordingly, the overall profits of the Domestic Industry declined significantly leading to losses in the POI.

iii. **Return on Investment:**

105. The return on investment also followed the same trend as of profit. As can be seen from the Table below.

Year	2015-16	2016-17	2017-18	POI
Capital employed (Rs. Lacs)	***	***	***	***
Profit before interest (Rs. Lacs)	***	***	***	***
ROCE %	***	***	***	***
Trend	100	110	57	-12

106. It is noted from the above that the ROCE of the Domestic Industry has also been pushed from a substantially positive position to negative.

iv. **Production and Capacity Utilization:**

107. It is noted from the verified data that the Domestic Industry have sufficient capacity to cater the need of the domestic demand. However, due to the presence of the dumped imports from the subject country, the Domestic Industry was not able to fully utilize its capacity. In fact, the capacity

utilization of the Domestic Industry declined throughout the injury investigation period. This factor also shows clear injury to the Domestic Industry. The details are given in the below table:

Year	2015-16	2016-17	2017-18	POI
Capacity (MT)	15288	15288	15288	15288
Production PUC (MT)	***	***	***	***
Production NPUC (MT)	***	***	***	***
Production Total (MT)	***	***	***	***
Capacity utilization (MT)	86.11%	82.96%	76.86%	75.28%

v. Sales Volume and Value:

108. It is noted from the Table below, that the sales volume of the Domestic Industry has decreased in the POI as compared to the base year which is mainly due to the presence of the dumped imports. Further, the selling price of the Domestic Industry has also declined despite increase in cost. This clearly shows the adverse impact of the dumped imports on the Domestic Industry.

Year	2015-2016	2016-2017	2017-2018	POI
Domestic Sales (MT)	***	***	***	***
Trend	100	104	91	94
Selling Price/unit	***	***	***	***
Trend	100	100	98	98

vi. Inventories:

109. The data relating to inventory of the subject goods is shown in the following table.

Particulars	UoM	2015-16	2016-17	2017-18	POI
Average Inventory	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	138	110	87

110. From the above, it is noted that in order to minimize the inventory cost and also to reduce losses, Domestic Industry is forced to reduce its inventory.

vii. Employment and Wages:

111. It is noted that the number of the employees has remained more or less same throughout the injury investigation period. However, it is noted that despite price pressure, Domestic Industry was forced to increase the wages paid to employees during the injury investigation period. The position with regard to employment and wages is as follows:

Year	2015-2016	2016-2017	2017-2018	POI
Employees	***	***	***	***
Trend	100	108	97	102
Wages/employee (Rs)	***	***	***	***
Trend	100	102	120	115

viii. Productivity:

112. It can be seen from the table below that productivity in terms of total production per employee has in the POI as compared to the previous years. This factor clearly shows the negative impact of the non-remunerative imports from the subject country.

Year	2015-2016	2016-2017	2017-2018	POI
Production (MT)	***	***	***	***
Trend	100	102	89	91
Employees	***	***	***	***
Trend	100	108	97	102
Production/employee	***	***	***	***
Trend	100	95	92	90

ix. Growth

113. There was negative growth of the domestic industry in terms of sales, production, profits, cash profit as well as ROI despite increase in demand. The Domestic industry has contended that they were not able to achieve positive growth due to the presence of the dumped imports.

x. Magnitude of Dumping:

114. Magnitude of dumping is an indicator of the extent to which the dumped imports can cause injury to the domestic industry. The analysis shows that the dumping margin determined for cooperating producer/exporter is above the *de minimis*.

xi. Ability to raise Capital Investment:

115. The future investment in the sector is affected by the presence of imports from the subject country. The profitable situation of the Domestic Industry turned into losses in the period of investigation along with reduced market share which indicates that the ability of the domestic industry to raise capital investments for the sector is seriously affected.

xii. Factors affecting domestic prices:

116. The examination indicates that there is a growing demand in India for the subject goods. The import prices from the subject country are affecting the prices of the domestic industry in the domestic market. It is also noted that the average landed value of subject goods from the subject country is below non-injurious price of the domestic industry. Further, landed value from subject country had suppressed / depressed effect on the prices of the Domestic Industry causing financial losses to them. The imports of the product under consideration from countries other than subject country are not claimed to be dumped and thereby causing injury to the domestic industry. Demand for the product is showing an increase trend and, therefore, could not have been a factor responsible for price depression and suppression faced by the domestic industry.

I. Conclusion on Material Injury

117. An examination of the various parameters of injury along with the volume and price effects of imports indicates that material injury has been caused to the Domestic Industry during the period of investigation. There is an increase in the volume of imports of subject goods from the subject country during the injury investigation period in absolute terms as well as in relation to the total imports, domestic production and total demand in the country. Other volume parameters like sales, production and capacity utilization of the domestic industry also indicate that the domestic industry has suffered volume injury on account of dumped imports of subject goods from the subject country. With regard to price effect, it is noted that imports of the subject goods from the subject country are putting the price pressure on the domestic industry. The domestic industry has also suffered price suppression on account of imports of product under consideration from subject

country as sales price of subject goods has decreased despite increase in cost of production of subject goods during the injury period.

J. Other Known Factors & Causal Link

118. Having examined the existence of material injury, volume and price effects of imports on the prices of the domestic industry, in terms of its price undercutting, underselling and price suppression, and depression effects, other indicative parameters listed under the Anti-Dumping Rules and Agreement on Anti-dumping have been examined by the Authority to see whether any other factor, other than the alleged dumped imports could have contributed to injury to the domestic industry.

(a) Volume and prices of imports from third countries

- i. The average import price from Kuwait is noted to be higher than that of China especially the non-cooperative producer/exporters. The Authority notes the condition of imports by the Domestic Industry i.e. one time tender of particular specification and with no continuing trend and non-claim of dumping and further the average import price from Kuwait being higher than average import price from China. The Authority holds that imports from Kuwait have not led to injury.

(b) Contraction of demand and changes in the pattern of consumption.

- i. There has been no contraction of the demand of the product concerned. Therefore, decline in demand is not as a possible reason of injury to the Domestic Industry.

(c) Developments in technology:

- ii. Technology for production of the product concerned has not undergone any significant change. Thus, development in technology is also not a factor causing injury to the Domestic Industry. The subject goods produced by the Domestic Industry is like article to the goods produced and exported by the producers in India.

(d) Trade restrictive practices and competition between the foreign and domestic producers

- iii. There is no trade restrictive practice, which could have contributed to the injury to the Domestic Industry as the raw materials as well as the subject goods are freely importable in the country.

(e) Export performance of the domestic industry

- iv. It is noted that the Authority has only considered the domestic performance of the Domestic Industry. Therefore, performance in the export market has not affected the present injury analysis in any manner whatsoever.

(f) Productivity of the Domestic Industry

- v. It is noted that the productivity of the domestic industry has marginally improved in the POI as compared to the preceding year.

119. It is thus noted that listed known other factors do not show that the domestic industry could have suffered injury due to these other factors.

Magnitude of Injury and Injury Margin

120. The Authority has determined Non-Injurious Price for the domestic industry on the basis of principles laid down in anti-dumping Rules read with Annexure III, as amended. The NIP of the product under consideration has been determined by adopting the verified information/data relating to the cost of production for the period of investigation. The NIP of the domestic industry has been worked out and it has been considered for comparing the landed price from the subject country for calculating injury margin. For determining NIP, the best utilization of the raw materials by the domestic industry over the injury period has been considered. The same treatment has been done with the utilities. The best utilization of production capacity over the injury period has been considered. The optimum production in POI has been calculated considering the best capacity utilization and the same production has been considered for arriving per unit fixed cost. No extraordinary or non-recurring expenses have been charged to the cost of production. A reasonable return (pre-tax @ 22%) on average capital employed (i.e. Average Net Fixed Assets plus Average Working Capital) for the product under consideration was allowed as pre-tax profit to arrive at the NIP as prescribed in Annexure-III and being followed. The non-injurious price so determined has

been compared with the landed price of imports from the subject country to determine the injury margin.

121. It is further noted that the Owens Corning has informed the Designated Authority on 22nd September 2020 that in case of related importer the finance cost includes interest on term loans and net loss on foreign currency transactions and requested to exclude these cost as the purpose of term loan is for expansion of Glass Fibre and net loss on foreign exchange transaction is due to term loan. However, the documentary evidence in support of their claim has not been provided. Therefore, entire finance cost incurred by related importer is allocated to PUC on turnover ratio. It is further noted that due to COVID 19 situation, only desk verification of documents provided has been carried out.
122. The Authority notes from the response filed by M/s Owens Corning Guangzhou Fiberglass Co Ltd., producer and exporter from China PR, that their wholly owned Indian subsidiaries have incurred a loss during the sale of the subject goods imported from their parent companies. As their sales price of subject goods are lower than their purchase price suitable adjustment has been made in their landed price.
123. Injury margin computed for co-operative and any others exporters/producers from subject country is as under:

	Qty	NIP	Landed value	Injury margin	Injury margin	Injury margin
	MT	USD/MT	USD/MT	USD/MT	%	Range
M/s Owens Corning Guangzhou Fiberglass Co Ltd. China PR	***	***	***	***	***	0-20
Any other producer/exporter from China PR	***	***	***	***	***	0-20

K. Post Disclosure statement submissions

Submission of Domestic Industry

124. The landed value of imports mentioned in the disclosure statement appears to be incorrect and highly inflated. The same while being much higher than the landed value computed by the Domestic Industry on the basis of the DGCI&S data, is also much higher than the import prices provided by the so called cooperating Chinese exporter M/s Owens Corning itself in its written submissions dated 19th May, 2020 pursuant to the hearing
125. As regards the issue pertaining to the adjustment of finance cost of the related importer and the loss incurred by it, the Domestic Industry submits that the proposal of the Authority to allocate the finance cost towards PUC and adjustment of the losses incurred by the importer in the landed value, is correct and in line with the consistent approach of the DGTR. The Domestic Industry humbly requests the Authority to kindly intimate the Domestic Industry in case there is any change in the approach proposed in the disclosure statement.
126. No new evidence/information can be accepted at this stage, it is submitted that in the unlikely event the Authority taking cognizance any new evidence/information, the same may be provided to the Domestic Industry and a hearing be accorded to the Domestic Industry before considering such evidence/information.

Submissions of other interested parties

127. The Authority is requested to definitively confirm exclusion of other forms of faced glasswool, namely, face glasswool in flat/tabular from the scope of the product under consideration in the final findings
128. There is no causal link between the injury being suffered by the domestic industry and the alleged dumped imports of the subject goods. Since the data provided in the petition filed by the domestic

industry was inconsistent, the Respondent was unable to effectively comment on the injury parameters of the domestic industry.

129. The name of the entity, Wave Suspension Systems (India) Private Limited has been changed to Knauf Ceiling Solutions (India) Pvt Ltd, vide a Certificate of Incorporation pursuant to change of name bearing Corporate Identification Number U74999PN2007PTC137041 electronically issued and signed on 28th September 2020 (Attached as Exhibit I). We request the Authority to kindly take the same into account while issuing final findings in the subject investigation.
130. Owens Corning India is not a wholly owned subsidiary of Owens Corning China. The only relationship between the two company is because the two are controlled by one common entity. Since the adjustment has been made on the basis of factually incorrect assumption that Owens Corning India is a wholly owned subsidiary of Owens Corning China, Owens Corning India submits that this itself justifies a review of the disclosure and adoption of Owens Corning China prices for the purpose of determination of injury margin. It is also pointed out in this regard that the authority has in the past carried out this adjustment only in those cases where the importer in India is controlled by the producer concerned. However, in the instant case, Owens Corning China does not control Owens Corning India. The correction is unwarranted.
131. Owens Corning India earlier reported that the interest expense incurred by company are largely on account of interest on term loans taken by the company for its manufacturing operations. The company has made the expansion in its manufacturing facilities of Glass Fiber plant recently for which company has obtained term loan of Rs. *** from its related party. The said information can be seen even from annual report. The interest cost in the financial accounts are largely on account of term loans and not working capital. No further information/ clarification was desired from Owens Corning India thereafter. Owens Corning India stated that the annual report contains relevant information. This itself constituted sufficient evidence.
132. While the disclosure statement has noted the difficulties caused by COVID, Owens Corning China and Owens Corning India are unable to understand the difficulties in seeking further clarifications through communications and phone calls, particularly when the Directorate routinely seeks substantial information and clarification orally and through phone calls. Such being the case, the disclosure statement is based on an assumption and without seeking proper clarification from Owens Corning India

Examination by the Authority

133. As regard the submission of the domestic industry that the landed value of imports mentioned in the disclosure statement appears to be incorrect and highly inflated and is also much higher than the import prices provided by the cooperating Chinese exporter, the Authority notes that the cooperating exporter M/s Owens Corning in its written submissions dated 19th May, 2020 pursuant to the hearing had submitted the landed value on the basis of description provided in the transaction wise import data only. However, during desk verification, the exporter claimed that there are classification/description issues in the DGCI&S transaction wise import data. Some transactions contained consignments of both PUC and NPUC. The Authority has, therefore, calculated the landed value of the cooperating exporter on the basis of verified information as provided during the desk verification of the cooperating exporter. This landed value of imports from China PR has been accordingly adjusted.
134. The Authority has already excluded other forms of faced glasswool, namely, faced glasswool in flat/tabular such as tiles, sheets or boards, from the scope of the product under consideration in the final findings.
135. The causal link between the injury being suffered by the domestic industry and the alleged dumped imports of the subject goods has already been examined in previous paragraphs.
136. As regards the submission that Owens Corning, India is not a wholly owned subsidiary of Owens Corning, China and the only relationship between the two companies is because the two are controlled by one common entity, the Authority notes that even if two companies are controlled by a common entity, they are related entity.

137. As regards name change of Wave Suspension Systems (India) Private Limited as Knauf Ceiling Solutions (India) Pvt Ltd, it is noted that the certificate of name change attached with response could not be downloaded as there was some error in attaching the file. Moreover, the duty table is in respect of foreign producer(s)/exporter(s) only and hence this request from the importer does not have any relevance.
138. As regards submission of Owens Corning India relating to interest expense, it is noted that in case of related importer the conclusive documentary evidence in support of their claim has not been received. Therefore, allocation of entire finance cost incurred by related importer to PUC on turnover ratio basis has been found to be appropriate.

L. INDIAN INDUSTRY'S INTEREST & OTHER ISSUES.

139. The Authority notes that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the domestic industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the Country. Imposition of anti-dumping duty would not restrict imports from the subject country in any way, and, therefore, would not affect the availability of the products to the consumers.
140. It is recognized that the imposition of anti-dumping duty might affect the price levels of the product under consideration and downstream goods manufactured using the product under consideration. This might consequently have some effect on the relative competitiveness of the downstream products. However, since levy of an anti-dumping duty is restricted to the amount necessary to redress the injury to the domestic industry, fair competition in the Indian market will not be reduced by the anti-dumping measure. Imposition of anti-dumping measure would remove the unfair advantages gained by dumping practices, prevent the decline in the performance of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of the product under consideration.

M. CONCLUSION

141. Having regard to the contentions raised, information provided, and submissions made by the interested parties and facts available before the Authority as recorded in these final findings and on the basis of the above analysis, the Authority concludes that:
 - a. The product under consideration has been exported to India from the subject country below its associated normal value, thus resulting in dumping.
 - b. The domestic industry has suffered material injury due to dumping of the product under consideration from the subject country.
 - c. Material injury has been caused to the domestic industry by the dumped imports from the subject country.

N. RECOMMENDATION

142. The Authority notes that the investigation was initiated and notified to all interested parties and adequate opportunity was given to the exporters, importers and other interested parties to provide positive information on the aspect of dumping, injury and causal link. Having initiated and conducted the investigation into dumping, injury and causal link in terms of the provisions laid down under the Rules and having established positive dumping margin as well as material injury to the domestic industry caused by such dumped imports, the Authority is of the view that imposition of definitive antidumping duty is required to offset dumping and injury. The Authority, therefore, considers it necessary and recommends imposition of anti-dumping duty on imports of subject goods from the subject country in the form and manner described here under.
143. In terms of provision contained in Rule 4(d) & Rule 17(1) (b) of the Rules, the Authority recommends imposition of anti-dumping duty equal to the lesser of margin of dumping and the margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, definitive anti-dumping duty equal to the amount mentioned in Column 7 of the duty table below is recommended to be imposed for five (5) years from the date of the Notification to be issued by the Central Government, on all imports of subject goods as mentioned in Column 3 of the duty table originating in or exported from subject country.

DUTY TABLE

S. No.	Heading/Sub-heading	Description of Group	Country of origin	Country of export	Producer	Duty Amount	Currency	Unit
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
1.	7019 9010, 7019 9090, 7019 1900, 7019 3900, 7019 5900	Faced Glass Wool in Rolls*	China PR	Any country including China PR	Owens Corning Guangzhou Fiberglass Co Ltd	14.60	USD	MT
2	-do-	-do-	China PR	Any country including China PR	Any other than Sl no. 1 above	400.23	USD	MT
3	-do-	-do-	Any country other than China PR	China PR	Any	400.23	USD	MT

*Faced Glass Wool in Rolls excludes “Faced Glasswool in flat / tabular form” such as tiles, sheets or boards.

O. Further Procedure

144. An appeal against the order of the Central Government that may arise out of this recommendation shall lie before the Customs, Excise and Service tax Appellate Tribunal in accordance with the relevant provisions of the Act.

B. B. SWAIN, Spl. Secy. and Designated Authority